@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 21 मई 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 181 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सीडीएस अनिल चौहान ने बढ़ाया जवानों का हौसला

बंगलूरू, 20 मई। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सोमवार को मराठा लाइट इंफेंट्री रेजिमेंटल सेंटर का दौरा किया। बेलगावी स्थित रेजिमेंटल सेंटर में सीडीएस ने अग्निवीरों को संबोधित किया। अपने संबोधन में जनरल चौहान ने सेना में सेवा के उद्देश्य और सैन्य ढांचे में अग्निवीरों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अग्निवीर सिर्फ सैनिक ही नहीं बल्कि नायक हैं और देश की संप्रभुता के रखवाले हैं। एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि सीडीएस ने भविष्य में होने वाले युद्धों को घातक करार देते हुए इनकी प्रकृति के बारे में भी बताया। उन्होंने भविष्य में होने वाले युद्धों में साइबर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की प्रमुखता पर जोर दिया। सीडीएस ने प्रौद्योगिकी पर ध्यान देने की जरूरत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भविष्य के युद्धों को नई सोच और नई प्रौद्योगिकी की आवश्यकता है। जनरल चौहान ने इस दौरान अग्निवीरों को भारतीय सेना में शामिल होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्र के प्रति अग्निवीरों के असाधारण कर्तव्य का प्रमाण है। सीडीएस के अनुसार एक सैनिक और उसके परिवार को कई चुनौतियों से गुजरना पड़ता है। चुनौतियों से भरे वातावरण में काम करते समय एक सैनिक को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जनरल अनिल चौहान ने यह भी आश्वासन दिया कि कई चुनौतियों के बाद भी अग्निवीरों को अपनी ड्यूटी बहुत अच्छी लगेगी। उन्होंने कहा कि हर एक कदम के साथ अग्निवीरों का व्यक्तिगत विकास होगा और देश की सेवा करने में गर्व महसूस होगा।

पांचवें चरण में 65 फीसदी मतदान हुआ

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 20 मई। लोकसभा चुनाव के पांचवें दौर के लिए मतदान सोमवार को खत्म हो गया। इस चरण में आठ प्रदेशों की 49 सीटों पर 695 उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतरे। पांचवें दौर में सबसे ज्यादा 14 सीटें उत्तर प्रदेश की जबकि सबसे कम जम्मू कश्मीर और लद्दाख की एक-एक सीट पर वोट डाले गए। पांच बजे तक के आंकड़े के अनुसार, पांचवें चरण की 49 सीटों पर 56.68% मतदान हुआ है। 2019 में इन सीटों पर 62.01 फीसदी मतदान हुआ था। अब तक के चुनावों में मत प्रतिशत चर्चा का बड़ा विषय रहा है। विपक्ष ने चुनाव आयोग पर देरी से वोटिंग के आंकड़े देने का आरोप लगाया जिसका आयोग ने खंडन किया है। वहीं सत्ता पक्ष ने कहा कि विपक्ष ने पहले ही हार मान ली है। आइए जानते हैं कि पांचवें चरण में जिन सीटों पर मतदान हुआ वहां 2019 में कितनी वोटिंग हुई थी? चरण-वार मतदान के आंकड़े क्या कहते हैं? 2019 में तुलना में इस बार कैसे मतदान हो रहा है? लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की 102 सीटों के लिए वोट डाले गए थे। 2019 में इन 102 सीटों 69.96 फीसदी वोट पड़े थे जबकि इस बार 66.14% मतदान हुआ है। दूसरे दौर में 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर मतदान हुआ था।

पिछले चुनाव में इन 88 सीटों पर कुल 70.09 फीसदी मतदान हुआ था जबकि इस बार का आंकड़ा 66.71% रहा। यहां ध्यान देने वाली बात है कि मणिपुर की बाहरी मणिपुर लोकसभा सीट के 15 विधानसभा क्षेत्रों में पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान हुआ था, जबकि अन्य 13 विधानसभा क्षेत्रों में दूसरे चरण में मतदान कराया गया था। 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 93 सीटों पर तीसरे चरण का मतदान हुआ था। इन 93 सीटों पर 2019 में कुल 66.89% लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था जबकि इस बार 65.68% वोटिंग हुई। 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 96 सीटों पर चौथे चरण में मतदान हुआ। इन 96 सीटों पर 2019 में कुल 69.12 फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। वहीं, इस बार 69.16 फीसदी मतदान हुआ है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग ने कई तरह के अभियान चलाए जिसका असर चौथे चरण के मतदान में भी दिखा। इस तरह से पहले चार चरणों में कुल 66.95% मतदान हुआ है। 20 मई को पांचवें चरण में 49 सीटों पर पांच बजे तक के आंकड़े के अनुसार, 56.68% मतदान हुआ है। 2019 में इन सीटों पर कुल 62.01% मतदान दर्ज किया गया था। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 48 सीटों पर मतदान जारी है। इस चरण में 695 प्रत्याशी मैदान में हैं। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी, पीयूष गोयल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कुल 695 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा। मतदान में 8.95 करोड़ से अधिक मतदाता आज अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसमें 4.69 करोड़ पुरुष, 4.26 करोड़ महिलाएं और 5409 थर्ड जेंडर के मतदाता शामिल हैं। सोमवार को केंद्रीय मंत्री, विपक्षी नेता समेत कई बड़े चेहरों ने मतदान किया। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में वोट डाला। वह अपने परिवार के साथ मतदान करने पहुंचे। वोट डालने के बाद उन्होंने लोगों से मतदान करने की अपील की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे के एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। वोट डालने के बाद उन्होंने मीडिया से बात की। सीएम शिंदे ने कहा कि वोट देने का अधिकार एक बहुत ही मूल्यवान अधिकार है। उन्होंने कहा, आपका एक वोट देश का विकास करेगा और देश को महाशक्ति बनने में मदद करेगा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और स्मृति ईरानी ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वोट डालने के बाद स्मृति ईरानी ने लोगों से मतदान करने की अपील करते हुए कहा, यह देश के भविष्य के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। भाजपा के सांसद बृज भूषण सिंह ने भी अपना वोट डाला। उनके बेटे करण भूषण सिंह कैसरगंज सीट से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। मतदान केंद्र के बाहर मीडिया से बात करते हुए बृज भूषण ने कहा, कैसरगंज के लोग उन्हें (करण भूषण) दोगुने वोटों से जीता रही हैं।

राउज एवेन्यू कोर्ट से नहीं मिली के कविता को राहत

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 20 मई। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से एक बार फिर आबकारी नीति मामले से जुड़े सीबीआई केस में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) एमएलसी के. कविता को राहत नहीं मिली। कोर्ट ने सोमवार को उनकी न्यायिक हिरासत तीन जून तक बढ़ा दी है। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 15 मार्च को उन्हें हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया था। ईडी ने आरोप लगाया था कि दिल्ली में शराब लाइसेंस के एक बड़े हिस्से के बदले में साऊथ ग्रुप ने राष्ट्रीय राजधानी में आप को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी। एजेंसी ने बीआरएस नेता के. कविता को इसी साउथ ग्रुप का एक प्रमुख सदस्य बताया है। इसके अलावा समूह में मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी, उनके बेटे मगुंटा राघव रेड्डी, अरुण रामचंद्र पिल्लई बुचीबाबू गोरांटला, अभिषेक बोइनपल्ली और पी सरथ चंद्र रेड्डी शामिल बताए गए हैं। ईडी ने दावा किया है कि कविता ने अन्य लोगों के साथ मिलकर दिल्ली शराब घोटाला में लाभ पाने के लिए अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के साथ मिलकर साजिश रची। इन

अहसानों के बदले के कविता ने आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ रुपये भी दिए। ईडी ने कहा कि के कविता और उनके सहयोगियों ने आप को पहले ही भुगतान कर दिया। ईडी ने पिछले दिनों पीएमएलए अदालत को बताया था कि के. कविता दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले की मुख्य साजिशकर्ता और लाभार्थी में से एक थीं। कोरोना काल के बीच दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 लागू की थी। इस शराब नीति के कार्यान्वयन में कथित अनियमितता की शिकायतें आईं जिसके बाद उपराज्यपाल ने सीबीआई जांच की सिफारिश की। इसके साथ ही दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 सवालों के घेरे में आ गई। हालांकि, नई शराब नीति को बाद में इसे बनाने और इसके कार्यान्वयन में अनियमितताओं के आरोपों के बीच रद्द कर दिया गया था। सीबीआई ने अगस्त 2022 में इस मामले में 15 आरोपियों के खिलाफ नियमों के कथित उल्लंघन और नई शराब नीति में प्रक्रियागत गड़बड़ी के आरोप में एफआईआर दर्ज की। बाद में सीबीआई द्वारा दर्ज मामले के संबंध में ईडी ने पीएमएलए के तहत मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की जांच शुरू कर दी। ईडी और सीबीआई दिल्ली सरकार की नई शराब नीति में कथित घोटाले की अलग-अलग जांच कर रही हैं।

कवर्धा में भीषण सड़क हादसा: 19 की मौत

कबीरधाम, 20 मई। कबीरधाम जिले के पंडरिया ब्लॉक तहत कुकदूर थाना क्षेत्र के ग्राम बाहपनी में आज दोपहर करीब 12 बजे पिकअप वाहन 30 फीट गहरी खाई में गिर गया। जिसमें से 19 लोगों की मौत की हो गई। पिकअप में करीब 25 से अधिक लोग सवार थे। कुकदूर थाने से मिली जानकारी के अनुसार, पिकअप में बैठे लोग ग्राम सेमहारा (कुई) के रहने वाले हैं, जो कि तेंदूपत्ता तोड़ने गए थे। जिस सड़क में यह हादसा हुआ है वह प्रधानमंत्री सड़क में आती है। ये कुई से होते हुए नेऊर और रुकमीदादर को जोड़ती है। इसके बाद मध्य प्रदेश शुरू हो जाता है। घटना स्थल सुदुर वनांचल व पहाड़ी क्षेत्र में आता है। यहां पर मोबाइल नेटवर्क भी काम नहीं करता है। हादसे पर पीएम मोदी ने दुख जताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के कवर्धा में हुआ सड़क हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। इस दुर्घटना में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा है। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में हुआ सड़क हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। इस दुर्घटना में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा है। हादसे पर सीएम साय ने दुख जताते हुए कहा कि कबीरधाम जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी गांव के पास पिकअप पलटने से 18 ग्रामीणों के निधन एवं 7 के घायल होने का दु:खद समाचार प्राप्त हो रहा है। घायलों के बेहतर इलाज के आवश्यक निर्देश ज़िला प्रशासन को दिए गए हैं। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और उनके परिवार के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करता हूँ।

अहमदाबाद हवाई अड्डे पर चार आईएसआईएस आतंकवादी गिरफ्तार

कौमी संवाददाता

अहमदाबाद, 20 मई। अहमदाबाद हवाई अड्डे पर इस्लामिक स्टेट (इस्इस) के चार आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। चारों आतंकी श्रीलंकाई नागरिक बताए जा रहे हैं। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) की ओर से यह कार्रवाई की गई है। गुजरात एटीएस ने सोमवार को बताया कि उसने सरदार वल्लभभाई पटेल हवाई अड्डे से चार आतंकियो को गिरफ्तार किया है। हालांकि, गिरफ्तारी किस मामले में की गई है, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। पिछले साल अगस्त में एटीएस ने अलकायदा से कथित संबंधों के आरोप में राजकोट से तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। प्रथम दृष्टया वे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के लिए लोगों को कट्टरपंथी बनाने और भर्ती करने के लिए एक बांग्लादेशी हैंडलर के लिए काम कर रहे थे। गुजरात के डीजीपी विकाश सहाय ने बताया,

सूचना मिली थी कि चार लोग मोहम्मद नुसरत, मोहम्मद नुफ्रान, मोहम्मद फारिस और मोहम्मद राजदीन श्रीलंकाई नागरिक हैं और प्रतिबंधित आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट के सक्रिय सदस्य हैं। सभी आईएसआईएस विचारधारा से कट्टरपंथी हैं। वे आतंकवादी हमले को अंजाम देने के लिए भारत आने वाले थे। जानकारी के मुताबिक, वे 18 या 19 मई को रेलवे या फ्लाइट से अहमदाबाद पहुंचने वाले थे। प्राप्त जानकारी के आधार पर रणनीति बनाई गई और दक्षिण से आने वाली ट्रेनों और उड़ानों की यात्री सूची पर नजर बनाई गई। सभी चार लोग इंडिगो की उड़ान से एक ही पीएनआर नंबर पर चेन्नई से अहमदाबाद की यात्रा कर रहे थे। पुष्टि के लिए कोलंबो से भी सत्यापन किया गया है। उन्होंने बताया कि फरवरी 2024 से ये चार लोग अबू नाम के एक शख्स के संपर्क में थे, जो पाकिस्तान में रहता है और आईएसआईएस नेता है। वे सोशल मीडिया के जरिए उसके संपर्क में थे। अबू ने उन्हें भारत में आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए उकसाया। वे इतने कट्टरपंथी थे कि आत्मघाती बम विस्फोट के लिए भी तैयार हो गए। पाकिस्तानी निवासी अबू ने उन्हें श्रीलंकाई मुद्रा में चार लाख रुपये भी दिए। उनके पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। फोन में उनके खिलाफ सबूत के लिए तमाम तस्वीरें और वीडियो हैं। मोबाइल फोन में अहमदाबाद के पास नाना चिलोडा क्षेत्र की एक तस्वीर थी। इससे पता चला कि यहां आतंकवादी हमले को अंजाम देने के लिए गोला-बारूद छिपाया गया था। यहां से पाकिस्तान निर्मित गोला-बारूद बरामद किया गया है। तीन पाकिस्तान निर्मित पिस्तौल और 20 सक्रिय कारतूस भी बरामद की गई हैं।

अंतरिक्ष में इंसानों को भेजना और अंतरिक्ष स्टेशन बनाना हमारा लक्ष्य: इसरो प्रमुख एस सोमनाथ

सिलीगुड़ी, 20 मई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा है कि इसरो का लक्ष्य अंतरिक्ष में इंसानों को भेजना और अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाना है। एस सोमनाथ रविवार को पश्चिम बंगाल के सिलिगुड़ी स्थित एक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इसी दौरान उन्होंने इसरो की भविष्य की योजनाओं पर बात की। इसरो चीफ ने कहा कि चंद्रयान मिशन सफल रहा और इस सफल मिशन के बाद से दुनिया हमारी तरफ देख रही है। एस सोमनाथ ने कहा कि हमने अंतरिक्ष कानून संशोधन का 2020 में एलान किया है। साथ ही सरकार ने नई भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 का भी एलान किया है। इसके बाद निजी कंपनियां और संस्थान साथ मिलकर अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम कर पाएंगे। हम उम्मीद कर रहे हैं कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ेगी और इससे भी बढ़कर संस्थागत काम अंतरिक्ष के क्षेत्र में हो रहे हैं। हम भविष्य में अंतरिक्ष के क्षेत्र में क्या करना चाहते हैं, इसके लिए सरकार ने एक नया विजन दिया है। इसरो चीफ ने कहा कि यह सब बेहद रोमांचक है। हम अंतरिक्ष में इंसानी गतिविधियों के बारे में जान सकेंगे और अंतरिक्ष स्टेशन भी बना सकेंगे। अंतरिक्ष क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी और इससे रोजगार, उद्योग और स्टार्टअप के अवसर बनेंगे। इसरो के अनुसार, सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र में कई सुधार किए हैं, जिससे इस क्षेत्र में निजी कंपनियों के आने का रास्ता खुल गया है।

लालटेन युग का अंत हो गया: सीएम नीतीश कुमार

सौरभ शर्मा

बेतिया, 20 मई। पश्चिम चंपारण जिले के मैनाटाड़ हाई स्कूल के खेल मैदान में वाल्मीकिनगर लोकसभा के एनडीए से जदयू प्रत्याशी सुनील कुमार के पक्ष में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुनावी सभा की। उन्होंने बिना नाम लिए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि काम हम किए हैं और प्रचार वो कर रहे हैं। पूरे बिहार के टोले- टोले में बिजली जल रही है। लालटेन युग का अंत हो गया। आज इंडी गठबंधन वाले नेता आज लालटेन की बात कर रहे हैं। यह सब आप जनता समझ रहे हैं। हम लोग विकास करना चाहते हैं लेकिन हमारे जो विपक्षी हैं वह विनाश करना चाहते हैं। हमारे लिए पूरा बिहार परिवार है। कहा कि विकास और देश के मान-सम्मान गरीबों के उत्थान के लिए आप अपना एनडीए प्रत्याशी सुनील कुमार के पक्ष में तीर का बटन दबाकर 25 मई को अपना मतदान करें। पहले मतदान फिर जलपान करे। सीएम ने हमलोग विकास के एजेंडे पर काम कर रहे है। हम सभी इलाके ,वर्ग व समाज के लोगों के विकास के लिए काम कर रहे हैं। समाज में किनारे पड़े लोगों को मुख्यधारा में जोड़ने में लगे हैं। थरूहट क्षेत्र के समग्र विकास के लिए 2009 से हमने काम शुरू कर दिया है। बेतिया मे मेडिकल कॉलेज अस्पताल की

स्थापना की गई है। इको टूरिज्म के दृष्टिकोण से बाल्मीकि नगर में वाल्मीकि सभागार का निर्माण कराया। पथ और पुलों का निर्माण कराया है। स्वास्थ्य के क्षेत्र मे एएनएम प्रशिक्षण सह छात्रावास संस्थान का निर्माण तथा आईटी का निर्माण किया गया है। मैनाटाड़ प्रखंड के पिड़ारी में अति रिक्त स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कराया गया है।पंचायत सरकार भवन का निर्माण हो रहा है। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि मुस्लिम समाज के लोगों के लिए मदरसा को सरकारी मान्यता दिया है। हमेशा पहले हिंदू-मुस्लिम की झगड़ा होता रहता था, हमने उसको दूर किया है और कब्रिस्तान की घेराबंदी कराई है। मंदिरों का चार दिवारी कराया हम हिंदू मुस्लिम सबका का काम करते हैं। हर घर नल का जल, शौचालय पहुंचा दिया। हमलोगों ने 2005 से 2020 के बीच हमलोगो ने आठ लाख लोगो को नौकरी दिया तथा लाखो लोगो को रोजगार देगे। उन्होंने जीविका दिदी के बारे मे विस्तृत चर्चा किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा से हमारा पुराना रिश्ता है हमारा रिश्ता 1995 से है। बीच में हम एक दो बार इधर-उधर गए थे लेकिन अब पक्का वादा है कि उसके बाद कभी कहीं नहीं जाएंगे एनडीए के साथ हमेशा हमेशा के लिए रहेंगे। स्वास्थ्य के क्षेत्र मे भी हमने बढ चढ कर काम किया है। जनता के भलाई के लिए हमने बहुत कुछ किया है और कर भी रहे है और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि विकास हम कर रहे हैं और प्रचार हो कर रहे हैं।

देश में बदलाव की आंधी चल पड़ी: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 20 मई। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए 49 सीटों पर मतदान शुरू हो गया है। इस बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि लोग लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए खड़े हो गए हैं। देश में एक बड़े बदलाव की आंधी चल पड़ी है। छह राज्यों और दो केंद्र शासित

प्रदेशों के 49 सीटों पर आज सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो गया। इस चरण में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी, पीयूष गोयल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कुल 695 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी में पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में कहा, आज पांचवें चरण का मतदान है। पहले चार चरणों में ही यह साफ हो गया है कि जनता संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए खड़ी हो गई है और भाजपा को हरा रही है। नफरत की राजनीति से ऊब चुका यह देश अब अपने मुद्दों पर वोट कर रहा है। युवा नौकरी के लिए, किसान एमएसपी और कर्ज से मुक्ति के लिए, महिलाएं आर्थिक निर्भरता और सुरक्षा के लिए और मजदूर वाजिब मेहनताने के लिए। उन्होंने आगे कहा, जनता इंडी गठबंधन के साथ मिलकर खुद यह चुनाव लड़ रही है और देश भर में बदलाव की आंधी चल रही है। मैं अमेठी और रायबरेली समेत पूरे देश से अपील कर रहा हूं कि अपने परिवारों की समृद्धि के लिए, खुद के अधिकारों के लिए, भारत की प्रगति के लिए बड़ी संख्या में बाहर निकलिए और वोट कीजिए। पहले चार चरणों में ही यह साफ हो गया है कि जनता संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए खड़ी हो गई है और भाजपा को हरा रही है। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 में राहुल गांधी वायनाड के साथ रायबरेली से भी चुनाव लड़ रहे हैं। पांचवें चरण के मतदान में 8.95 करोड़ से अधिक मतदाता आज अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसमें 4.69 करोड़ पुरुष, 4.26 करोड़ महिलाएं और 5409 थर्ड जेंडर के मतदाता शामिल हैं।

विपक्ष स्थायी रूप से बेरोजगार होने जा रहा विपक्ष: प्रधानमंत्री मोदी

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 20 मई। लगातार तीसरी बार सरकार बनाने को लेकर पूरे विश्वास में दिख रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि इंडी गठबंधन के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए हड़बड़ाहट में है। वह तुष्टीकरण के लिए आरक्षण में सेंध लगाने में जुटा है। अभी तक हमारे जिन कार्यों का वे मजाक उड़ाते थे, अब वही काम करने का वादा करने लगे हैं। तय मानिए कि इस चुनाव के बाद विपक्ष स्थायी रूप से बेरोजगार होने जा रहा है। पीएम मोदी स्पष्ट कहते हैं कि तुष्टीकरण की नीति से मुस्लिम समाज का भला नहीं हो सकता। मुस्लिम समाज को सोचना चाहिए कि उन्हें कांग्रेस के 6 दशक में क्या मिला और पिछले 10 साल में उन्हें क्या-क्या सुविधाएं मिलीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. इन्दुशेखर पंचोली को दिए विशेष साक्षात्कार में हर मुद्दे पर खुलकर जवाब दिया... चुनाव पांचवें चरण में पहुंच गया है। आज की स्थिति में आप भाजपा को अकेले और एनडीए को कहां खड़ा पाते हैं? 2024 का चुनाव शुरू होने से पहले एक बात की चर्चा विशेष तौर पर की जा रही थी कि दुनिया में पहली बार किसी सरकार की तीसरी पारी को लेकर लोगों में अभूतपूर्व उत्साह दिख रहा है। चार चरणों के चुनाव के बाद मैं यह विश्वास के साथ कह सकता हूं कि जिस ऊर्जा और उत्साह के साथ भारत के लोगों ने इस चुनावी मिशन को शुरू किया था, वह कम नहीं हुआ है। हर चरण के साथ लोगों का यह संकल्प और मजबूत हुआ है कि भाजपा को 370 और एनडीए को 400 से अधिक सीटें देनी हैं। सीटों की यह गिनती लोगों के बीच से ही आई है। ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि इनके साथ लोगों की भावनाएं भी जुड़ी हैं। केंद्र की भाजपा सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 खत्म किया, इससे लोगों ने मन बनाया कि भाजपा को 370 सीटों पर जीत दिलानी है। यहीं से एनडीए के लिए 400 सीटों से पार का नारा बुलंद हुआ। आज जब मैं देश के अलग-अलग हिस्सों में रैलियों के लिए जाता हूं, तो देखता हूं कि लोगों ने 4 जून, 400 पार के नारे को आत्मसात कर लिया है। यह नारा, अपनी भावना प्रकट करने का माध्यम बन गया है।

इसीलिए, विश्वास के साथ कह पा रहा हूं कि इस बार 400 से ज्यादा सीटों के साथ देश में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने जा रही है। आपने हाल ही में कहा था कि एनडीए प्लस में बीजद और वाईएसआरसीपी भी हैं। जबकि स्थिति यह है कि भाजपा का ओडिशा में बीजद से गठबंधन नहीं हो पाया। आंध्र में आप जिस तेदेपा के साथ गठबंधन में हैं, वाईएसआरसीपी उसकी प्रतिद्वंद्वी है। क्या भविष्य में भी ये दोनों दल पहले की तरह संसद में आपका सहयोग करते रहेंगे? इनमें से अधिकतर पार्टियों के खिलाफ हम पहले भी चुनाव लड़ चुके हैं। हां, आपकी यह बात सही है कि इन पार्टियों ने देशहित के मुद्दों पर हमें सपोर्ट किया है। आंध्र प्रदेश और ओडिशा में हमें राज्य के विकास की चिंता है। हम वहां के लोगों को भ्रष्टाचार और अराजकता से बाहर लाना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि आंध्र और ओडिशा के लोगों को भी केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले। हम चाहते हैं कि दोनों राज्यों में इन्फ्रास्ट्रक्चर का तेज गति से विस्तार हो, युवाओं को रोजगार के अवसर मिले, महिलाओं को सुरक्षा का एहसास हो।

लेबनान में इजरायली हवाई हमले में आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के दो सदस्यों की मौत, दो घायल

एजेंसी

बेरूत। लेबनान के दक्षिणी मरून अल-रास गांव के एक घर पर इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह के दो सदस्य मारे गए और दो अन्य घायल हो गए हैं। समचार एजेंसी ने यह जानकारी लेबनानी सैन्य सूत्रों के हवाले से दी है। सूत्रों ने कहा कि एक इजरायली युद्धक विमान ने मारून अल-रास में दो मंजिला घर पर चार मिसाइलें दागीं, जिससे घर नष्ट हो गया और लोग हताहत हुए।

प्रधानमंत्री को विश्वास का मत लेने से रोकने का विपक्षी मोर्चा का निर्णय

काठमांडू। सत्तापक्ष और विपक्षी दलों के बीच संभावित सहमति नहीं होने से प्रधानमंत्री द्वारा संसद में लिए जाने वाले विश्वास के मत पर अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। सहकारी घोटाले में गृहमंत्री की संलग्नता की जांच के लिए संसदीय समिति के गठन पर सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों के बीच सहमति तो बन गई थी लेकिन उसमें गृहमंत्री का नाम रखने और नहीं रखने को लेकर सहमति नहीं बन पाने के कारण संसद का अवरोध जारी रखने का निर्णय किया गया है। विपक्षी दलों की बैठक के बाद नेपाली कांग्रेस के महामंत्री गगन थापा ने पत्रकार सम्मेलन कर कहा कि सोमवार को प्रधानमंत्री द्वारा विश्वास का मत लेने का विरोध किया जाएगा। थापा ने कहा कि कल सुबह 11 बजे तक यदि संसदीय समिति पर सहमति जुटती है तो ठीक वरना सदन में तोई भी कार्रवाही नहीं चलने दी जाएगी।

प्रधानमंत्री के तरफ से सोमवार को प्रतिनिधि सभा में विश्वास का मत लेने की कार्यसूची रखी गई है। प्रधानमंत्री प्रचण्ड पांचवीं बार सदन में विश्वास का मत लेने जा रहे हैं। प्रचण्ड को समर्थन कर रहे जनता समाजवादी पार्टी नेपाल के तरफ से समर्थन वापस लेने के बाद संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक 30 दिन के भीतर विश्वास का मत लेना है। तेजी से बदलते राजनीतिक हालात ते बीच प्रधानमंत्री समर्थन वापस लेने के एक हफ्ते बाद ही विश्वास का मत ले रहे हैं।

ईरान के राष्ट्रपति रायसी के हेलिकॉप्टर दुर्घटना की जांच में मदद करने को तैयार हैं: रूस

मास्को। रूस ने कहा है कि ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी को ले जा रहे लापता हेलिकॉप्टर को खोजने और दुर्घटना के कारणों की जांच करने में आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने रविवार को कहा कि रूस ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी को ले जा रहे लापता हेलिकॉप्टर को खोजने और दुर्घटना के कारणों की जांच करने में आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। इससे पहले ईरानी मीडिया ने बताया कि श्री रायसी, ईरानी विदेश मंत्री हुसैन अमीराब्दुल्लाहियन और उनके साथियों को ले जा रहा हेलिकॉप्टर उत्तर-पश्चिमी ईरान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। ईरान के आंतरिक मंत्री अहमद वाहिदी ने बाद में दुर्घटना की पुष्टि की। रिपोर्ट में कहा गया है कि बचाव दल घटनास्थल पर पहुंच गए हैं, लेकिन खराब मौसम की वजह से तलाशी अभियान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने ÷हम तीसरे हेलिकॉप्टर के यात्रियों के बारे में आ रही जानकारी की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं, जिनमें राष्ट्रपति रायसी सहित ईरान के उच्च पदस्थ प्रतिनिधि भी शामिल है। हमें पूरी उम्मीद है कि वे जीवित हैं, और उनका जीवन और स्वास्थ्य खतरे में नहीं है। सुश्री ज़खारोवा ने कहा, ÷रूस लापता हेलिकॉप्टर को खोजने और घटना के कारणों की जांच में सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

कनाडा में नाव दुर्घटना में 3 की मौत, 5 घायल

ओटावा। कनाडा में रात हुई एक नाव दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय मीडिया ने दी। यह दुर्घटना कनाडा की राजधानी ओटावा से लगभग 140 किमी

दक्षिण में बॉब्स झील के क्षेत्र में स्थानीय समयानुसार रात 9:30 बजे (0130 जीएमटी) के बाद हुई। स्थानीय पुलिस ने कहा, एक नाव को ओपन बो फिशिंग स्टाइल बोट और दूसरे को स्पीड बोट बताया जा रहा है।

सीटीवी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने कहा कि तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और पांच अन्य को अस्पताल ले जाया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि टक्कर के कारण की जांच की जा रही है।

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और विदेश मंत्री की हेलिकॉप्टर हादसे में मौत

एजेंसी

दुबई। ईरान के उत्तर-पश्चिम स्थित पहाड़ी क्षेत्र में हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हुए राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, विदेश मंत्री और अन्य लोग दुर्घटनास्थल पर मृत पाए गए। देश के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। रईसी 63 वर्ष के थे।

यह घटना ऐसे समय में हुई है जब रईसी और सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व में ईरान ने पिछले महीने इजराइल पर एक जबरदस्त ड्रोन और मिसाइल हमला किया था। इसके अलावा ईरान का यूरेनियम संवर्धन भी हथियार बनाने के लिए आवश्यक स्तर के करीब पहुंच गया है। इसकी वजह से देश और पश्चिमी देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है। तेहरान ने यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को बम ले जाने वाले ड्रोन की आपूर्ति भी की और पूरे क्षेत्र में सशस्त्र मिलीशिया समूहों को भी भेजा। ईरान को खराब अर्थव्यवस्था और महिला अधिकारियों को लेकर उसके शिया धर्मतंत्र के खिलाफ पिछले कुछ वर्षों में

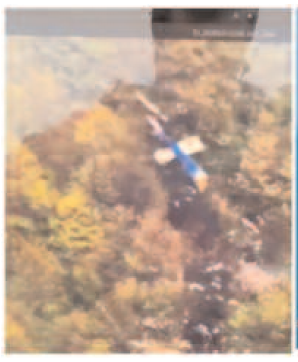

व्यापक पैमाने पर प्रदर्शन का सामना भी करना पड़ा है जिससे मद्देनजर इस हादसे के परिणाम तेहरान और देश के भविष्य के लिए कहीं अधिक गंभीर हो सकते हैं। रईसी ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत में यात्रा कर रहे थे। सरकारी टीवी ने पूर्वी अजरबैजान प्रांत में हुए इस हादसे का कोई कारण अभी नहीं बताया है। उसने बताया कि इस हादसे में रईसी के साथ जिन लोगों के शव मिले हैं, उनमें ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीराब्दुल्लाहियन (60) भी शामिल हैं। सरकारी समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार, रईसी के साथ ईरान के विदेश मंत्री अमीराब्दुल्लाहियन, ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत के गवर्नर एवं अन्य अधिकारी और अंगरक्षक भी यात्रा कर रहे थे। तुर्किये के प्राधिकारियों ने सोमवार की सुबह ड्रोन से ली एक फुटेज जारी की जिसमें जंगल में आग लगी दिखायी दी। उन्होंने इसके ''हेलीकॉप्टर का मलबा होने का संदेह'' जताया। उन्होंने एक दुर्गम पहाड़ी पर अजरबैजान-ईरान सीमा से करीब 20 किलोमीटर दक्षिण में यह आग लगी होने की जानकारी दी। आईआरएनए द्वारा सोमवार को सुबह जारी फुटेज में दुर्घटनास्थल को एक हरित पर्वतीय क्षेत्र में एक दुर्गम घाटी बताया गया। स्थानीय अजेरी भाषा में सैनिकों को यह बोलते सुना गया, ''यह वही है, हमने इसे ढूंढ लिया है।''

इससे पहले रविवार रात को खामेनेई ने लोगों से दुआएं करने का आग्रह किया था। खामेनेई ने कहा था, हमें उम्मीद है कि अल्लाह के करम से राष्ट्रपति और उनके सहयोगी पूरी तरह स्वस्थ स्थिति में देश लौटेंगे।

बहरहाल, उन्होंने यह भी कहा कि चाहे कोई भी स्थिति हो, ईरान की सरकार का कामकाज जारी रहेगा। ईरान के संविधान के तहत, यदि राष्ट्रपति का निधन हो जाता है तो ईरान का प्रथम उपराष्ट्रपति पदभार संभालता है और 50 दिन के भीतर नया राष्ट्रपति चुनाव कराया जाएगा। सरकारी मीडिया के अनुसार, प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद मुखबीर को रईसी की अनुपस्थिति में अधिकारियों और विदेशी सरकारों के फोन भी आने लगे हैं। पूर्व में देश की न्यायपालिका का नेतृत्व कर चुके कट्टरपंथी रईसी (63) को खामेनेई के शिष्य के रूप में देखा जाता था और कुछ विश्लेषकों का कहना था कि खामेनेई के निधन या इस्तीफे के बाद वह 85 वर्षीय नेता की जगह ले सकते थे। रईसी ने 2021 में राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता था। उस दौरान ईरान के इतिहास में अब तक का सबसे कम मतदान हुआ था। अमेरिका ने ईरान-इराक युद्ध के अंत में 1988 में हजारों राजनीतिक कैदियों की सामूहिक फांसी में शामिल होने के कारण रईसी पर प्रतिबंध लगा दिया था।

उ. मिस्र में दुर्घटना में छह की मौत, 13 घायल

काहिरा। मिस्र की राजधानी काहिरा के उत्तर में कल्यूबिया गवर्नरेट के शुबरा अल-खेमा इलाके में रिंग रोड

पर एक बस ने पैदल यात्रियों को कुचल दिया, जिससे छह लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। सरकारी अहराम ऑनलाइन की रिपोर्ट के अनुसार पीड़ित सड़क के किनारे खड़े थे, तभी चालक ने बस पर से नियंत्रण खो दिया और बस ने लोगों को कुचल दिया। सार्वजनिक अभियोजन ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। बस के चालक को हिरासत में ले लिया गया और नशीली दवाओं का परीक्षण करने का आदेश दिया गया।

'भारी शुल्क' की वजह से निलंबित हैं भारत के साथ व्यापारिक संबंध : इशाक डार

एजेंसी

इस्लामाबाद। विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा है कि पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान से आयात पर भारत द्वारा 'भारी शुल्क' लगाए जाने के कारण दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध 2019 से निलंबित हैं।

नेशनल असेंबली में एक लिखित उत्तर में डार ने कहा,'पुलवामा हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान से आयात पर 200 प्रतिशत शुल्क लगाने का फैसला किया, कश्मीर बस सेवा और सीमापार व्यापार को निलंबित कर दिया। डार पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री भी हैं।

अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, डार पाकिस्तान पीपल्स पार्टी की सांसद शर्मिला फारुकी के उस सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने पड़ोसी देशों, खासकर भारत के साथ पाकिस्तान के संबंधों में आने वाली व्यापारिक चुनौतियों के बारे में

जानकारी मांगी थी। मार्च में लंदन में एक संवाददाता के दौरान डार ने भारत के साथ व्यापारिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए पाकिस्तान के व्यापारिक समुदाय की उत्सुकता पर प्रकाश डाला था। हालांकि, उनके कार्यालय ने बाद में स्पष्ट किया था कि पाकिस्तान की भारत के साथ व्यापार संबंधों को फिर से शुरू करने की कोई योजना नहीं है।

चीन ने ताइवान को हथियार बेचने के लिए अमेरिका की बोइंग और दो रक्षा कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

एजेंसी

बीजिंग। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने ताइवान को हथियारों की बिक्री करने के लिए सोमवार को बोइंग और अमेरिका की दो रक्षा कंपनियों के खिलाफ प्रतिबंधों की घोषणा की। बीजिंग, ताइवान को हथियारों की बिक्री करने के लिए रक्षा कंपनियों के खिलाफ हाल के वर्षों में प्रतिबंधों की घोषणा कर चुका है। इसी कड़ी में चीन ने ये नये प्रतिबंध लागू किये हैं। ताइवान एक स्वशासित द्वीप है, जिसे चीन अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने बोइंग डिफेंस, स्पेस एंड सिक्योरिटी यूनिट, जनरल एटमिक एयरोनॉटिकल सिस्टम्स और जनरल डायनेमिक्स लैंड सिस्टम्स पर भविष्य में अपने देश में निवेश करने और कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन व अधिकारियों की यात्रा पर रोक लगा

दी। चीन ने इन तीनों कंपनियों को 'अविश्वसनीय संस्थाओं' की सूची में भी डाल दिया। ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने उन्नत लड़ाकू विमानों और अन्य प्रौद्योगिकी के आयात व अपने घरेलू रक्षा उद्योग को मजबूत कर देश की सुरक्षा को मजबूत करने का संकल्प लिया है। चीन ने अप्रैल में जनरल एटमिक एयरोनॉटिकल सिस्टम्स और जनरल डायनेमिक्स लैंड सिस्टम्स की परिसंपत्तियों पर रोक लगा दी थी।

'फिलिस्तीन में नरसंहार बंद करो...', ब्रसेल्स में हजारों लोगों ने किया प्रदर्शन

एजेंसी

ब्रुसेल्स। गाजा में तत्काल युद्धविराम की मांग करते हुए विभिन्न यूरोपीय देशों के हजारों प्रदर्शनकारियों ने ब्रुसेल्स में प्रदर्शन किया है। प्रदर्शनकारियों ने 'फिलिस्तीन में नरसंहार बंद करो', 'प्रतिरोध' और 'फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता' जैसे नारे लगाते हुए गारे डु नॉर्ड से यूरोपीय क्वार्टर में प्लेस जीन रे तक जूलूस निकालकर प्रदर्शन किया है। बेल्जियम-फिलिस्तीनी एसोसिएशन, फ्रेंच और डच भाषी अम्ब्रेला संगठन सीएनसीडी-11.11.11 और फिलिस्तीनी समूह सहित नागरिक समाज संगठनों द्वारा आयोजित प्रदर्शन में लगभग 40,000 प्रदर्शनकारियों ने हिस्सा लिया।

आयोजकों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्थायी युद्धविराम का रास्ता निकालने, नागरिकों की रक्षा करने और बंधकों को मुक्त करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान किया।

उन्होंने गाजा पट्टी की नाकाबंदी को समाप्त करने और फिलिस्तीनियों को मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए बढ़ावा देने की भी मांग की। वोलुवे सेंट-लैंबर्ट में सीएनसीडी-11.11.11 के अध्यक्ष जॉर्जेस डी स्मुल ने कहा कि इस मुद्दे का मुख्य कारण है कि 70 वर्ष पहले संयुक्त राष्ट्र द्वारा फिलिस्तीन को एक देश के रूप में मान्यता नहीं दी थी।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि फिलिस्तीन को देश का दर्जा पाने का वैध अधिकार है। इसके अलावा, संगठनों ने यूरोपीय संघ और उसके सदस्य देशों से इजरायल पर पूर्ण अंतरराष्ट्रीय सैन्य प्रतिबंध लगाने और उसके खिलाफ आर्थिक और राजनयिक प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया। बेल्जियम-फिलिस्तीनी एसोसिएशन के प्रवक्ता ग्रेगरी माउज ने कहा, यूरोपीय संघ इजरायल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और सक्रिय भूमिका निभाने और अधिकांश अंतरराष्ट्रीय संस्थानों और गैर सरकारी संगठनों द्वारा इस नरसंहार रोकने के लिए दबाव बनाने का महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

गौरतलब है कि पिछले साल सात अक्टूबर को इजरायल-हमास का संघर्ष शुरू होने के बाद से बेल्जियम में बड़े पैमाने पर छठा विरोध प्रदर्शन हुआ है। आयोजकों ने आशा व्यक्त किया कि अंतरराष्ट्रीय दबाव से युद्धविराम और फिलिस्तीनी आबादी को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि गाजा में हो रहे इजरायली हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 35,386 तक पहुंच गयी है।

यूक्रेन-रूस के बीच हमले तेज

एजेंसी

कीव। रूस ने अपने क्षेत्र में यूक्रेन के लगभग 60 ड्रोन और कई मिसाइल मार गिराने का दावा किया है जबकि कीव ने कहा है कि उसने 30 से अधिक रूसी ड्रोन नष्ट किए हैं। खार्किव के बाहरी इलाके में एक हमले में रविवार को कम से कम चार लोगों के मारे जाने की खबर है। रूस ने यूक्रेन के युद्धग्रस्त उत्तर-पूर्व इलाके में नए सिरे से आक्रमण शुरू कर दिया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी हवाई सुरक्षा ने दक्षिणी क्रास्नोडार क्षेत्र में रात भर में 57 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया। स्थानीय सैन्य अधिकारियों ने कहा कि ड्रोन का मलबा स्लावियांस्क-ऑन-क्यूबन शहर में एक तेल रिफाइनरी पर गिरा,

लेकिन इससे आग की कोई घटना अथवा किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई है। रिफाइनरी में एक विस्फोट दिखाया गया, क्योंकि इससे एक ड्रोन टकराया। वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। यूक्रेनी ड्रोन हमले के बाद रूस के कब्जे वाले क्रीमिया प्रायद्वीप पर लंबी दूरी की नौ बैलिस्टिक मिसाइल और एक ड्रोन नष्ट कर दिया गया, जिससे सेवस्तोपोल शहर में बिजली कट गई। यूक्रेन की सीमा से लगे बेलगोरोद क्षेत्र में तीन और ड्रोन मार गिराए गए। क्षेत्रीय गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव के अनुसार, ड्रोन का मलबा गिरने से एक चर्च की छत पर आग लग गई, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ।

अफगानिस्तान में भारी बारिश से आई अचानक बाढ़ से 84 की मौत

एजेंसी

अफगानिस्तान। उत्तरी अफगानिस्तान में असामान्य रूप से हुई भारी बारिश के बाद अचानक आई बाढ़ में कम से कम 84 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी तालिबान के एक प्रवक्ता ने दी।

फरयाब प्रांत के गवर्नर के प्रवक्ता इस्मतुल्ला मुरादी ने कहा कि शनिवार रात प्रांत के चार जिलों में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ में कम से कम 66 लोगों की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हो गए, आठ लोग लापता है। उन्होंने बताया कि अन्य लोगों की मौत शुक्रवार को आई बाढ़ में हुई।

मुरादी ने कहा कि 1,500 मकान पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, सैकड़ों हेक्टेयर कृषि भूमि बर्बाद हो गई है और 300 से

अधिक पशु मारे गए हैं। अफगानिस्तान में असामान्य रूप से भारी मौसमी बारिश हो रही है। पश्चिमी प्रांत गोर के गवर्नर के प्रवक्ता अब्दुल वाहिद हमास के अनुसार, बुरी तरह प्रभावित प्रांत में आई बाढ़ से 50 लोगों के मरने की खबर है।

कांगो में तख्तापलट की कोशिश नाकाम, तीन मारे गए

एजेंसी

किन्शासा। कांगो में सुबह तख्तापलट के प्रयास को सेना ने नाकाम कर दिया है। इस संबंध में सेना ने बताया कि रविवार सुबह तख्तापलट की कोशिश को विफल कर दिया। इसके साथ ही सैन्य वर्दी में हथियारबंद लोगों और कांगो के राष्ट्रपति के करीबी सुरक्षाकर्मियों के बीच गोलीबारी में तीन लोगों के मारे जाने के बाद कई अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जिनमें विदेशी लोग भी शामिल हैं।

स्थानीय मीडिया ने शुरुआत में हथियारबंद लोगों की पहचान कांगो के सैनिकों के रूप में की लेकिन फिर बताया कि वे स्व-निर्वासित विपक्षी नेता क्रिश्चियन मलंगा से जुड़े लोग

हैं। हालांकि मलंगा ने बाद में फेसबुक पर राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेदी को धमकी देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया।

इससे पहले दिसंबर में अराजकता के बीच हुए मतदान में त्सेसीकेदी को फिर से राष्ट्रपति चुना गया था। पुनर्मतदान की विपक्ष की मांग को खारिज कर दिया गया था। मध्य अफ्रीकी देश में पहले भी चुनावों में इसी तरह का विवाद देखने को मिला है। कांगो की सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल सिल्वेन एकेंगे ने रविवार को सरकारी टेलीविजन पर कहा कि तख्तापलट की कोशिश को कांगो के रक्षा और सुरक्षाबलों ने शुरुआत में ही विफल कर दिया एवं स्थिति नियंत्रण में है। इस बीच स्व-निर्वासित मलंगा का एक वीडियो सामने आया जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति को धमकी दी, फेलिक्स तुम्हारी सत्ता खत्म, हम आ रहे हैं। मलंगा के आसपास सैन्य वर्दी में कई लोग खड़े दिखाई दिए।

रूसी वायु रक्षा ने 9 एटीएसीएमएस मिसाइलों, 61 ड्रोनों को मार गिराया

मॉस्को। रूस की वायु रक्षा ने रात 9 एटीएसीएमएस मिसाइलों और 61 यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

दुबई में धूमधाम से मनाई गई महाकवि सूरदास की जयंती

एजेंसी

दुबई,। संयुक्त अरब अमीरात के प्रमुख शहर दुबई में महाकवि सूरदास की 547वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर भारत के विभिन्न प्रांतों की संस्कृतियों को समागम भी देखने को मिला। कार्यक्रम में हवेली संगीत, गद्य-पद्य प्रस्तुतीकरण के साथ महिलाओं एवं बच्चों ने नृत्य नाटिका का भी मंचन किया।

दुबई के बर-दुबई स्थित मीना बाजार के सिंधी कम्युनिटी हॉल में कीर्तन साहित्य सभा के संस्थापक प्रज्ञान पुरुष डॉ. साहित्य चतुर्वेदी के नेतृत्व और ग्लोबल भारत फेस्टिवल ग्रुप के तत्वावधान में महाकवि सूरदास की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. साहित्य चतुर्वेदी ने बताया कि हिंदी भाषा के महाकवि सूरदास ने मथुरा में रह कर पांच सौ वर्ष पूर्व हवेली संगीत के रूप में भक्तिधारा प्रवाहित की थी। आज पहली बार अरब देश की धरा पर उसी भक्तिधारा का भव्य आयोजन किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोस्वामी गोविंद राय जी (भक्तिसेतु हवेली, वापी) ने की।

जयंती का कार्यक्रम तीन भागों में विभाजित किया गया। पहले सत्र में श्रीनाथजी की हवेली के श्रद्धालु भक्तगण, पुष्टि परिवार ग्रुप, सिंधी

समाज ग्रुप ने अपनी भक्तिमयी प्रस्तुतियां दीं। कायक्रम में डॉ. साहित्य चतुर्वेदी और उनकी मंडली ने हवेली संगीत की प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश, गुजरात, सिंध, राजस्थान आदि संस्कृतियों के प्रतिनिधियों ने भी कई कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इन कार्यक्रमों में जया मेथानी, राहुल भार्गव, सचिन जोशी, विवेक देसाई, बावू भाई, मिहीर भाई, नीलम गांधी, चन्द्रिका भाटिया, जयश्री काराणी, काशमीरा, वर्षावेन, जिग्ना वेन एवं उनके साथियों की प्रमुख भूमिका रही।

जयंती समारोह के दूसरे सत्र में नगर की महिला उद्यमी एवं लेखिका कुसुम दत्ता, कवयित्री ललिता मिश्रा, लेखिका डॉ. आरती गोयल आदि प्रमुख साहित्यकारों ने महाकवि सूरदास और उनकी भक्तिधारा पर अपने विचार रखे और काव्यपाठ किया। इस सत्र का संचालन कॉर्पोरेट ट्रेनर एवं लेखिका अनु बाफना ने किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में गोविंदराय की वाणी ने सभी वैष्णवों को भावविभोर कर दिया। उन्होंने सूरदास की दिव्यदृष्टि के दिलचस्प प्रसंग सुनाये और स्तुतिगान किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजकों ने घोषणा की कि संस्था आने वाले वर्षों में अन्य अष्टछाप कवियों की भी पंच शताब्दी समारोह आयोजित करेगी। समारोह में आमंत्रित अतिथियों- काउंसलर आफ इंडिया विजेन्द्र सिंह, डेलीगेट उत्तर प्रदेश पंकज जायसवाल, बहरीन के उद्यमी अनूप केवलराम आदि पुष्टिमार्गिय वैष्णवों का सभा ने सम्मानित किया। महाप्रभु वल्लभाधीश के वंशज गोस्वामी गोविंदराय महाराज ने कार्यक्रम में पधारे सभी लोगों के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में चतुर्वेदी पुरोहितों ने वेद पाठ किये और राधिका चतुर्वेदी एवं किरन जावा ने सहयोग दिया। अंत में दो सौ से अधिक वैष्णवों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में संयुक्त अरब अमीरात के प्रवासी भारतीयों ने पूरे उत्साह से भागीदारी की। कार्यक्रम में ललित कारानी, राजेश पंचोलियाजी, राम पंचोलिया, लक्ष्मण भाटिया, दिलीप खैरा, शरद भाई, अश्विन भाई, चन्द्रशेखर भाटिया, देवा सोलंकी आदि मौजूद रहे।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

कांग्रेस राज में होते थे आतंकी हमले, मोदी सरकार बनते ही आतंकवादियों का हुआ खात्मा: मोहन यादव

एजेंसी

दक्षिणी दिल्ली। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन सिंह यादव ने कहा कि देश में जब तक कांग्रेस की सरकार रही तब तक दिल्ली व देश में आतकंवादी हमले होते रहे। जब से नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने तब से आज तक एक बार भी आतंकी हमला नहीं हुआ। एक बार पाकिस्तान ने सिर उठाने की हिम्मत की थी तो उसके घर में घुसकर जवाब दिया गया। वह कालकाजी विधानसभा क्षेत्र के गोविंदपुरी के नव जीवन कैंप में भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह बिधूड़ी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने आए थे। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन सिंह यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की बड़ी शक्तियों में गिना जाता है। भारत की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ सुरक्षा और स्थायित्व की दृष्टि से पिछले 10 वर्षों में भारत ने बहुत कुछ हासिल किया है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण, धारा-370 हटाकर कश्मीर को मुख्य धारा में शामिल करना और सीएए कानून बनाकर भारत की एकता और अखंडता को मजबूत किया है। कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा प्रत्याशी का जज्बा अभूतपूर्व है। इसलिए वही आपके वोट के हकदार हैं।

भीषण सड़क हादसों और उससे मौतों में आई कमी, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने इस तरह हासिल की यह कामयाबी

नई दिल्ली। राजधानी की सड़कों पर चालू वर्ष के दौरान भीषण सड़क हादसों और उनमें होने वाली मौतों में कमी आई है। इसमें दिल्ली यातायात पुलिस के ठोस प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ओवर स्पीडिंग के मामलों में कमी और गलत दिशा में चलने वालों पर सख्त एक्शन के चलते भीषण हादसों में कमी देखने को मिली। दिल्ली यातायात पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष 15 मई तक 511 भीषण हादसे हुए हैं, जिसमें 518 लोगों की मौत हुई है। जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 544 भीषण दुर्घटनाएं हुई थी, जिसमें 552 लोगों की मौत हुई थी। इस दौरान यातायात पुलिस ने दस सड़कों की पहचान की जहां सबसे अधिक घातक दुर्घटनाएं हुई है और वहां निगरानी बढ़ाने के साथ नियमों का कड़ाई से पालन कराया गया।

511 भीषण हादसे इस वर्ष 15 मई तक हुए। 518 लोगों की 15 मई तक हादसे में हुई मौत। 33 भीषण हादसे कम हुए इस वर्ष 15 मई तक पिछले साल के मुकाबले हुए। 34 मौत इस वर्ष भीषण हादसों में 15 मई तक हुई कम।

गाजियाबाद में नेशनल हाईवे पर पलटी कार : मौत को छूकर वापस लौटा ड्राइवर

गाजियाबाद । गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर दिल्ली से मेरठ जाते समय कार पलट गई। इस बीच कार में बैठे युवक को लगा अब वह मर जाएगा। लेकिन गनीमत रही कि एयरबैग सही समय पर खुल गया और वह बच गया। घटना के समय युवक दिल्ली से मेरठ की ओर जा रहा था। हादसे के बाद सड़क पर जाम लग गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाया। राहगीरों ने कार को सीधा खड़ा कराया।

सीआईएसएफ कट के पास पलटी कार

इंदिरापुरम थाना प्रभारी जितेंद्र दीक्षित ने बताया कि शनिवार देर रात विकास जोशी नाम का युवक कार से दिल्ली से मेरठ की ओर जा रहा था। सीआईएसएफ कट के पास अचानक उनकी कार पलट गई। गनीमत रही कि एयरबैग समय पर खुल गए। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे के कारण नेशनल हाईवे पर जाम लग गया। स्थानीय लोगों ने गाड़ी सीधी खड़ी कर दी।

माता-पिता मौके पर पहुंचे

पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली। हादसे की जानकारी विकास जोशी के माता-पिता को हुई तो वह भी मौके पर आ गए। पुलिस को किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं दी गई है। यदि कोई शिकायत मिलेगी तो कार्रवाई की जाएगी।

मिर्ची ने लगाई आग,अच्छे अच्छों का बिगड़ सकती है गणित। बिहारी मतदाता दे रहे भारी समर्थन

नई दिल्ली। संसदीय क्षेत्र नई दिल्ली से बिहार की मूल निवासी पूनम पाण्डेय राष्ट्रवादी लोकतांत्रिक पार्टी(इंडिया) से उम्मीदवार हैं,जिनको चुनाव चिन्ह हरी मिर्च मिला है।बताते चलें कि नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र में बिहार प्रदेश के मतदाताओं की संख्या अच्छे अच्छों का गणित बिगाड़ने के लिए कम नहीं है।पूनम पाण्डेय की पहचान एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में तो है ही साथ ही उन्हें बिहार प्रदेश का मूल निवासी होने के कारण बिहारी मतदाताओं का भारी समर्थन उन्हें मिल रहा है जो दिग्गजों को धूल चटा सकता है।इस सीट पर भाजपा सहित इंडिया गठबंधन

उम्मीदवार अपनी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं वहीं राष्ट्रवादी लोकतांत्रिक पार्टी(इंडिया) ने पूनम पाण्डेय को अपना उम्मीदवार बनाकर सबको मुसीबत में डाल दिया है। पूनम पाण्डेय पिछले लंबे समय से दिल्ली में रहकर गैर सरकारी संगठन(एन जी ओ) के माध्यम कार्य कर के अपनी एक अलग पहचान बना ली हैं।जिसका लाभ उन्हें इस चुनाव में मिलता नजर आ रहा है।स्थानीय मतदाताओं का भी भारी समर्थन उन्हें मिल रहा है और बिहार प्रदेश की मूल निवासी होने के कारण बिहारी मतदाताओं का भरपूर समर्थन मिलता नजर आ रहा है।देखना है अबकी ऊंट किस करवट बैठता है।

लोकतंत्र की सुन ले पुकार मत खोना अपना अधिकार चुनाव नहीं मतदान करें नए भारत का निर्माण करें- रामदास मलिक

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश के वरिष्ठ नेता एवं चुनाव प्रबंधक समिति के संसाधन विभाग के सह प्रमुख व समाजसेवी रामदास मलिक ने कहा कि राजधानी दिल्ली की सात लोकसभा सीटों पर छठे चरण में 25 मई को मतदान होना है। ऐसे में अलग-अलग पार्टी के बड़े नेताओं का चुनाव मैदान में उतरना शुरू हो गया है। उन्होंने कहा %आप कुछ नेताओं द्वारा स्वाति मालीवाल को, भाजपा का मोहरा बनाने की बात पर कहा है कि यह बेहद शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल स्वाति मालीवाल के चरित्र को धूमिल कर रहे हैं, जो उनके साथ दो दशक से अधिक समय से जुड़ी हुई हैं। अब जब केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार गिरफ्तार हो चुका है, जो आप लोग जानते है वह दिन दूर नहीं जब अरविंद केजरीवाल की राजनीति के कई गंदे पन्ने सार्वजनिक हो जाएंगे। दिल्लीवासियों का कहना है कि स्कूल, अस्पताल, पूरे दिल्ली में जगह-जगह कूड़े और चारो तरफ गंदगी ही गंदगी मिलेंगी। आम आदमी पार्टी की सरकार है जो भ्रष्टाचार में संलिप्त है आप पार्टी के कई दिग्गाज नेता भी जेल की हवा खा रहे है आम आदमी पार्टी के संयोजक केजरीवाल भी भ्रष्टाचार के आरोप में संलिप्त। वह दिल्ली को कैसे साफ-सुथरी बना सकती है और खासतौर पर दिल्ली के

बच्चों का भविष्य, दिल्ली के अस्पतालों में पूरी तरह से दवा भी मिलना मुश्किल होता है। आम आदमी पार्टी की सरकार दिल्लीवासियों को अंधकार की ओर ले जा रहा है। रामदास मलिक ने कहा उत्तर पूर्वी दिल्ली से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार कन्हैया कुमार को थप्पड़ मारे जाने के मामले में उन्होने कहा कि जो देशद्रोही हो उसे कौन थप्पड़ मार सकता है उनका खुद का आदमी ही है भाजपा को मोहरा बनाने के लिए किया गया कन्हैया कुमार ने ही बीते हुए समय में कहा था कि भारत तेरे टुकड़े होंगे, अफजल हम शर्मिंदा हैं जैसे नारे लगाए थे, कन्हैया कुमार ने ही अपने ऊपर, इंडिया गठबंधन कार्यकर्ता द्वारा ही स्याही भी फेंकवाई है। ताकि दिल्ली की जनता को अपनी तरफ खीचने के लिए काम किया है यह सब कारनामा इंडिया गठबंधन का है जो कई पिछले वोटिंग के समय आम आदमी पार्टी संयोजक अरबिन्द केजरीवाल के साथ हुआ था वही रवैया इंडिया गठबंधन भी कर रही है जनता को बरगलाने के लिए यह ड्रामा किया गया। रामदास मलिक ने कहा लोकतंत्र इस विश्वास पर टिका है कि आम लोगों में ही खास ताकत होती है। मतदान जरिया है उस खास ताकत को महसूस करने का, अपने अधिकारों के इस्तेमाल का। वोटर लिस्ट में नाम देखना, पोलिंग बूथ पर जाना, कतार में लगना और फिर अपनी पसंद के उम्मीदवार को वोट देना यह पूरी प्रक्रिया उत्सव जैसी है। अब उत्सव है तो उत्साह और आनंद होना ही चाहिए। वोटिंग एक जिम्मेदारी है। वोट का महत्व तभी है जब उसे दिया जाए, अगर इसे अपने ही पास रखा, तब कोई मोल नहीं। और देना किसे है इससे भी कीमत बढ़ जाती है इस यूं ही किसी पर लुटाया नहीं जा सकता है। यह एक वोट देश की आवाज है। रामदास मलिक ने राजधानी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में दिल्लीवासियों के बीच कई कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भागीदारी की। इसमें महिलाओं की खासी तादाद रही। इस दौरान वरिष्ठ नेता, एवं कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। उन्होने आग्रह किया कि 25 मई को भाजपा प्रत्याशी को सर्मथन कर क्षेत्र के विकास में सहभागी बने। उन्होंने कहा कि जनमानस पूरे भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का और राष्ट्रवाद के लिए भाजपा का सर्मथन करती है, इसी लिए दिल्ली की सातों सीटों पर कार्यक्रम किए जा रहे है। उन्होंने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि राजधानी दिल्ली से कांग्रेस ने देश विरोधी ताकतों को टिकट दिया है जो नारा लगाते हैं कि भारत तेरे टुकड़े होंगे, ये देश को बांटने वाले लोग हैं। इसलिए देश के हर वर्ग के लोगों से मेरा आवहान है कि इस लोकतंत्र के महापर्व में बीजेपी को मतदान देकर, मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाये।

दिल्ली में झाड़ू-हाथ के गठजोड़ को जीतना जरूरी : कन्हैया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के उत्तर पूर्वी दिल्ली के लोकसभा उम्मीदवार कन्हैया कुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद मनोज कुमार पर तीखा प्रहार करते हुए रविवार को कहा कि उन्होंने 10 साल में कोई काम नहीं किया है इसलिए इस बार उन्हें बदलने की सख्त जरूरत है।

श्री कुमार ने यहां बुराड़ी क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में झाड़ू और हाथ के निशान का गठजोड़ है और इस सीट पर कांग्रेस लड़ रही है इसलिए गठजोड़ को वोट देकर कांग्रेस को जिताना है और श्री मनोज तिवारी के निकम्मेपन को करारा जवाब देना है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की बड़ी ताकत होती है और इसी का परिणाम है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 साल में पहली बार इस क्षेत्र में आने को कल मजबूर

होना पड़ा। उन्होंने कहा कि बुराड़ी में लोगों विपक्ष को जिताना है और लोकतंत्र में विपक्ष की इस ताकत को बनाए रखना है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा उम्मीदवार मनोज तिवारी को लग गया है कि उन्होंने 10 साल में कोई काम नहीं किया तो जनता उन्हें नकार रही है इसलिए वह गुंडे भेज कर मुझ पर हमला करवा रहे हैं।

गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने विकसित राष्ट्र बनाने का दिलाया संकल्प, बीजेपी का बताया वीजन

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रचिंतना के 15वें संस्करण में 'विकसित भारत@2047 में हमारी भूमिका' विषय पर गहन चर्चा हुई। इस गोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने भाग लिया। विषय परिचय करवाते हुए प्रोफेसर विवेक कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर वर्ष 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

2014 में फिर से हुआ भारत आजाद : गोपाल कृष्ण अग्रवाल

राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में हम बहुत दूर तक पहुंच चुके हैं। स्वतंत्रता से पहले भारत का योगदान विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में 25-28फीसदी था, लेकिन 1947 में यह 2फीसदी से भी कम रह गया था। उस समय गरीबी, अशिक्षा और महामारियां बड़ी समस्याएं थीं। मुगल और अंग्रेजों ने विदेशी सभ्यता को बढ़ावा दिया। 2014 में फिर से भारत आजाद हुआ और परतंत्रता के संस्मरणों को विदा किया गया। प्रजातांत्रिक मूल्यों को अपनाया गया।

'सरकार की प्राथमिकताओं में बुनियादी ढांचा विकास'

गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता के नाम पर सांस्कृतिक मूल्यों को ध्वस्त करने की साजिश रची गई थी। लेकिन मोदी सरकार ने पश्चिमी प्रभाव से मुक्ति दिलाई और आर्थिक समृद्धि, सांस्कृतिक विरासत और आम जनता के विकास पर ध्यान केंद्रित किया। दक्षिण-पश्चिम एशियाई और अफ्रीकी देश संयुक्त राष्ट्र संघ के पुनर्गठन के लिए भारत का समर्थन कर रहे हैं। कोविड महामारी के दौरान भारत ने दवाइयों को पेटेंट न करने की अपील की थी ताकि गरीब देशों तक इनकी पहुंच हो सके। नई तकनीकों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन और स्टार्टअप के जरिए भारत एक वैश्विक आर्थिक शक्ति बन रहा है। सरकार की प्राथमिकताओं में बुनियादी ढांचा विकास, व्यापार सुगमता और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों का पुनरुद्धार शामिल है। भारत की सांस्कृतिक विरासत जैसे योग, भोजन और संगीत भी वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय हो रहे हैं। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि इस दौरान अयोध्या में राममंदिर का निर्माण और काशी-उज्जैन में सांस्कृतिक गतिविधियों का विस्तार भी हुआ है।

ईडी-सीबीआई उन्हीं नेताओं के यहां छापे मारती है, जो भाजपा से समझौता नहीं करते- गोपाल राय

एजेंसी

नई दिल्ली। आइएनडीआइ गठबंधन के तहत उत्तर पूर्वी दिल्ली के कांग्रेस प्रत्याशी कन्हैया कुमार की बाबरपुर में आयोजित जनसभा में आप के प्रदेश संयोजक एवं दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री गोपाल राय शामिल हुए।

राय ने कहा कि भाजपा की ईडी-सीबीआई विपक्ष के उन्हीं नेताओं के यहां छापे मारती है, जो समझौता करने से इनकार कर देते हैं। जैसे ही विपक्ष का नेता भाजपा में शामिल होने को तैयार हो जाता है, उसी दिन से छापे पड़ने बंद हो जाते हैं। देश का एकमात्र आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज जेल में हैं। कांग्रेस का खाता सीज कर दिया गया।

संविधान और लोकतंत्र बचाने का है यह चुनाव- आप

राय ने आरोप लगाया कि अगर भाजपा 400 पार पहुंच गई तो अगली बार आपके वोट का अधिकार छीन लिया जाएगा। आप आवाज नहीं उठा

पाएंगे। इसलिए यह चुनाव देश के संविधान और लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। राय ने कहा कि इस देश के लोग मोदी सरकार से महंगाई, बेराजगारी पर सवाल पूछ रहे हैं। इनके पास कोइ जवाब नहीं है। ये केवल एक ही बात कहत हैं, अबकी बार 400 पार, लेकिन इस बार पूरा देश कह रहा है, अबकी बार भाजपा की हार।

राय ने भाजपा पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयोग की चयन समित से मुख्य न्यायाधिश को निकालना इसका उदाहरण है। सरकार के कैबिनेट मंत्री गोपाल राय शामिल हुए।

आज जेल में हैं देश के एकमात्र आदिवासी मुख्यमंत्री

राय ने कहा कि भाजपा की ईडी-सीबीआइ विपक्ष के उन्हीं नेताओं के यहां छापे मारती है, जो समझौता करने से इनकार कर देते हैं। जैसे ही विपक्ष का नेता भाजपा में शामिल होने को तैयार हो जाता है, उसी दिन से छापे पड़ने बंद हो जाते हैं। देश का एकमात्र

मोदी ने मतदाताओं से बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण का मतदान शुरू होने पर मतदाताओं से अपने घर से बाहर निकलकर बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण में आज आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर मतदान हो रहा है। इस चरण के उन सभी मतदाताओं से मेरा अनुरोध है कि मतदाता अपना वोट जरूर डालें और मतदान का एक नया रिकॉर्ड बनाएं। खासकर महिला दूरदर्शी नेतृत्व चुनने की अपील करता हूं, जो देश का गौरव बढ़ाता रहेगा। यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक वोट एक ऐसी सरकार बनाने के लिए मदद करे, जो कल्याण, सीमा और आंतरिक सुरक्षा के लिए मजबूत तंत्र बनाना जारी रखेगी और समाज के हर क्षेत्र और हर वर्ग का विकास करेगी, किसी को भी पीछे नहीं छोड़ेगी। ऐसी सरकार के लिए वोट करें जिसने आपके हर सपने को अपने संकल्प के रूप में अपनाने और उसके लिए अत्यंत सावधानी और दृढ़ता से काम करने का ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में इन प्रदेशों के सभी मतदाताओं से बढ़-चढ़ कर मतदान करने की अपील करता हूं। अपने एक वोट की ताकत समझते हुए ऐसी सरकार बनाइए, जो हर गरीब को घर, गैस, बिजली, शौचालय और मुफ्त इलाज की सुविधा सुनिश्चित कर सम्मानजनक जीवन का अधिकार देने के काम करे।

NAME CHANGE
I, SHAFI MOHAMMAD S/O ABDUL WAHID residing at H NO-13/306, KALYAN PURI, CHILLA SARODA KHADAR, DELHI-110091 have changed my name to SAFI MOHAMMAD for all future purposes

NAME CHANGE
I, RIHA BACK W/O AJIT BACK R/O Parmanent adress village/ town Garkash ,P/S Tangla, Sub Divn - Udalguri District Udalguri Assam-784521,Present adress HNO -616 ,GADDA COLONY,SULTANPUR, NEW.DELHI -110030 have changed the name of my minor-son AYUSH Aged 11 Year and he shall hereafter be known as AUSH BACK.

NAME CHANGE
I, DAVENDER SINGH S/O SATWANT SINGH residing at GB-5 FIRST FLOOR USHA PARK JAIL ROAD DELHI-110064 have changed my name to DEVENDER SINGH for all future purposes

NAME CHANGE
I, Mona W/o Dinesh Kumar R/o House No-109, Village Dundahera, Gurgaon, Haryana-122016, Have Changed My Name To Mona Devi For All Future Purpose

NAME CHANGE
I, ANEEQ AHMED S/O AQIL AHMED residing at H NO-5132, SHARIF MANZIL, BALLIMARAN, NEAR BY HINDUSTANI DAWAKHANA, DELHI-110006 have changed my name to ANIQ AHMED for all future purposes

NAME CHANGE
I, Arman Mohmmad S/o Mohd Sharif R/o Z-5, Commercial Enclave, Shani Bazar Roda, D.K.Mohan Garden, Uttar Nagar, West Delhi, Delhi-110059, Have Changed My Name To Mohd Armaan For All Purpose

NAME CHANGE
I, Krishan Kumar S/o Ved Parkash R/o C-2/12, U.G.F, Front Side, Gali No.2, Vashist Park, Sagarpur, Delhi-110046, have changed my name to Krishan Goel permanently.

NAME CHANGE
I JAPHURDEEN S/O ABDUL HAMEED KHAN R/O B-127 GROUND FLOOR KANCHAN KUNJ MADANPUR KHADAR, EXTN.PART-2 DELHI-110076 HAVE CHANGE MY NAME TO JAFRUDDIN SAIFI FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I, Krishan Goel R/o C-2/12, U.G.F, Front Side, Gali No.2, Vashist Park, Sagarpur, Delhi-110046, have changed my minor Son's name from Harsh to Harsh Goel permanently.

NAME CHANGE
I, Mohita Dalal, D/O Jogander Singh R/o A-103,Green Valley Apartments, Sec-22, Dwarka, New Delhi have changed my name to Mohita for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा मुवक्किल श्रीमती अनीता पत्नी श्री राजेश कुमार निवासी चत्व-2/313 विकास पूरी नई दिल्ली 110018 ने अपनी पुत्रवधु बबिता कनोजिया सुपुत्री नरेश कुमार कनोजिया निवासी 143 डी0 डी0 ए0 फ्लैट दक्षिण पूरी साउथ इन्क्लेव नई दिल्ली 110062 मोबाइल नं0 8826964439, 8826191788 व को उनके दुर्व्यवहार व नियंत्रण से बाहर होने की वजह से तथा मेरे मुवक्किल की देख - भाल न करने के कारण, अपनी समस्त अचल संपत्ती से बेदखल कर दिया है और उपरोक्त पुत्रवधु बबिता कनोजिया से समस्त संबंध विच्छेद कर लिए है। भविष्य मे मेरे मुवक्किल उनके किसी भी नैतिक व अनैतिक कार्य के प्रति उत्तरदायी नहीं होंगे। कोई भी व्यक्ति उपरोक्त पुत्रवधु बबिता कनोजिया सुपुत्री नरेश कुमार कनोजिया निवासी 143 डी0 डी0 ए0 फ्लैट दक्षिण पूरी साउथ इन्क्लेव नई दिल्ली 110062 के साथ कोई लेन-देन या व्यवहार रखता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा।
SHALINI GOSWAMI ADVOCATE
Dwarka Court New Delhi-110075

NAME CHANGE
I, SAYYED NISHAT HOSSAIN S/O ANWAR HOSSAIN residing at H NO-2100, KUCHA CHALAN, NAHAR KHAN STREET, DARYA GANJ, DELHI-110002 have changed my name to SYED NISHAT HUSSAIN for all future purposes

NAME CHANGE
I, VINOD SHARMA S/O SAMAY SINGH SHARMA residing at 3365 GALI NO-8 DHARAMPURA GANDHI NAGAR DELHI-110031 have changed my name to VINOD KUMAR SHARMA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Deepika W/o Yogesh Kumar R/o B-3305, IREO Victory Valley, Sector-67, Gurgaon, Haryana-122002, Have Changed My Name To Deepika Ahlawat Rahar Dated 08/05/2024 Before Notary Nitesh Sharma

NAME CHANGE
I, JOGINDER RAO S/O SHAM RAO residing at H NO- RZ-2682/29, 2ND FLOOR, HIMALYA APARTMENT, TUGHLAKABAD EXTENSION, DELHI-110019 have changed my name to JOGINDER SHAM RAO for all future purposes

PUBLIC NOTICE
Be it known to all that my client Kamlesh W/o Late Sh. Ram Awatar R/o H. No. 113, Dr. Ambedkar Colony, Bijwasan Delhi-110061 has disowned her Son Kailash, Daughter-in-law Pooja and Grandson Kavish R/o 113, Dr. Ambedkar Colony, Bijwasan Delhi-110061, from inheritance of all his moveable and immovable properties and my client has severed all her relations with Son Kailash, Daughter-in-law Pooja and Grandson Kavish if they will do or have done any wrongful/illegal act, they will do so on their own responsibility. My client and her family shall not in any way be held responsible for any act done or to be done by them in future. Herein after whom so ever deals with Mr. Kailash and his family will do so at his own risk and responsibility.
NIKHIL GAUTAM Advocate
Ch. No. 651, Dwarka Court
New Delih-110075

NAME CHANGE
I, ANIQ AHMAD KHAN S/O AQIL AHMAD KHAN residing at H NO-5132, SHARIF MANZIL, BALLIMARAN, NEAR BY HINDUSTANI DAWAKHANA, DELHI-110006 have changed my name to ANIQ AHMED for all future purposes

NAME CHANGE
I, NO-14849213P Rank-HAV Name-BUNGE SANJAY JAGGANATH S/o JAGANNATH NATHU BUNGE R/o VPO-VADNER, TEH-MALEGAON, DISTT-NASHIK, MAHARASHTRA-423206 have changed my name from BUNGE SANJAY JAGGANATH to BUNGE SANJAY JAGANNATH for all future purposes vide affidavit dated 20/05/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public at large that my clients Sh. Jaipal Singh S/o Shri Tej Ram and Smt. Meera Devi W/o Sh. Jaipal Singh R/O Rz-223, Dharampura Phase-1, Najafgarh, South-West Delhi, Delhi-110043 do hereby disown, disinherit their son namely Sanjay S/o Sh. Jaipal Singh from all their movable and immovable properties acquire or to be acquired once for all due to their threatened and illegal activities detrimental to my clients as well as due to their being disobedient and enemical towards my clients. My clients also severe all their relations with him once for all and my clients will have no concern with him in any manner whatsoever nor will they be responsible for their acts of omission and commission. Any person dealing with them shall be doing so entirely at his risks and costs.
SANJAY KUMAR
(ADVOCATE)
Chamber No.424 & 434,
Lawyers Chamber Block, Dwarka
Court Complex, Sector-10,
Dwarka, New Delhi

NAME CHANGE
I, Shakil s/o Sharif Ahmed R/o 66, Musafir Khana Basti, Hazrat Nizamuddin, Delhi-110013 have changed my name to Shakeel Ahmed for all future purposes

NAME CHANGE
I, Gayasuddin S/o Salimuddin R/o B-204 Gali no-14 Maan Singh Nagar old Mustafabad Delhi-110094 have changed my name from Gayasuddin to Gayasuddin Saifi for all future purpose.

NAME CHANGE
I KIRN RAJBHAR W/O MANOJ KUMAR R/O Plot no786 A f/f block R-3 A-3 mohan garden uttam bagar new delhi -110059 ,have changed my name to KIRAN RAJBHAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Borade Sachin Jagannath Army No. 14839278P, Rank - NK Posted at Unit 388(I) SUP PLASC, C/o - 56 APO, Pin - 905388 & Permanently Residing at Village+Post - Shegaon, Tel - Jath, Dist. - Sangli, State - Maharashtra Pin - 416404 have changed my Date of Birth from 02/08/1984 to 02/06/1984 for all future purposes. Vide Affidavit Dated 20 May 2024 before The Notary Public at Delhi (Govt. of India) in presence of Advocate Sunita Papneja.

PUBLIC NOTICE
To be Known to all that I (Name of the Purchaser) Ravi Malhotra S/o Sardari Lal Malhotra R/o C-4/154 B, Lawrence Road, Keshav Puram, Delhi-35 has applied for conversion of the aforesaid Flat No. C-4/154 B, situated in Lawrence Road, Keshav Puram, Delhi-35 from lease hold to free hold in DDA. The original documents i.e Demand Letter, Possession Letter, NOC Water & Electricity & Site Possession Slip in issued by DDA having File No. F-26(148)74 H.B of the above flat have been lost. An FIR to this effect has been lodged in Police Station Crime Branch Delhi. Any person (S) Claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents may write contact with above named person at above address within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to Dy. Director (LAB) H or Director (H)-1, D-Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

PUBLIC NOTICE
To Whom so ever it may concern
Mr. Jasvinder Singh S/o Mr. Satinder Pal Singh is absolute owner of Entire Second Floor and Third Floor, with its roof rights, area measuring 50 Sq. Yds., (as per CATS) built on Property Bearing No. M-36, Portion of Plot No. 36, out of Khasra No. 56, Situated at New Mahavir Nagar, Gali No. 5, Block-M, area of Village Nangli Jalab, Delhi State, New Delhi-110018 and Lost Original Sale deed vide Document No. 24697, in Book No. 1, Vol. No. 13171, on pages 76 to 84, dated 06.09.2005 and FIR for same has been Done vide FIR No. 1743873/2024, dated 18/05/2024 if anybody found above mentioned deed kindly contact on-9340118309 within 7 Days
(Advocate Deepak Malik)
Shop no. 2, 1st First floor Kataria Complex, Near Axis Bank, New Railway Road Gurugram-122001
Ph: 9540419009

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड को उक्त संपत्ति लीजहोल्ड आवासीय फ्लैट नंबर 342-एफ सुपर एरिया 60 वर्ग मीटर, निर्मित क्षेत्र 36 वर्ग मीटर, सामान्य क्षेत्र 24 वर्ग मीटर, ब्लॉक-ई, सेक्टर-गामा-01 में स्थित, वित्तपोषित किया गया था। ग्रेटर नोएडा, जिला. गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश। ऋण संख्या 199एफबीडी30810 के साथ, अभिरक्षा में (1) मूल आवंटन पत्र (2) मूल कब्ज़ा प्रमाणपत्र (3) मूल पट्टा विलेख दिनांक 18.11.2005 को जीएनआईडीए द्वारा श्रीमती वनिता श्रीवास्तव के पक्ष में दस्तावेज़ संख्या 9736, खंड संख्या 1053 पृष्ठ के रूप में निष्पादित किया गया। संख्या 729-746 एसआर-ग्रेटर नोएडा (4) मूल स्थानांतरण सह बिक्री विलेख दिनांक 22.07.2009 को श्रीमती वनिता श्रीवास्तव द्वारा श्री संजय कुमार शर्मा के पक्ष में दस्तावेज़ संख्या 9200, खंड संख्या 4885 पृष्ठ संख्या 263-302 एसआर-ग्रेटर नोएडा के रूप में निष्पादित किया गया। इसे श्री संजय शर्मा द्वारा पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पास जमा किया गया था, दस्तावेज़ पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के कब्जे से गुम हो गए थे और ऑनलाइन एफआईआर संदर्भ संख्या - एलआर नंबर 1748321/2024 पहले ही पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा दर्ज की गई थी। दिनांक 20.05.2024 पी.एस. क्राइम ब्रांच दिल्ली और किसी भी व्यक्ति को उपर्युक्त संपत्ति के दस्तावेज मिले/प्राप्त हुए तो इसकी सूचना पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ब्रांच फरीदाबाद हरियाणा या अंडरसाइनिंग एडवोकेट को दी जाए।
Naveen Kumar Verma
(advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, WAQIL KHAN S/O BUNDU KHAN R/O H NO.B-11/36,GALI NO-5, KABIR NAGAR, GOKALPURI, NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME VAKEEL KHAN FOR ALL FUTURE PURPOSE.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री राजेंद्र कुमार जैन फ्रीहोल्ड कमर्शियल वन शॉप प्राइवेट नंबर 6 के मालिक हैं, ग्राउंड फ्लोर पर छत के स्तर तक बिना छत के अधिकार के, क्षेत्रफल 11.14 वर्ग मीटर और पहली मंजिल का हिस्सा छत के स्तर तक बिना छत के अधिकार के, भूमि का क्षेत्रफल 100 वर्ग गज यानी 83.61 वर्ग मीटर, संपत्ति क्रमांक एच-12 का एक हिस्सा, निर्मित प्लॉट नंबर 12, खसरा नंबर 63/8, एच-ब्लॉक की आबादी में, गढ़वाली मोहल्ले, लक्ष्मी नगर, ग्राम खुरेजी के क्षेत्र में स्थित है खास, इलाक़ा शाहदरा, दिल्ली-110092। बिक्री विलेख दिनांक 17.12.2011 को दस्तावेज़ संख्या 22076, खंड संख्या 5956, पृष्ठ संख्या 174-179, एसआरओ- VIII, नई दिल्ली और बिक्री विलेख दिनांक 15.10.2013 को दस्तावेज़ संख्या 2212, खंड संख्या 91, पृष्ठ संख्या 160- 169, एसआरओ-आठवीं ए, प्रीत विहार, नई दिल्ली। नीचे उल्लिखित श्रृंखला दस्तावेज़ में दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं हैं यानी स्वर्गीय श्री नेम चंद का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी 25.02.1984 को समाप्त हो गया है, अब हमारा ग्राहक यह घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और इसे वित्तपोषित किया गया है। डीसीबी बैंक लिमिटेड शाखा- गाजियाबाद उत्तर प्रदेश। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma
(advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

घमंडिया गठबंधन में भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा, औरतों का करते हैं अपमान : जेपी नड्डा

बोले:- भाजपा ने बिना पर्ची और खर्ची के मेरिट के आधार पर दी नौकरियां

एजेंसी

कैथल। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जयप्रकाश नड्डा ने कहा है कि इंडी गठबंधन में भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा है। ये घमंडिया गठबंधन है, इसमें सभी परिवारवादी, भ्रष्टाचारी और महिलाओं का अपमान करने वाले लोग हैं। इनकी करतूतें बेहद गंदी हैं और ऐसे लोगों को घर बैठाने का काम करें। नड्डा रविवार को कैथल के चंदना गेट में रामलीला मैदान में आयोजित भाजपा की विजय संकल्प रैली में कुरुक्षेत्र लोकसभा के उम्मीदवार नवीन जिंदल के समर्थन में बोल रहे थे।

रैली में उनके साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी मौजूद रहे। जेपी नड्डा ने आम आदमी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग कांग्रेस के खिलाफ थे और कहते थे कि इन्हें जेल भिजवाएंगे। अब वे लोग ही उनके साथ गले मिल रहे हैं। जिस

पार्टी के नेता कहते थे वे ईमानदार है, अब उसी पार्टी के तीन-तीन नेता जेल में पड़े हैं। आप ऐसे लोगों को वोट देना चाहोगे क्या। कोरोना के बाद अमेरिका की अर्थनीति लड़खड़ाई है, अन्य कई देशों की स्थिति भी खराब हो चुका है। लेकिन आपको ध्यान रखना होगा कि हमारा भारत विश्व में 11वें नंबर से पांचवें नंबर पर आ गया है। नड्डा ने कहा कि हमें यह समझना पड़ेगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सत्ता में न केवल हरियाणा या देश ही नहीं, बल्कि भारत की राजनीति की संस्कृति बदल गई है और काम काज का तरीका बदल गया है। 10 साल पहले साधारण लोगों के मन से यही निकलता था कि इस देश में कुछ नहीं बदलने वाला है। ऐसी मानसिकता उस समय बन गई थी। अब इतना बड़ा बदलाव आया है कि मोदी के नेतृत्व में पूरा भारत विकसित देश बनाने का संकल्प ले रहा है। पहले राजनीति जाति, धर्म के नाम पर होती थी। परंतु आज जवाबदेही की राजनीति हो गई है। इसलिए ही देश लगातार आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सबका साथ सबका विकास की रणनीति के साथ आगे बढ़ा है।

जनसभा में यह लोग रहे मौजूद

जनसभा को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कुरुक्षेत्र-कैथल से भाजपा प्रत्याशी नवीन जिंदल ने भी संबोधित किया। जनसभा में लोकसभा के प्रभारी सुभाष सुधा, कैथल के विधायक लीलाराम गुर्जर, प्रदेश महामंत्री डॉक्टर अर्चना गुप्ता, अशोक गुर्जर, पूर्व सांसद राज्यसभा जनरल डीपी वत्स, पूर्व विधायक तेजवीर सिंह, कुलवंत बाजीगर, हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत, पूर्व विधायक दिनेश कौशिक जिला मीडिया प्रभारी राज रमन दीक्षित मौजूद रहे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा ने भाजपा को समर्थन देने का ऐलान किया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा ने भाजपा को समर्थन देने का ऐलान कर दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा ने पीएम मोदी की नीतियों में आस्था जताते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रभावित हैं. उन्होंने कहा कि देशभर में चलाई जा रही उनकी जनकल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों लोगों को लाभ मिल रहा है. पीएम मोदी की अंतोदय की विचारधारा के कारण ही आज देश के हर वर्ग के लोगों को फायदा पहुंच रहा है. पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा ने बताया कि बैठक में यह फैसला हुआ है कि लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी के नेतृत्व में 10 साल के कार्यकाल को देखते हुए उनके दूरदर्शी फैसले जो किये पीएम मोदी ने देशहित मे किये है उसी को देखते हुए आने वाले 5 साल देश के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है इसलिए आज पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बात कर यह फैसला किया है कि हरियाणा जनचेतना पार्टी प्रदेश की सभी लोकसभा सीट्स पर भाजपा उम्मीदवारों का समर्थन करेगी उनका प्रचार प्रसार करेगी. इससे पहले 2014 और 2019 में भी हरियाणा जनचेतना पार्टी की ओर से पीएम मोदी की नीतियों पर समर्थन किया था. विनोद शर्मा ने कहा कि हमे पूरा यकीन की 10 की 10 सीट पर भाजपा जीत हासिल करेगी. भाजपा व्यक्ति नही पार्टी है देश मे एक ही पार्टी है भाजपा. हम पीएम की नीतियों में विश्वास रखते हैं जो उनकी सोच है उसको हमारा समर्थन है. उन्होंने कहा कि आज भाजपा का जो भी समाज समर्थन कर रहा है वह पार्टी के काम को देख कर रहे है।

अज्ञात वाहन ने मारी बाइक को टक्कर, 2 महिलाओं समेत 3 लोगों की मौत

रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी में भीषण हादसा हो गया। यह हादसा दिल्ली-जयपुर हाईवे (NH-48) पर हुआ। इस दौरान एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी की हादसे में 2 महिलाओं समेत 3 लोगों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच शुरु कर दी। पुलिस के अनुसार, फरीदाबाद की नेहरू कॉलोनी का रहने वाला नीरज (36), 2 महिलाओं के साथ जयपुर से दिल्ली की तरफ जा रहा था। सोमवार सुबह करीब 6 बजे जैसे ही वो निखरी कट के पास पहुंचा तो अचानक पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद तीनों सड़क पर जा गिरे।

जेब से मिले आधार कार्ड से पहचान हुई

राहगीरों ने तीनों को हाईवे पर खून से लथपथ पड़ा हुआ देखा। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई। सूचना के बाद धारूहेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने फौरन एंबुलेंस से तीनों को रेवाड़ी के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने जांच की तो व्यक्ति की जेब से आधार कार्ड मिला। उस पर नीरज लिखा हुआ था। एक महिला के पास से पेन कार्ड मिला है। उस पर सुमनलता लिखा हुआ है। पुलिस ने हादसे की सूचना नीरज के परिवार को दे दी है। हालांकि अभी ये पता नहीं चल पाया है कि नीरज के साथ बाइक पर सवार दोनों महिलाएं कौन हैं और ये तीनों लोग कहा जा रहे थे। मृतकों के परिजनों के रेवाड़ी पहुंचने के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा में बीजेपी से कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व सांसद का छलका दर्द, बोले : बीजेपी में मिलता था सम्मान

हिसार। हिसार के पूर्व सांसद रहे बृजेंद्र सिंह का आखिर दर्द झलक उठा। बीजेपी से कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने कहा कि मुझे बीजेपी में पूरा मान सम्मान मिला। पत्रकारों से बातचीत में पूर्व सांसद ने कहा कि मुझे हिसार से टिकट न मिलने का मलाल है। वह बीजेपी में सांसद थे, इसलिए टिकट मिलना चाहिए था। अंदरूनी राजनीति के चलते कांग्रेस पार्टी से टिकट नहीं मिला। लोगों के सामने बहुत सी चीजें, वक्त के साथ उजागर होगी। पूर्व सांसद ने ये भी कहा कि यह उनके लिए सीख है। बीजेपी छोड़ने का मलाल है। उन्होंने ये भी कहा कि उन्हें बीजेपी छोड़ने का मलाल नहीं है। बीजेपी इसलिए नहीं छोड़ी थी कि उन्हें कुछ मिल नहीं पा रहा था। बीजेपी में उनको व उनके पिता बीरेंद्र सिंह को केंद्र में मंत्री बनाया। आपको बता दें कि हरियाणा के हिसार निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बीजेपी के पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह दस मार्च को कांग्रेस में शामिल हो गए। उस समय पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ÷मैंने मजबूर राजनीतिक कारणों से भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।÷ उन्होंने बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भी आभार व्यक्त किया।

भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा ने मोक्ष धाम में शुरू की जल सेवा

हिसार। भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा वैसे तो समय-समय पर सेवा के कार्य करती रहती है, लेकिन मोक्ष धाम ऋषि नगर के सहयोग से जो जलसेवा भारत विकास परिषद ने यहां शुरू की है वह मील का पत्थर साबित होगी। यह बात परिषद के शाखा अध्यक्ष ऋषिराज बुड़ाकिया ने रविवार को श्मशान भूमि सुधार समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि चाहे सिविल अस्पताल में चलने वाली तिरुपति बालाजी रसोई को या ऋषि नगर में चलने वाला दिव्यांग भवन, विवेकानंद शाखा का लक्ष्य रहता है की हर जरूरतमंद की सेवा हो सके। श्री बुड़ाकिया रविवार को सुबह मोक्षधाम आश्रम में भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा द्वारा शमशान भूमि सुधार समिति को पानी की ट्रॉली भेंट करने के मौके पर बोल रहे थे।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

एजेंसी

जींद। सफीदों खंड के गांव मुआना में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों के चलते मौत हो गई। मृतका के मायका पक्ष ने आरोप लगाया है कि उसकी हत्या की गई है। ससुराली पक्ष का कहना है कि महिला मंदिर में गई थी। वहां तालाब में गिरने के कारण उसकी मौत हुई है। रविवार को सफीदों पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवा मामले की जांच शुरू कर दी है। गन्नौर निवासी कुलदीप ने बताया कि उसकी बहन दीपा की शादी आठ साल पहले मुआना गांव के अनिल के साथ हुई थी। शादी के कुछ साल तक तो सब ठीक रहा लेकिन उसके बाद ससुराल के लोग उसे दहेज की मांग को लेकर दीपा के साथ मारपीट करने लगे। करीब 10 दिन पहले दीपा का फोन आया था कि उसके पति ने उसके साथ मारपीट की है और उसे दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे हैं और उसने पुलिस को भी फोन किया है। इस पर उसके ताऊ और चचेरा भाई वहां जाकर बातचीत कर मामला शांत कर आ गए थे। दीपा के जेठ सुनील ने उसे फोन कर कहा था कि दीपा को यहां से ले जाओ, उसने उनकी पुलिस बुला कर नाक कटवा दी है।

अंबाला लोकसभा के साथ जगाधरी विधानसभा में भी भाजपा जीतेगी : कंवर पाल

एजेंसी

यमुनानगर। हरियाणा भाजपा के स्टार प्रचारक कृषि मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने जगाधरी विधानसभा क्षेत्र में अंबाला लोकसभा से भाजपा उम्मीदवार बंतो कटारिया के समर्थन में बहुत से गांवों में जनसंपर्क कर वोट की अपील की। आयोजित जनसभाओं में उमड़े जनसैलाब को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री कंवर पाल ने कहा कि जगाधरी क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र की राजनीति में क्रांतिकारी बदलाव आ रहा है। भाजपा के कार्यक्रमों में अल्पसंख्यक सहित सर्व समाज के लोग भारी संख्या में शिरकत कर रहे हैं जो कि इस बात का प्रमाण है कि इस बार देश में पुनः भाजपा की सरकार बनने जा रही है और प्रधानमंत्री मोदी लगातार तीसरी बार देश की बागडोर प्रधानमंत्री के रुप में संभालेंगे। उन्होंने कहा कि जगाधरी क्षेत्र की राजनीतिक में आ रहा यह बदलाव लोकसभा चुनाव के साथ-साथ आगामी विधानसभा चुनाव में भी भाजपा के पक्ष में सकारात्मक माहौल बनाने जा रहा है। विपक्षी राजनीतिक पार्टियों के

नेताओं ने जगाधरी विधानसभा क्षेत्र में कोई भी विकास कार्य नहीं करवाया।सभी के सभी विकास कार्य भाजपा सरकार ने बिना भेदभाव के जगाधरी विधानसभा क्षेत्र को आगे बढ़ाने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि मोदी की जीत की हैट्रिक में अंबाला लोकसभा क्षेत्र की उपस्थिति बंतो कटारिया के माध्यम से दिल्ली लोकसभा में जोरदार तरीके से दर्ज होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के सिद्धांत पर चलते हुए हरियाणा एक हरियाणवी एक सिद्धांत को मानते हुए अंतोदय के सिद्धांत पर चलते हुए पूरे हरियाणा प्रदेश में एक समान विकास कार्य करवाए हैं। उन्होंने कहा कि आगामी 25 मई को भाजपा के पक्ष में मतदान करके लगातार तीसरी बार मोदी सरकार बनाने में अपना योगदान करें।

वोट की चोट से जनता करेगी गुंडाराज का खात्मा : रणदीप सुरजेवाला

एजेंसी

कैथल। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने कहा है कि दिन प्रतिदिन हरियाणा और कैथल में घट रही गुंडागर्दी, लूट, फिरौती की वारदातें भाजपा सरकार का चेहरा बन चुका है। मौजूदा समय में कैथल सहित पूरे हरियाणा में कानून व्यवस्था का दीवाला निकल चुका है। हरियाणा गुंडागर्दी, लूट और फिरौती के मामलों में पहले स्थान पर पहुंच गया है। जिससे व्यापारी, गरीब आज अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। रविवार को किसान भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस महासचिव व सांसद रणदीप सुरजेवाला क़ानून व्यवस्था की विफलता को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला।

सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार ने अपराध के मामले बढाने में बहुत बड़ी महारत हासिल की है। पिछले 10 सालों में कैथल की जनता भय व डर के साए में जीने को मजबूर है। अपराधी बेखौफ हैं अपराध को अंजाम दे रहे हैं लेकिन सत्ता पर बैठे हुक्मरान के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों से लगातार कैथल में हत्या, गुंडागर्दी,

लूट व फिरौती के केस निरंतर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कैथल में लूटपाट और हत्या की घटनाओं की पूरी फेहरिस्त दिन व साल सहित पत्रकारों के सामने रखी। सुरजेवाला ने कहा कि साल 2005 से पहले कैथल में गैंगस्टर, अपराधियों का बोलबाला था। वही आलम आज भाजपा के शासन में दिखाई दे रहा है। आए दिन चोरी, हत्याएं, फिरौती, गुंडागर्दी का आलम, स्कूल व कोलेजों में जातिगत गुट का बोलबाला था।

सरेआम बाजार में दिन दहाड़े व्यापारियों की हत्या होती थी, सरेआम गुंडे बदमाशी करने पर आतुर रहते थे, शहर का व्यापारी व दुकानदार भय के साए में जी रहे थे, जब रणदीप सुरजेवाला व कांग्रेस का शासन आया तो किसी अपराधी व गैंगस्टर की हिम्मत नहीं हुई कि वो शहर की शान्ति भंग कर सके। सुरजेवाला ने कैथल में आए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी कानून व्यवस्था को लेकर कई सवाल पूछे। वह बोले कि कैथल अपराधियों का अड्डा बना हुआ है।

हरियाणा में हीटवेव का कहर, जिला उपायुक्त एक जून से पहले स्कूलों की छुट्टियों पर कर सकते हैं फैसला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में हीट वेव के प्रकोप को देखते हुए प्रदेश सरकार ने राज्य के जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए हैं कि वह अपने स्तर पर एक जून से पहले स्कूलों में छुट्टियां करने के संबंध में फैसला कर सकते हैं। रविवार को अवकाश के बावजूद विद्यालय शिक्षा निदेशालय की तरफ से यह आदेश जारी किए।

हरियाणा में औसत तापमान 46 डिग्री था। जिसके चलते आज निदेशालय की तरफ से प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों को यह निर्देश जारी किए गए कि राज्य सरकार द्वारा एक जून से गर्मी की छुट्टियां घोषित की गई हैं। इसके बावजूद गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में जिला उपायुक्त अपने जिले के मौसम के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारियों के साथ बातचीत करके एक जून से पहले छुट्टियां कर सकते हैं। सरकार द्वारा जिला उपायुक्तों को दिए गए विशेष अधिकार 31 मई तक मान्य होंगे। इस संबंध में प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को भी सूचित कर दिया गया है कि वह अपने-अपने जिलों स्कूल प्रबंधकों से बच्चों के बारे में दैनिक रिपोर्ट लेकर जिला उपायुक्त को दें।

आचार संहिता के उल्लंघन पर सी-विजिल एप की नजर, अबतक आई 6540 शिकायतें

सी विजिल की शिकायतों के समाधान में हरियाणा कई राज्यों से आगे

एजेंसी

चंडीगढ़। चुनाव आचार संहित की उल्लंघना से लेकर मतदाताओं को प्रलोभन देना या फिर प्रचार के दौरान घोषणा और भ्रामक प्रचार को लेकर हरियाणा के लोग ज्यादा जागरूक हैं। यह अंदाजा सी-विजिल एप पर पहुंची शिकायतों से लगाया जा सकता है। अबतक देश भर में चार चरणों के चुनाव में 4 लाख से ज्यादा शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमें से सबसे ज्यादा हरियाणा से 6 हजार से ज्यादा हैं।

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने बताया कि देश के 36 राज्यों के मतदाता सी विजिल ऐप का भरपूर उपयोग कर रहे हैं। अब तक आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की 4 लाख 24 हजार 320 शिकायतें आयोग को प्राप्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जो भारत का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य है, वहां से मात्र 6 हजार शिकायतें ही प्राप्त हुई हैं जबकि हरियाणा में 6540 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। गुजरात जैसे बड़े राज्य से भी 5347 शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतें सीधे आयोग तक पहुंचाने के लिए तैयार किया गया सी विजिल एप कारगर सिद्ध हो रहा है। सी-विजिल एप के जरिये सीधी शिकायत चुनाव आयोग के पास पहुंच रही है। अभी तक चुनाव आयोग 6540 शिकायतें पहुंची हैं, जिनमें से 4893 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है।

सी-विजिल एप पर आने वाली शिकायतों का 100 मिनट के भीतर समाधान किया जा रहा है। उन्होंने हरियाणा के 2 करोड़ 76 हजार 441 मतदाताओं से अपील की है कि जब भी उन्हें चुनाव में किसी प्रकार के प्रलोभन या डरा-धमका कर वोट देने की धमकी की जानकारी मिलती है तो वे सी विजिल एप पर आयोग के पास इसकी शिकायत भेजें।,उस पर तत्काल संज्ञान लिया जायेगा। उन्होंने 25 मई को प्रदेश में होने वाले छठे चरण के लोकसभा के आम चुनाव निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से सम्पूर्ण करवाने में चुनाव आयोग की टीम को सहयोग करने का आह्वान किया।

फतेहाबाद पहुंचे सचिन पायलट, भाजपा पर जमकर बरसे, बोले- संविधान खत्म करना चाहती सरकार

एजेंसी

फतेहाबाद। हरियाणा में लोकसभा चुनाव का प्रचार अब अंतिम चरण में है। कांग्रेस व भाजपा ने अपने-अपने बड़े स्टार प्रचारकों को मैदान में उतार दिया गया है। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सिरसा लोकसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार कुमारी सैलजा के समर्थन में लोगों से वोटों की अपील करने के लिए फतेहाबाद पहुंचे। यहां उन्होंने भूना में एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया। हालांकि उनके मंच के आने के बाद मंच पर अव्यवस्था का माहौल नजर आया। नेता उनके साथ कैमरा फ्रेम में आने के लिए आतुर दिखे तो सचिन पायलट ने सभी को पीछे की तरफ धकेल दिया।

जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि यह चुनाव अब निर्णायक चुनाव होने जा रहा है। देश के आने वाले पांच सालों की तकदीर को यह निर्धारित करेगा। दिल्ली में 10 साल से भाजपा की सरकार है और हरियाणा में भी 10 सालों से भाजपा सत्ता पर काबिज है। यह सरकारें भी जनता द्वारा ही चुनी गई, लेकिन जनता ने महंगाई, बेरोजगारी रोकने, काला धन वापस लाने के जुमले सुनकर उन्हें

भाजपा सरकार रेलवे लाइन, बिजली घर, एयरपोर्ट हर चीज निजी हाथों में सौंप रही है। उन्होंने भाजपा संविधान को खत्म करने का प्रयास कर रही है।

चुना था, लेकिन अब सरकार हर मोर्चे पर विफल नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि हम और आप एक ही वोट के मालिक हैं, यह हमारे संविधान की खूबसूरती है कि बड़े से बड़ा अरबपति और रेहड़ी लगाने वाले आम इंसान के वोट की कीमत भी बराबर है, इसलिए इस वोट की कीमत को पहचानकर सही दिशा में वोट करना है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक मात्र पार्टी है जो अपने घोषणापत्र को बता रही है, भाजपा ने 10 साल तक अपने घोषणा पत्र बारे नहीं बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने काले कानून बनवाए, फिर वापस लिए, लेकिन यह नहीं बताया कि यह कानून बनाए क्यों। हरियाणा की खट्टर सरकार के दौरान जब-जब कोई आंदोलन हुआ तो आंदोलनकारियों पर लाठियां मारी गई। सरकार मंडियां क्यों बंद करना चाहती है।

भाजपा सरकार रेलवे लाइन, बिजली घर, एयरपोर्ट हर चीज निजी हाथों में सौंप रही है। उन्होंने भाजपा संविधान को खत्म करने का प्रयास कर रही है। जो संविधान 70 सालों तक मजबूत रहा, उसे कमजोर करना चाहती है। लेकिन कांग्रेस वादा करती है कि सरकार आने पर एमएसपी लागू की जाएगी, बिचौलियों को खत्म किया जाएगा और किसानों को उनकी फसलों के अच्छे दाम दिए जाएंगे। देश के गरीब परिवारों के खातों में एक लाख रुपये सालाना डाले जाएंगे।

इस दौरान पूर्व मुख्य संसदीय सचिव प्रहलाद सिंह गिलांखेडा, कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव विनीत पुनिया, पूर्व विधायक बलवान दौलतपुरिया, कुलबीर बैनीवाल, आनंदवीर गिलाखेड़ा सहित अनेक कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

जजपा विधायक देवेन्द्र बबली की खुली बगावत, कांग्रेस उम्मीदवार के समर्थन का ऐलान

एजेंसी

फतेहाबाद। जननायक जनता पार्टी (जजपा) के बगावत करने वाले पूर्व मंत्री देवेन्द्र बबली ने लोकसभा चुनाव में सिरसा संसदीय सीट से कांग्रेस उम्मीदवार कुमारी सैलजा को समर्थन देने का ऐलान किया है। टोहाना में अपने समर्थकों की मीटिंग के बाद पूर्व मंत्री बबली ने यह निर्णय लिया है। माना जा रहा है कि देवेन्द्र बबली के कांग्रेस को समर्थन देने से सिरसा सीट से कांग्रेस पार्टी को काफी मजबूती मिलेगी।

दरअसल, पूर्व मंत्री देवेन्द्र बबली ने अपने अगले राजनीतिक कदम को लेकर अपने समर्थकों से वोटिंग करवाकर राय मांगी थी। इस वोटिंग में करीब 3 हजार लोगों ने भाग लिया। इसमें से 74 प्रतिशत लोगों ने पूर्व मंत्री पर फैसला छोड़ दिया था जबकि 17 प्रतिशत लोग चाहते थे कि बबली कांग्रेस में जाएं और 9 प्रतिशत लोगों ने भाजपा ज्वाइन करने के लिए वोट दिया था। इसके बाद पूर्व मंत्री ने अपनी कोर कमेटी के सदस्यों के इस रायशुमारी पर विचार किया और टोहाना में बुलाई गई कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में फैसला लिया और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को समर्थन की घोषणा कर दी। हालांकि उन्होंने अभी तक जजपा से इस्तीफा नहीं दिया है। कार्यकर्ता बैठक में देवेंद्र बबली ने कहा कि उन्होंने अपना फैसला कोर

कमेटी पर छोड़ा था। सदस्यों ने सिरसा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार कुमारी सैलजा का नाम लिया था। इस पर उन्होंने समर्थकों से चर्चा की तो उन्होंने सैलजा को समर्थन देने को लेकर हां कर दी। कोर कमेटी के मेंबर मोंटू अरोड़ा ने कहा कि कमेटी ने कई दिन इस पर चर्चा की। आखिरी में फैसला लिया गया कि इस बार हम लोग कांग्रेस के साथ जाएंगे। कारण यह रहा कि वर्ष 2019 में जब अशोक तंवर कांग्रेस में थे तो बबली की टोहाना से टिकट के लिए वह समर्थकों संग दिल्ली गए थे। जब बबली की टिकट की बात करने की बात आई तो तंवर वहां से चले गए। उसके बाद वहां कहा गया कि बबली के गुंडे आए हुए हैं। वहां उनके बारे में गलत बातें चलाई गई। यही कारण रहा कि उन्होंने इस बार कांग्रेस का समर्थन करने का फैसला लिया है। बता दें कि देवेंद्र बबली ने वर्ष 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में टोहाना विधानसभा से कांग्रेस की टिकट न मिलने के बाद जजपा की टिकट पर चुनाव लड़ा था। उस दौरान एक लाख से भी ज्यादा वोट पाकर उन्होंने तत्कालीन भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और वर्तमान में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला को करारी शिकस्त दी थी।

यमुना नदी पर पुल नहीं बना, कई गांवों ने लोकसभा चुनाव का किया बहिष्कार

एजेंसी

यमुनानगर। यमुना नदी के बीपुर घाट पर पुल निर्माण की मांग को लेकर यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र के दर्जन से अधिक गांव के ग्रामीणों ने रविवार को सामूहिक रूप से गांव मुकारमपुर के स्कूल में इकट्ठा होकर 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव का बहिष्कार कर दिया। इस मौके पर घोड़ों पिपली के सुंदर सिंह का कहना है कि गांव बीपुर घाट पर पुल बनाने की मांग हमारी बहुत पुरानी समय से चली आ रही है। लेकिन सरकार में इसको लेकर हमारी कहीं सुनवाई नहीं हुई। इसको लेकर आज 12 से 14 गांव के सभी ग्रामीण इकट्ठा हुए। जिसमें गांव सबापुर, बाकरपुर, बीपुर, मेहरमाजरा, केनालसी, मालीमाजरा, टापूमाजरा, सूघ, मादलपुर, घोड़ो पिपली आदि गांव के लोगों ने सामूहिक रूप से यह निर्णय लिया है कि सोमवार को वें लघु सचिवालय में जिला उपायुक्त के माध्यम से हरियाणा के राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेंगे।वहीं अन्य ग्रामीणों का कहना है कि शहर में आने-जाने के लिए इस सात किलोमीटर के सफर को पूरा करने के लिए हमें 40 किलोमीटर ऊपर से घूम कर आना पड़ता है।

आजाद नगर में आनन-फानन में ठीक करवाई जा रही स्ट्रीट लाइट्स : सोमबीर श्योराण

एजेंसी

हिसार। आजाद नगर व्यापार मंडल ने आरोप लगाया है कि सरकार व प्रशासन द्वारा चुनावों को देखते हुए आजाद नगर में आनन-फानन में स्ट्रीट लाइट्स को ठीक किया जा रहा है। इससे पहले पिछले चार वर्षों तक इन स्ट्रीट लाइटों को देखने तक यहां कोई नहीं आया। व्यापार मंडल प्रधान सोमबीर श्योराण व महासचिव जगदीश पूनिया ने कहा है कि यह महज एक चुनावी स्टंट है।

चार साल तक सरकार ने इस एरिया को संभाला तक नहीं। कभी आजाद नगर को नगर निगम ने अपना क्षेत्र माना ही नहीं और अब चुनाव सामने है तो दिखावे के लिए सिर्फ स्ट्रीट लाइटें ठीक करवाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इसमें भी न ही तो नियमों का पालन किया जा रहा है और महज खानापूर्ति की जा रही है। जिन पोल पर स्ट्रीट लाइट लगाई जा रही है वे बिल्कुल कंडम हो चुके हैं। पोल को चेंज नहीं किया जा रहा। इसके साथ ही डिवाइडर भी बिल्कुल टूटे हुए हैं।

व्यापार मंडल नेताओं ने कहा कि आजाद नगर व्यापार मंडल इसका पूर्ण विरोध करता है। अगर प्रशासन को स्ट्रीट लाइट्स का काम ही करवाना है तो नए स्ट्रीट लाइट पोल लगवाकर व नए डिवाइडर बनवाकर इस काम को सही ढंग से करवाए। पूरे शहर में बिजली के खंबों पर तिरंगा लाइट्स लगी हुई हैं शहर के बाकी हिस्सों की तरह यहां भी तिरंगा लाइटें लगाई जाएं।

व्यापारी नेताओं ने कहा कि निगम प्रशासन आजाद नगर क्षेत्र से विकास के मामले में हमेशा भेदभाव करता आ रहा है। आजाद नगर हमेशा उपेक्षा का शिकार है। पूरे शहर की तरह इस क्षेत्र के लोगों को भी पूरी सुविधा दी जाएं।

नहीं बिकेगी आपकी चहेती हल्दीराम, ऑफर्स से खुश नहीं हैं प्रमोटर्स

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की प्रसिद्ध नमकीन एवं स्नैक्स बनाने वाली कंपनी हल्दीराम अब नहीं बिकेगी. कंपनी के प्रमोटर्स उसे विभिन्न कंपनियों से मिले ऑफर्स के खुश नहीं हैं. इसलिए वह इसे बेचने का फैसला टाल सकते हैं. हल्दीराम को खरीदने के 69,138 करोड़ रुपये (8.3 अरब डॉलर) का वैल्यूएशन लगाया गया था. प्रमोटर फैमिली को यह धनराशि पसंद नहीं आई है. इसके चलते वह इन ऑफर्स को नकार सकते हैं.

प्रमोटर इस वैल्यूएशन पर कंपनी बेचने को नहीं हैं तैयार

निजी इक्विटी फर्मों ने हल्दीराम स्नैक्स फूड्स को खरीदने के लिए नॉन बाइंडिंग ऑफर दिए थे. बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, हल्दीराम के वरिष्ठ अधिकारियों ने दावा किया है कि प्रमोटर्स ने निजी इक्विटी कंपनियों से कह दिया है कि वे इस वैल्यूएशन पर कंपनी नहीं बेच रहे हैं. हल्दीराम से जुड़े एक सूत्र ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि प्रमोटर्स द्वारा कंपनी बेचने की खबरें सच नहीं हैं.

ब्लैकस्टोन ने कंसोर्टियम बनाकर दिया था ऑफर

हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि ब्लैकस्टोन , बेन कैपिटल और सिंगापुर की टेमासेक ने हल्दीराम स्नैक्स को खरीदने के लिए ऑफर दिए थे. रॉयटर्स के मुताबिक, पिछले साल सितंबर में टाटा कंज्यूमर ने भी हल्दीराम में 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए बात की थी. उस समय प्रमोटर्स ने कंपनी की कीमत 83,300 करोड़ रुपये (10 अरब डॉलर) लगा दी थी. इसके चलते बात नहीं बन पाई थी. कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग से पहले पिछले साल अतिरिक्त 10 फीसदी हिस्सेदारी बेचने के लिए बेन कैपिटल के साथ भी बात की थी लेकिन, डील नहीं हो पाई.

देश के विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर खुशखबरी, 2.56 अरब डॉलर की हुई बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। इस समय विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर भारत को खुशखबरी मिल रही है। बीते 10 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.561 अरब डॉलर की शानदार बढ़ोतरी हुई। अब अपना भंडार 644.15 अरब डॉलर का हो गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार में काफी बढ़ोतरी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि 10 मई को समाप्त सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में काफी बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान भंडार 2.561 अरब डॉलर से बढ़कर 644.151 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.67 अरब डॉलर बढ़कर 641.59 अरब डॉलर रहा था। इसके पहले लगातार तीन सप्ताह इसमें गिरावट आई थी। पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में देश का मुद्रा भंडार 648.56 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

वहीं, केंद्रीय बैंक के साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान विदेशी पूंजी भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा भंडार 1.488 अरब डॉलर से बढ़कर 565.648 अरब डॉलर हो गया।

स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 1.07 अरब डॉलर बढ़ा

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 10 मई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा भंडार 1.49 अरब डॉलर बढ़कर 565.65 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 1.07 अरब डॉलर बढ़कर 55.95 अरब डॉलर हो गया।

भारत-ब्रिटेन ने रणनीतिक वार्ता में एफटीए पर जताई प्रतिबद्धता, 2030 के रोडमैप की हुई समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन ने एक बार फिर दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई। भारत और ब्रिटेन के बीच सालाना होने वाली रणनीतिक बातचीत के लिए भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा ब्रिटेन दौरे पर हैं। इस दौरान क्वात्रा ने ब्रिटेन के विदेश, कॉमनवेल्थ एंड डेवलेपमेंट ऑफिस के स्थायी अवर सचिव सर फिलिप बार्टन से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद सर फिलिप बार्टन ने कहा कि दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर प्रतिबद्धता जताई गई। साथ ही साल 2030 के रोडमैप की समीक्षा भी की गई।

2030 के रोडमैप की हुई समीक्षा

सर फिलिप बार्टन ने कहा कि 2030 के रोडमैप की समीक्षा के दौरान दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने माना कि जनवरी में हुई बैठक के बाद इस दिशा में अच्छी प्रगति हुई है। जिसके तहत दुनिया की पहली मलेरिया वैक्सीन पर सहयोग बढ़ा है, साथ ही दोनों देशों ने जी20 की अध्यक्षता और छात्रों और उद्यमियों के लिए ज्यादा अवसर बनाने की दिशा में भी दोनों देशों ने मिलकर काम किया है। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते और रक्षा सहयोग बढ़ाने पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। गौरतलब है कि साल 2021 में भारत और ब्रिटेन के बीच 2030 के रोडमैप पर सहमति बनी थी। इसके तहत दोनों देश स्वास्थ्य, जलवायु, व्यापार, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे। एफटीए को लेकर दोनों देशों में अब तक 13 राउंड की बातचीत हो चुकी है और 14वें राउंड की बातचीत जनवरी में शुरू हुई थी। मुक्त व्यापार समझौते के तहत 26 अध्याय हैं, जिनमें सामान, सेवा, निवेश और बौद्धिक संपदा अधिकार जैसे मुद्दों पर बात हो रही है।

चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.7 फीसदी रहने का अनुमान

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंडरा) ने वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। रेटिंग एजेंसी को पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में आर्थिक वृद्धि दर लगभग 6.9-7 फीसदी रहने का अनुमान है।

रेटिंग एजेंसी इंडरा के प्रमुख अर्थशास्त्री सुनील कुमार सिन्हा ने रविवार को एक बयान में कहा, 'हम उम्मीद कर रहे हैं कि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 6.7 फीसदी होगी और वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कुल जीडीपी वृद्धि दर करीब 6.9-7 फीसदी होगी।' उन्होंने कहा कि पहली दो तिमाहियों में विकास दर को कम

आधार का फायदा मिला है, हालांकि तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में 8.4 फीसदी की वृद्धि दर आश्चर्यजनक थी।

सरकार 31 मार्च को समाप्त हुए वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के लिए जीडीपी वृद्धि के शुरुआती आंकड़ों का अनुमान 31 मई को जारी करेगी। उल्लेखनीय है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में 8.2 फीसदी, जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.1 फीसदी और अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 8.4 फीसदी की दर से बढ़ी है।

SEBI ने रिलायंस होम फाइनेंस पर 8 लाख का जुर्माना ठोका

नई दिल्ली। शेयर बाजार की नियामक संस्था- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने रिलायंस होम फाइनेंस पर 8 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना की रकम 45 दिनों के भीतर चुकाना होगा। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि रिलायंस होम फाइनेंस ने 21 जून, 2021 के एनसीएलटी आदेश के संबंध में खुलासा नहीं किया है। एक दूसरे मामले में, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने पेशेवर कदाचार के लिए प्राइस

वॉटरहाउस के पांच सहयोगियों, दो अन्य संस्थाओं और दो व्यक्तियों के खिलाफ आदेश पारित किया है। इनमें प्राइस वॉटर हाउस, कोलकाता, प्राइस वॉटरहाउस एंड कंपनी, चेन्नई, प्राइस वॉटरहाउस एंड कंपनी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एलएलपी, व अन्य हैं। आदेश में कहा गया है कि संबंधित संस्थाएं बहुराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ मौजूदा व्यवस्था को तुरंत बंद कर दें, क्योंकि यह चार्टर्ड अकाउंटेंट अधिनियम के खिलाफ है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.47 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 1,47,935.19 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं।

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,341.47 अंक या 1.84 प्रतिशत के लाभ में रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बीएसई ने प्राथमिक साइट पर प्रमुख व्यवधानों या विफलता से निपटने के लिए अपनी तैयारियों की जांच को 18 मई को इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव खंड में एक विशेष कारोबारी सत्र आयोजित किया। समीक्षाधीन सप्ताह में एलआईसी का मूल्यांकन 40,163.73 करोड़ रुपये बढ़कर 6,16,212.90 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सप्ताह के दौरान 36,467.26 करोड़ रुपये जोड़े और इसका बाजार पूंजीकरण 19,41,110.70 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 26,492.61 करोड़ रुपये बढ़कर 7,64,917.29 करोड़ रुपये पर और एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 21,136.71 करोड़ रुपये बढ़कर 11,14,163.29 करोड़

रुपये रहा। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 9,570.68 करोड़ रुपये बढ़कर 7,94,404.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 7,815.51 करोड़ रुपये बढ़कर 5,99,376.39 करोड़ रुपये हो गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 4,057.54 करोड़ रुपये बढ़कर 5,44,895.67 करोड़ रुपये हो गई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 2,231.15 करोड़ रुपये बढ़कर 7,32,576.77 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के उलट टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 16,588.94 करोड़ रुपये घटकर 13,92,963.69 करोड़ रुपये रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में 6,978.29 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 5,46,843.87 करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

चाबहार बंदरगाह समझौते के बाद ईरान भारत से निवेश की उम्मीद कर रहा है

मुंबई। चाबहार बंदरगाह संचालन पर दीर्घकालिक समझौते के बाद ईरान इस क्षेत्र में भारत से कुछ निवेश की उम्मीद कर रहा है। ईरान के कार्यवाहक महावाणिज्य दूत दावूद रेजाई एस्कंदरी ने यह बात कही।

उन्होंने बताया कि चाबहार बंदरगाह सौदा भारत के साथ उसके संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ हो सकता है। भारत ने 13 मई को इरान के चाबहार स्थित रणनीतिक बंदरगाह को संचालित करने के लिए 10 साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इससे देश को पश्चिम एशिया के साथ व्यापार का विस्तार करने में मदद मिलेगी। एस्कंदरी ने कहा, हमारा मानना है कि चाबहार बंदरगाह भारत और ईरान के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है और यह दोनों देशों के लिए अलग-अलग दृष्टिकोण से भी बहुत महत्वपूर्ण बंदरगाह है। उन्होंने कहा, ÷चाबहार बंदरगाह अनुबंध निश्चित रूप से ईरान के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। हम चाबहार क्षेत्र में कुछ निवेश की उम्मीद कर रहे हैं। एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

मांग के बराबर नहीं हो रही आपूर्ति, इस महीने तक बनी रहेगी दालों में महंगाई

एजेंसी

नई दिल्ली। आम लोगों को खाने-पीने की चीजों के मामले में अभी कुछ और समय तक महंगाई का सामना करना पड़ सकता है. खासकर दालों के मामलों में कीमतों में जल्दी नरमी आने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं, क्योंकि दालों की आपूर्ति उनकी मांग के हिसाब से नहीं हो पा रही है.

अक्टूबर तक नहीं मिलेगी राहत

ईटी की एक रिपोर्ट में विशेषज्ञों के हवाले से यह आशंका जाहिर की गई है. बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि देश में दालों की कीमतें तब तक ज्यादा बनी रह सकती हैं, जब तक कि बाजार में नई फसल की आपूर्ति न शुरू हो जाए. नई फसलों की आवक अक्टूबर महीने में जाकर शुरू होगी. इसका मतलब हुआ कि अक्टूबर महीने से पहले दालों की कीमतों में नरमी की कोई गुंजाइश नहीं है.

इस कारण दालों में ज्यादा महंगाई

बकौल बाजार विशेषज्ञ, देश में अभी दालों की जितनी डिमांड है, उतनी सप्लाई नहीं हो पा रही है. मांग और आपूर्ति के असंतुलन के चलते दालों की कीमतें टाइट चल रही हैं. दालों की महंगाई के उच्च स्तर पर बने रहने से ओवरऑल खाद्य महंगाई पर भी असर हो रहा है.

उत्पादन में भारत है नंबर वन

अभी सरकार की ओर से दालों की कीमतों को काबू में रखने के काफी प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिल पा रही है. भारत दालों का सबसे बड़ा उत्पादक है, लेकिन खपत उत्पादन से भी ज्यादा है. ऐसे में भारत को दालों का

आयात करना पड़ जाता है. 2022-23 के फसल वर्ष में देश में दालों का अनुमानित उत्पादन 26.05 मिलियन टन था, जबकि खपत का अनुमान 28 मिलियन टन था.

पिछले महीने दालों की महंगाई

अभी बाजार में तुर यानी अरहर, चना, उड़द आदि दालों में ज्यादा महंगाई दिख रही है. अप्रैल महीने में दालों की महंगाई 16.8 फीसदी रही थी. सबसे ज्यादा 31.4 फीसदी महंगाई अरहर दाल में थी. इसी तरह चना दाल में 14.6 फीसदी और उड़द दाल में 14.3 फीसदी की दर से महंगाई थी. फूड बास्केट में दालों का योगदान 6 फीसदी के आस-पास रहता है.

सुप्रीम कोर्ट से टेलीकॉम कंपनियों को बड़ी राहत, बकाए इनकम टैक्स पर लगे ब्याज को किया माफ

एजेंसी

नई दिल्ली। लीकॉम कंपनियों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. देश की सुप्रीम अदालत ने टेलीकॉम कंपनियों के बकाए इनकम टैक्स पर लगे ब्याज को पूरी तरह से माफ कर दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा कि टेलीकॉम कंपनियों की ओर से चुकाई जाने वाली लाइसेंस फीस को इनकम टैक्स के लिहाज से कैपिटल एक्सपेंडिचर माना जाए. इससे देश की शीर्ष अदालत ने 16 अक्टूबर, 2023 को अपने फैसले में कहा था कि टेलीकॉम कंपनियां अपने प्रॉफिट का कुछ पर्सेंट हर साल लाइसेंस फीस के रूप में देती हैं. जिसे रेवेन्यू एक्सपेंडिचर के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा. रेवेन्यू एक्सपेंडिचर उस खर्च को कहते हैं जिसे कंपनियां अपना कारोबार बढ़ाने के लिए करती हैं.

कोर्ट ने पहले क्या सुनाया था फैसला

आईटी एक्ट में कंपनियों को हुए

ग्रॉस प्रॉफिट में से रेवेन्यू एक्सपेंडिचर हटाने की परमीशन मिली हुई है. वैसे कैपिटल एक्सपेंडिचर उसे कहते हैं जिसे कंपनियां अपना कारोबार बढ़ाने के लिए करती हैं. इस रकम को कंपनी की कमाई से कम नहीं किया जाता है. चूंकि, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक टेलीकॉम कंपनियों की लाइसेंस फीस एक तरह का कैपेक्स है. जिसकी वजह से टेलीकॉम कंपनियां इसे अपनी अपनी सालाना कमाई से कम नहीं कर सकती हैं.

दाखिल की थी याचिका

इस आदेश के बाद टेलीकॉम कंपनियों ने सुप्रीम कोर्ट दरवाजा खटखटाया और याचिका दाखिल की. इस याचिका में इनकम टैक्स के बकाए पर लगे ब्याज को माफ करने की प्रार्थना की गई थी. कंपनियों कहा गया था कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उनकी टैक्सेबल इनकम पर काफी असर देखने को मिलेगा. इससे शुरुआती सालों में टेलीकॉम कंपनियों की टैक्सेबल इनकम में काफी इजाफा हो जाएगा.

कंपनियों की दलील

टेलीकॉम कंपनियों की ओर से यह दलील दी गई थी कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उनकी इनकम टैक्स लायबिलिटी काफी बढ़ जाएगी. जिससे कंपनियों पर आईटी एक्ट के प्रावधान के अनुसार काफी ब्याज भी लग जाएगा. कोर्ट के फैसले के बाद से चला आ 20 साल का पूरा मैकेनिज्म बदल गया था. असर ये होता कि ?कंपनियों को उस पूरे पीरियड का भी ब्याज चुकाना पड़ता. याचिका के अनुसार टेलीकॉम की ओर से भुगतान किया जाने वाला ब्याज एसेसमेंट ईयर में लागू हुए टैक्स से ज्यादा होगा. जिसकी वजह से टेलीकॉम कंपनियों को काफी फाइनेंशियल मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं.

एक साल में निवेशकों को किया साढ़े 3 गुना अमीर, अब पीएफसी के स्टॉक में ये गुंजाइश

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय के दौरान कई सरकारी शेयरों ने निवेशकों को मालामाल किया है. हाल-फिलहाल में जो सरकारी शेयर मल्टीबैगर बनने में कामयाब हुए हैं, उनमें पावर मिनिस्ट्री के तहत आने वाले पीएफसी का भी नाम शामिल है. इस शेयर ने बीते दिनों शानदार रिटर्न दिया है.

एक सप्ताह में 12 पर्सेंट मजबूत

पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन यानी पीएफसी का शेयर शनिवार 18 मई को 2.22 फीसदी की तेजी के साथ 464.90 रुपये पर बंद हुआ. यह पीएफसी के 52-वीक के हाई लेवल 485.50 रुपये के काफी करीब है. बीते 5 दिनों में ही यह शेयर 12 फीसदी से ज्यादा ऊपर जा चुका है, जबकि पिछले एक महीने के दौरान यह शेयर लगभग 17 फीसदी के फायदे में है.

250 फीसदी से ज्यादा की तेजी

पीएफसी के शेयर अभी बीते 6 महीने के हिसाब से लगभग 44 फीसदी के और इस साल की

शुरुआत से अब तक लगभग 18 फीसदी के फायदे में हैं. बीते एक साल के हिसाब से इसकी तेजी बेमिसाल साबित होती है. इस दौरान शेयर का भाव शानदार 250.81 फीसदी से ज्यादा ऊपर चढ़ा है. यानी इस दौरान शेयर का भाव साढ़े 3 गुने से भी ज्यादा मजबूत हुआ है. साल भर पहले इसका एक शेयर सिर्फ 132.52 रुपये का था.

अभी इतना चढ़ सकता है शेयर

हालिया तेजी के बाद कंपनी का मार्केट कैप बढ़कर 1.54 लाख करोड़ रुपये हो गया है. कंपनी के शेयरों में ब्रोकरेज को अभी और गुंजाइश दिख रही है. ब्रोकरेज फर्म एलारा कैपिटल ने इस सरकारी शेयर को 569 रुपये का टारगेट दिया है. यह मौजूदा स्तर से करीब 30 फीसदी ऊपर है. यानी एलारा कैपिटल को लगता है कि पीएफसी का शेयर मौजूदा स्तर से लगभग 30 फीसदी ऊपर जा सकता है.

मार्च तिमाही में वित्तीय प्रदर्शन

कंपनी ने बीते सप्ताह ही मार्च तिमाही का रिजल्ट जारी किया है. वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में पीएफसी का शुद्ध मुनाफा 23.29 फीसदी बढ़कर 7,556.43 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. इस दौरान कंपनी का राजस्व साल भर पहले के स्तर से 20.34 फीसदी की तेजी के साथ 24,141.40 करोड़ रुपये रहा.

बायजू का संकट और बढ़ा, दो बड़े नाम छोड़ेंगे एडटेक कंपनी का साथ

एजेंसी

मुंबई। संकट में फंसी एडटेक कंपनी बायजू के लिए एक और बुरी खबर है. बायजू की पैरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के सलाहकार पैनल में शामिल दो बड़े नाम रजनीश कुमार और टीवी मोहनदास पई उसे बीच भंवर में छोड़कर जाना चाहते हैं. पिछले साल कंपनी से जुड़े इन दोनों दिग्गजों का कार्यकाल 30 जून को खत्म हो रहा है. उन्होंने इसे आगे न बढ़ाने की इच्छा जताई है.

पिछले साल जुड़े थे रजनीश कुमार और टीवी मोहनदास पई

पिछले साल जून में बायजू के फाउंडर बायजू रविंद्रन के सलाहकार के तौर पर रजनीश कुमार और टीवी मोहनदास पई ने कंपनी ज्वॉइन की थी. उस समय कंपनी वित्तीय संकटों में फंसी थी और कई शेयरहोल्डर्स का बायजू रविंद्रन के साथ झगड़ा बढ़ चुका था. कंपनी के खिलाफ कई केस शुरू हो चुके थे. साथ ही कई बड़े नाम कंपनी छोड़कर जा चुके थे.

इसके बाद एसबीआई के पूर्व चेयरमैन रजनीश कुमार और इंफोसिस के पूर्व सीएफओ मोहनदास पई को सलाहकार समिति में लाया गया था.

कंपनी के खिलाफ चल रहे केस बने इनके जाने का कारण

लाइव मिंट की रिपोर्ट के अनुसार, इन दोनों दिग्गजों ने अपने निर्णय की जानकारी थिंक एंड लर्न के बोर्ड को दे दी है. सूत्रों के अनुसार, इन दोनों के जाने का बड़ा कारण बायजू के खिलाफ देश और विदेश में चल रहे केस हैं. बायजू के कुछ बड़े शेयरहोल्डर्स बायजू रविंद्रन को पद से हटाना चाहते हैं. सलाहकार समिति का मुख्य काम कंपनी की वित्तीय स्थिति सुधारना, नई टीम बनाना और शेयरहोल्डर्स से बातचीत करना था. मगर, कानूनी विवादों के चलते अभी तक इनमें से किसी में भी सफलता नहीं मिली है.

कंपनी में बड़े पैमाने पर छंटनी, मुश्किल से मिलती है सैलरी :बायजू का उत्थान और पतन दोनों ही भारतीय कारोबार जगत में अद्भुत कहानियां हैं. तेजी से बढ़ते हुए इस स्टार्टअप ने साल 2022 तक 22 अरब डॉलर का मार्केट वैल्यूएशन हासिल कर लिया था. मगर, इस साल कंपनी की वैल्यूएशन सिर्फ 1 अरब डॉलर आंकी गई थी. साथ ही फोर्ब्स ने बायजू रविंद्रन की नेट वर्थ भी जीरो कर दी है. कंपनी में बड़े पैमाने पर छंटनी हुई है और हर महीने मुश्किल से स्टाफ की सैलरी मिल पाती है.

सरकारी बैंकों के मर्जर पर नहीं चल रहा विचार, प्राइवेटाईजेशन है लक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पिछले कुछ सालों में कई सरकारी बैंकों का आपस में विलय कर दिया है. इसकी वजह से अब देश में सरकारी बैंकों की संख्या घटकर 12 रह गई है. साल 2017 तक देश में 27 पब्लिक सेक्टर बैंक थे. हालांकि अब आगे सरकारी बैंकों के मर्जर नहीं किए जाएंगे. बैंकिंग सेक्टर को मजबूत बनाने के लिए सरकार के दिमाग में कुछ और ही चल रहा है. अब सरकार पब्लिक सेक्टर बैंकों के प्राइवेटाईजेशन को लक्ष्य बनाकर चल रही है. इस प्लान पर वित्त वर्ष 2025 में ही काम शुरू हो सकता है.

फिलहाल किसी सरकारी बैंक के विलय का प्रस्ताव नहीं

लाइव मिंट ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि फिलहाल किसी सरकारी बैंक के विलय का प्रस्ताव नहीं है. पिछले हफ्ते इंफॉर्मिस्ट मीडिया ने भी दावा किया था कि यदि भाजपा सत्ता में आती है तो वित्त मंत्रालय सरकारी बैंकों का विलय करेगा. पिछली बार हुए मर्जर के चलते बैंकों की वित्तीय स्थिति में सुधार आया है. मर्जर से पहले अधिकतर बैंक भारी भरकम एनपीए के तले दबे हुए थे. इसके चलते सरकार ने इन बैंकों में न सिर्फ पूंजी डाली बल्कि बड़े पैमाने पर बैंकों का विलय भी किया था. इसके चलते बैंकों के ऑपरेशनल और एडमिनिस्ट्रेटिव खर्चे बचे. साथ ही उनका कैपिटल बेस भी मजबूत हुआ था.

आईडीबीआई बैंक का विनिवेश सबसे पहले होगा

सूत्रों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में सरकार आईडीबीआई बैंक का विनिवेश प्राथमिकता पर करेगी. सरकार के पास फिलहाल इस बैंक की 45 फीसदी और एलआईसी के पास 49.24 फीसदी हिस्सेदारी है. यह दोनों मिलाकर आईडीबीआई बैंक का 60.7 फीसदी हिस्सा बेचना चाहते हैं. इसके चलते यह प्राइवेट सेक्टर का बैंक हो जाएगा. सीएसबी बैंक कोटक महिंद्रा बैंक और एमिरेट्स एनबीडी ने इस हिस्सेदारी को खरीदने की इच्छा जताई थी.

बैंक अब प्रॉफिट बना रहे, उनका एनपीए भी हुआ कम

पिछले अक्टूबर में भी मिंट ने बैंकों के प्राइवेटाईजेशन प्लान की जानकारी दी थी. रिपोर्ट में कहा गया था कि बैंक अब प्रॉफिट बना रहे हैं. उनका एनपीए भी कम हुआ है. इसलिए सरकार ने निजीकरण के लिए वित्त मंत्रालय, नीति आयोग और आरबीआई के नेतृत्व में एक समिति का गठन भी किया था. सूत्रों ने दावा किया है कि अभी आईडीबीआई के अलावा किसी और बैंक के निजीकरण का प्रस्ताव नहीं है. मगर, भविष्य में ऐसा हो भी सकता है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी वित्त वर्ष 2021-22 का बजट पेश करते समय दो सरकारी बैंकों और एक जनरल इंश्योरेंस कंपनी के निजीकरण की इच्छा जताई थी.

स्ट्रेस कर सकता है आपके दिमाग की बैटरी डाउन, Stress Relief के लिए इन चीजों को करें अपनी डाइट में शामिल

हमारे रोजमर्रा के जीवन में ऐसे कई काम होते हैं जिनके कारण हम स्ट्रेस का शिकार बन जाते हैं। स्ट्रेस की वजह से कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए अपनी सेहत का ख्याल रखने के लिए जरूरी है कि आप तनाव कम करें। कुछ फूड्स ऐसे हैं जिनकी मदद से Stress Relief में काफी मदद मिलती है। आइए जानें किन फूड्स की मदद से तनाव कम होता है।

मानसिक तनाव और स्वास्थ्य का आपस में गहरा संबंध है। लंबे समय तक तनाव में रहने की वजह से हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ता है। स्ह्लह्द्गह्यह्य के कारण हृदय रोग, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर आदि का जोखिम बढ़ता है। साथ ही, मानसिक स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है। इसके कारण अनिद्रा, स्ट्रेस, एंजाइटी आदि की समस्याएं हो सकती हैं।इसलिए तनाव को नियंत्रित करने के लिए योग, ध्यान, नियमित व्यायाम, सही आहार, सोशल सपोर्ट और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना बेहद महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही, काम से ब्रेक लेना, अपनी हॉबीज के लिए समय निकालना और दोस्तों के साथ समय बिताना बेहद जरूरी है। इसके अलावा, कुछ ऐसे फूड्स भी हैं, जिनकी मदद से स्ट्रेस कम करने में मदद मिलती है। आइए जानें किन फूड्स को खाने से Stress Relief करने में मदद मिल सकती है।

डार्क चॉकलेट

इसमें फ्लोवोनॉल्स नामक केमिकल कंपाउंड पाया जाता है, जो दिमाग को शांत रखने का काम करता है। साथ ही, याददाश्त मजबूत बनाने में मदद करता है।

फैटी फिश

इस तरह की मछलियों में ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर मात्रा में होता है, जो तनाव को कम करने में मदद करता है और मानसिक स्वास्थ्य को सुधारता है। साल्मन, टूना आदि फैटी फिश होती हैं।

पीनट बटर

इसमें पोलिफेनोल्स और विटामिन ई होता है, जो स्ट्रेस को कम करने में मदद करता है और मन की शांति को बढ़ाता है।

ब्लू बेरीज

इसमें एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं. जो तनाव को कम करने में मदद करते हैं और मानसिक चिंता को दूर करते हैं।

चेरी टोमाटो

इसमें लाइकोपीन होता है, जो तनाव को कम करने में मदद करता है और मानसिक स्थिति को सुधारता है।

फरमेंटेड फूड्स

फरमेंटेड फूड्स जैसे- दही, केफिर, किम्ची आदि के सेवन से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है और तनाव को कम करता है।

केला

इसमें विटामिन बी6 और पोटेशियम होता है, जो सेरोटोनिन को बढ़ाता है। इससे मानसिक तनाव कम करने में मदद मिलती है।

नारियल

इसमें मानसिक तनाव को कम करने में मदद करने वाले पोषक तत्व होते हैं। इसलिए इससे स्ट्रेस से छुटकारा मिल सकता है।

मशरूम

इसमें विटामिन डी होता है, जो स्ट्रेस को कम करने में मदद करता है और मानसिक स्वास्थ्य को सुधारता है।

माचा

यह एक ग्रीन टी है। इसमें एल-थीनाइन और एमीनो एसिड होता है, जो मानसिक चिंता को कम करने में मदद करता है।

शिवाजी महाराज के शासनकाल की आर्थिक नीतियां

इतिहास के किसी भी खंडकाल में भारतीय सनातन संस्कृति का अनुपालन करते हुए किए गए समस्त प्रकार के कार्यों में सफलता निश्चित मिलती आई है। ध्यान में आता है कि भारतीय आर्थिक दर्शन भी सनातन संस्कृति के अनुरूप ही रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज भी हमारे वेदों एवं पुराणों में वर्णित नियमों के अनुसार ही अपने राज्य में आर्थिक नीतियों का निर्धारण करते थे। अपनी रियासत के नागरिकों को किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं हो और वे परिवार सहित अपने लिए दो जून की रोटी की व्यवस्था आसानी से कर सकें, इसका विशेष ध्यान आपके शासनकाल में रखा जाता था। उस खंडकाल में नागरिकों के लिए रोजगार हेतु कृषि क्षेत्र ही मुख्य आधार था। कृषि गतिविधियों के साथ साथ पशुपालन कर ग्रामों में निवासरत नागरिक अपने एवं अपने परिवार का भरण पोषण सहज रूप से कर पाते थे एवं अति प्रसन्नचित तथा संतुष्ट रहते थे, हालांकि कालांतर में व्यापार एवं उद्योग को भी बढ़ावा दिया जाने लगा था। विश्व के कई भागों में सभ्यता के उदय से कई सहस्त्राब्दी पूर्व, भारत में उन्नत व्यवसाय, उत्पादन, वाणिज्य, समुद्र पार विदेश व्यापार, जल, थल एवं वायुमार्ग से बिक्री हेतु वस्तुओं के परिवहन एवं तत्संबंधी आज जैसी उन्नत नियमावलियां, व्यवसाय के नियमन एवं करारोपण के सिद्धांतों का अत्यंत विस्तृत विवेचन भारत के प्राचीन वेद ग्रंथों में प्रचुर मात्रा में मिलता है। प्राचीन भारत में उन्नत व्यावसायिक प्रशासन व प्रबंधन युक्त अर्थतंत्र के होने के भी प्रमाण मिलते हैं। हमारे प्राचीन वेदों में कर प्रणाली के सम्बंध में यह बताया गया है कि राजा को अत्यधिक कराधान रूपी अत्याचार से विरत रहना चाहिए। कौटिल्य के अनुसार करों की अधिकता से प्रजा में दरिद्रता, लोभ, असंतोष, विराग आदि भाव उपजते हैं। राजा द्वारा, स्मृतियों द्वारा निर्धारित, कर के अतिरिक्त अन्य कर लगाया जाना निछिद्ध था। कर की मात्रा वस्तुओं के मूल्य एवं समय पर निर्भर होती थी। राजा सामान्यतया उपज का छठा भाग ले सकता था। हां आपत्ति के समय अतिरिक्त कर लगाने की केवल एक बार की छूट रहती थी। अनुर्वर भूमि पर भारी कर नहीं लगाया जाता था। कर सदैव करदाता को हल्का लगे, जिसे वह बिना किसी कठिनाई व कर चोरी के चुका सके। जिस प्रकार मधुमक्खी पुष्पों से बिना कष्ट दिए मधु लेती है, उसी प्रकार राजा को प्रजा से बिना कष्ट दिए कर लेना चाहिए। कर प्रणाली के माध्यम से आर्थिक असमानता एवं घाटे की वित्त व्यवस्था पर अंकुश लगाया जाता था। चुंगी को भी कर की श्रेणी में शामिल किया जाता था, जो क्रेताओं एवं विक्रेताओं द्वारा राज्य के बाहर या भीतर ले जाने या लाए जाने वाले सामानों पर लगती थी। राजा के पास राजकोष के लिए तीन साधन थे- उपज पर राजा का भाग, चुंगी एवं दंड। इस प्रकार राजकोष पर प्राचीन ग्रंथों में अत्यंत विस्तृत व व्यावहारिक विमर्श पाया जाता है। शिवाजी महाराज के राज्य में प्रारम्भिक काल में व्यापार बहुत कम मात्रा में होता था और राज्य की अर्थव्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी। इस राज्य में उस समय चौथ एवं सरदेशमुखी, यह दो प्रकार के कर प्रचलन में थे। नागरिकों को राज्य में सुरक्षा प्रदान करने के एवज में चौथ नामक कर लगाया जाता था। इस प्रकार का कर अन्य रियासतों द्वारा भी अपने नागरिकों से वसूला जाता था, उस खंडकाल में यह एक सामान्य कर था, जिसके अंतर्गत किसानों एवं श्रमिकों को यह आश्वासन दिया जाता था कि राज्य पर किसी भी बाहरी आक्रमण के समय इन नागरिकों को प्रशासन द्वारा सुरक्षा प्रदान की जावेगी। दूसरी ओर, सरदेशमुखी नामक कर प्रचलन में था। इस कर प्रणाली के अन्तर्गत, राज्य द्वारा जमीन पर अर्जित की गई आय का 10 प्रतिशत हिस्सा कर के रूप में किसानों से वसूल किया जाता था। शिवाजी महाराज ने 1660 के दशक के शुरुआती वर्षों में ही उक्त वर्णित दोनों प्रकार के कर अपने नागरिकों से लेना शुरू कर दिए था। सरदेशमुखी कर वसूल करते समय प्रशासन द्वारा इस बात का ध्यान जरूर रखा जाता था कि जिन किसानों की जमीन कम उपजाऊ है, उनसे कर की वसूली कम दर पर की जाय ताकि इस श्रेणी के किसानों को अपने एवं परिवार के जीवन यापन में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो। कौन सी जमीन अधिक उपजाऊ एवं कौन सी जमीन कम उपजाऊ है, यह जानने के लिए समय समय पर सर्वेक्षण भी कराए जाते थे और इस सर्वेक्षण के परिणामों के आधार पर ही विभिन्न किसानों के लिए कर की दर निर्धारित की जाती थी। साथ ही कर की अधिकतम राशि भी निर्धारित की जाती थी एवं यह कुल उपज के एक तिहाई से अधिक नहीं रखी जाती थी। सरदेशमुखी मानक कर केवल उपज पर ही लगाया जाता था। शिवाजी महाराज के राज्य में खेती-बाड़ी ही राजस्व का मुख्य और लगभग इकलौता जरिया था, अतः शिवाजी महाराज का प्रशासन परती जमीन पर खेती करने वालों को उचित रियायतें भी प्रदान करता था। इन किसानों से कम दर पर कर लिया जाता था। कई बार तो पहले चार वर्षों के लिए प्रशासन द्वारा पट्टे पर दी गई जमीन पर किसानों से कोई किराया ही नहीं वसूला जाता था, पांचवें साल में आधा किराया वसूला जाता था और फिर उसके बाद पूरा किराया वसूला जाता था।

शिवाजी महाराज के प्रशासन द्वारा उस खंडकाल में जारी एक सर्कुलर से यह पता चलता है कि शिवाजी महाराज द्वारा किसानों को आवश्यकता पड़ने पर ब्याज मुक्त ऋण भी प्रदान किया जाता था, ताकि किसान अपने कृषि कार्य को सुचारू रूप से जारी रख सकें। प्रशासन के नियमों के अनुसार किसानों से केवल मूलधन की राशि ही वापिस ली जाती थी और

वह भी किश्तों में।शिवाजी महाराज के शासनकाल में कृषि क्षेत्र पर दबाव कम करने के उद्देश्य से नमक उद्योग को भी बढ़ावा दिया गया था एवं नमक उद्योग में राज्य ने भी अपना निवेश किया था। इससे किसानों के लिए यह आय का एक अतिरिक्त स्त्रोत बनकर उभरा था। शिवाजी महाराज के राज्य में प्रशासन द्वारा नमक उद्योग को बढ़ावा दिए जाने के पूर्व नमक का आयात पुर्तगाली व्यवसाईयों के माध्यम से होता था। राज्य में नमक के आयात को कम करने एवं अपने राज्य में उत्पादित नमक के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुर्तगाल से आयात किए जाने वाले नमक पर प्रशासन ने आयात कर को बढ़ा दिया था ताकि आयातित नमक की कीमत बाजार में अधिक हो जाए एवं राज्य के व्यापारी नमक आयात करने के लिए निरुत्साहित हों तथा स्थानीय नमक उत्पादनकर्ताओं के हित सुरक्षित हो सकें। इस प्रकार, आयात कर का चलन शिवाजी महाराज के शासन काल में ही प्रारम्भ हुआ था।

शिवाजी महाराज के प्रशासन द्वारा नमक उद्योग को प्रदान की गई विशेष सुविधाओं के चलते कुछ समय पश्चात तो राज्य से नमक का निर्यात भी होने लगा था जिससे धीरे धीरे पानी के जहाज बनाने का उद्योग भी राज्य में फलने फूलने लगा था। कालांतर में पानी के जहाजों का इस्तेमाल राज्य में नौ सेना के लिए भी किया जाने लगा था। विशेष रूप से अरब सागर को नियंत्रित करने और अपने साम्राज्य के तटीय क्षेत्रों को सुरक्षित करने के उद्देश्य से शिवाजी महाराज ने एक दुर्जेय नौसैनिक बेड़ा बनाया था। इस प्रकार शिवाजी महाराज ने समुद्री सुरक्षा के सामरिक महत्व को बहुत पहिले ही समझ लिया था। आपकी नौसेना ने न केवल कोंकण तट को समुद्री खतरों से बचाया था, बल्कि हिंद महासागर के व्यापार मार्गों में यूरोपीय शक्तियों के प्रभुत्व को भी चुनौती दी थी। इतिहासकार श्री जदुनाथ सरकार अपनी एक पुस्तक में लिखते हैं कि शिवाजी महाराज के राज्य में विभिन्न आकार के लगभग 400 पानी के जहाज थे। हालांकि उस समय के एक अन्य प्रतिवेदन में यह संख्या 160 की बताई गई है। शिवाजी महाराज की नौ सेना ने पुर्तगालियों, डच एवं अंग्रेजों की नौसेना को निशाना बनाने में सफलता पाई थी। शिवाजी महाराज ने अपने राज्य एवं आज के महाराष्ट्र के पेन, पनवेल और कल्याण क्षेत्रों में पानी के जहाज बनाने के उद्योग प्रारम्भ किये थे। इन क्षेत्रों में पानी के जहाज बनाने के लिए पर्याप्त मात्रा में लकड़ी उपलब्ध थी। यहां पर निर्मित किए गए पानी के जहाज वजन में हलके होते थे एवं तेज गति से चलते थे। कुछ जहाज तो आकार में बहुत बड़े भी रहते थे, जिन पर आठ तोपें तक लादी जाती थीं। वर्ष 1663 आते आते शिवाजी महाराज के जहाज आज के यमन के शहरों तक जाने लगे थे। बाद के वर्षों में तो व्यापारिक जहाज आज के ईरान एवं ईराक के बसरा शहर तक भी गए थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज के शासनकाल में सरल कर प्रणाली के चलते नागरिकों की आर्थिक स्थिति समय के साथ साथ काफी सुदृढ्ढ होती चली गई क्योंकि नागरिकों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का भी अच्छा उपयोग किया जाने लगा था। अधिकतम नागरिक ग्रामों में ही निवास करते थे एवं कृषि क्षेत्र पर ही निर्भर थे। विभिन्न प्रकार की फसलें उगाकर गाय एवं भेड़ें पालते थे, जानवरों का शिकार करते एवं भेड़ों की ऊन से कपड़े बनते थे। इस खंडकाल में लगभग समस्त ग्रामों में नागरिकों की यही जीवन शैली थी। शिवाजी महाराज के शासनकाल में व्यापार के भी बढ़ावा दिया जा रहा था। मुख्य रूप से कपास, चमड़े से निर्मित उत्पाद एवं मसालों का निर्यात अन्य देशों को किया जाता था। भारत के पश्चिमी तट पर सूरत के बंदरगाह के माध्यम से अंतरराष्टीय व्यापार किया जाता था। जबकि, सूती एवं रेशमी कपड़ों का घरेलू व्यापार भी किया जाता था।

आज भी यह माना जाता है कि छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण मोड़ था, जिससे संप्रभु और शक्तिशाली हिंदू साम्राज्य की नींव पड़ी थी। यह साम्राज्य गुप्त, मौर्य, चोल, अहोम एवं विजयनगर साम्राज्य की ही तरह शक्तिशाली, सुसंगठित और सुशासित था। शिवाजी महाराज ने एक महान हिंदवी साम्राज्य की स्थापना कर न केवल हिंदुओं की सुप्त चेतना को जागृत किया था, बल्कि उन्हें संगठित करते हुए विभाजनकारी और दमनकारी इस्लामी शासन को खुली चुनौती भी दी। उन्होंने भारतीय अस्मिता, सनातन संस्कृति को पुनर्जीवित करने और मंदिरों के संरक्षण और निर्माण कार्य पर सर्वाधिक बल दिया। आज शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के 350 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में पूरे देश में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने के प्रयास हो रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भी इसे एक पर्व के रूप में मनाए जाने का आह्वान किया है तथा संघ की देश भर में फैली शाखाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना है।

संपादकीय

तपती ज़िंदगी

हर साल मई-जून आते ही पारा बढ़ने पर अखबारों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की सुर्खियां डराने लगती हैं। इस डर को बढ़ाने में बाजार के उत्पादों का खेल भी शामिल होता है। निस्संदेह गुरुवार को हरियाणा में पारा 47 डिग्री और पंजाब में 44 पार रहा। आने वाले दिनों में तापमान बढ़ने व ऑरेंज अलर्ट की चेतावनी लू को लेकर मौसम विज्ञान ने दी है। हर रोज एक नई खबर होती है कि फलां दिन अब तक सबसे गर्म रहा। इतने सालों का रिकॉर्ड टूटा। निश्चित रूप से खेत में काम करते किसान, खुले में जीविका के लिए पसीना बहाते कामगार व आम नागरिकों के लिये यह चुनौतीपूर्ण समय होता है। बच्चों के लिये यह समय विकट जरूर होता है, जिसके चलते पंजाब व अन्य राज्यों में जून माह में बच्चों की छुट्टियां घोषित हुई हैं। यह समय खासकर बुजुर्गों व पहले ही कई रोगों से पीड़ित लोगों के लिये खास सावधानी की मांग करता है। ऐसे में यदि बिजली की कटौती सामने आए तो और कष्टदायक होता है। यह भी सत्य है कि इस मौसम में बिजली की खपत अचानक बढ़ने और जल प्रवाह में कमी से बिजली आपूर्ति प्रभावित होती है। जाहिर है बिजली की कटौती परिस्थितिजन्य भी होती है। इस बीच एक अच्छी खबर यह भी है कि मानसून देश में एक दिन पहले आ जाएगा और इस बार भरपूर मानसून बरसने की भविष्यवाणी भी की जा रही है। लेकिन हमें मानकर चलना चाहिए कि ग्लोबल वार्मिंग से मौसम के मिजाज में तल्खी आ रही है। अफगानिस्तान, ब्राजील समेत कई देश अप्रत्याशित बाढ़ का सामना कर रहे हैं। हिमालय के आंगन उत्तराखंड में वन सुलग रहे हैं। जाहिर है पूरे देश को प्राणवायु देने वाले जंगलों के जलने का असर पूरे देश के तापमान पर पड़ेगा। ऐसे में हर नागरिक मान ले कि हमने प्राणवायु देने वाले जंगलों को जिस बेरहमी से काटकर कंक्रीट के जंगल उगाए हैं, उसका असर तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि के रूप में तो सामने आएगा ही। हमें और अधिक गर्मी के लिये तैयार रहना होगा।सच कहें तो हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के अनुरूप जैसी जीवन शैली विकसित की थी, वह हमें कुदरत के चरम से बचाती थी। हम महसूस करें कि बढ़ती जनसंख्या का संसाधनों में बढ़ता दबाव भी तापमान की वृद्धि का कारण है। बड़ी विकास परियोजनाओं व खनन के लिये जिस तरह जंगलों को उजाड़ा गया, उसका खमियाजा हमें और आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। विलासिता के साधनों, वातानुकूलन के मोह और कार्बन उगलते वाहनों की होड़ भी हमारे वातावरण में तापमान में वृद्धि कर रही है। एक नागरिक के रूप में हम आत्ममंथन करें कि गर्मी के आने पर हम हाय-हाय तो करने लगते हैं, लेकिन कभी हमने विचार किया कि हम इस स्थिति को दूर करने के लिये क्या योगदान देते हैं? क्या हम पौधा-रोपण की ईमानदार कोशिश करते हैं? हम जल के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं? क्या वर्षा जल सहेजने का प्रयास करते हैं ताकि तापमान कम करने व भूगर्भीय जल के संरक्षण में मदद मिले? हमें बढ़ते तापमान के साथ जीना सीखना होगा। गर्मी को लेकर हायतौबा करने से गर्मी और अधिक लगती है। हमारे पुरखों ने मौसम अनुकूल खानपान, परंपरागत पेय-पदार्थों के सेवन तथा मौसम अनुकूल जीवन शैली का ऐसा ज्ञान दिया, जो हमें मौसम के चरम में सुरक्षित रख सकता है।

रासायनिक खादों से बने भोजन व अशुद्ध दूध व उससे बने उत्पादों के उपभोग से हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता घटी है। हमारे जीवन में लगातार घटते श्रम ने भी जीवनी-शक्ति को कम ही किया है। एक व्यक्ति के रूप में हम बहुत कुछ ऐसा कर सकते हैं जिससे तपिश से खुद व समाज को सुरक्षित कर सकते हैं। हम अपने आंगन-छतों में हरियाली उगाकर घर का तापमान अनुकूल कर सकते हैं। साथ ही प्रकृति में विचरण करने वाले पक्षियों व जीव-जंतुओं को भी गर्मी से बचाने के लिये भी प्रयास करने चाहिए। गर्मी है और आने वाले समय में और बढ़ सकती है।

Amethi LokSabha Election: यादगार होगी स्मृति ईरानी की जीत!

कांग्रेस के रणनीतिकार भले ही अपनी रणनीति से संतुष्ट हो। भले ही गांधी परिवार अपनी साख बचाने की कोई भी दलील दे पर सच्चाई यही है कि राहुल गांधी ने अमेठी सीट से चुनाव लड़ना कतई उचित नहीं समझा।

कभी कांग्रेस की खानदानी सीट मानी जाने वाली अमेठी से 2019 में पहले भाजपा की स्मृति ईरानी से चुनाव हारना और अब 2024 में राहुल गांधी का पलायन करना निस्संदेह यह बताने को काफी है कि राहुल गांधी स्मृति ईरानी से टक्कर लेने का साहस नहीं दिखा सके। अलवक्त्ता कांग्रेस ने राहुल गांधी की बजाय अर्से तक गांधी परिवार के अमेठी, रायबरेली में चुनाव प्रबन्धक एवं वफादार सिपहसालार रहे किशोरी लाल शर्मा को चुनाव मैदान में उतारकर प्रत्यक्ष~ यह जताने की कोशिश की हैं कि गांधी परिवार अमेठी से अपने पुराने रिश्ते को बरकरार रखना चाहता है। कांग्रेस के रणनीतिकारों को उम्मीद थी कि चूंकि राहुल गांधी पड़ोस की गांधी परिवार की खानदानी सीट रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं सो किशोरी लाल शर्मा को इसका लाभ मिलना तय है। यही नहीं चूंकि उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन के तहत रायबरेली व अमेठी सीट कांग्रेस के खाते में गई अतएवं दोनो ही सीटों पर गठबंधन की प्रमुख भागीदार सपा के वोटों का लाभ मिलना तय है। कांग्रेस के रणनीतिकार भले ही अपनी रणनीति से संतुष्ट हो। भले ही गांधी परिवार अपनी साख बचाने की कोई भी दलील दे पर सच्चाई यही है कि राहुल गांधी ने अमेठी सीट से चुनाव लड़ना कतई उचित नहीं समझा। उन्हें परिवार की 2019 में अपनी हारी खानदानी सीट अमेठी से मम्मी श्रीमती सोनिया गांधी की जीती रायबरेली कहीं ज्यादा सुरक्षित लगी।

जहां तक अमेठी सीट पर स्मृति ईरानी के मुकाबले में किशोरी लाल शर्मा को मैदान में उतारने की बात है तो उनके उतारने से अमेठी में न तो कोई उत्साह की लहर है न तो उन्हे अमेठी हाथोहाथ लेने को तैयार है। समर्पित कांग्रेसजनों और पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं के अलावा न तो कोई बड़ा कांग्रेसी नेता उनके पक्ष में दिखाई दे रहा है और न ही उन्हे

गांधी परिवार से कोई विशेष तरजीह दी जा रही है। यदि ऐसा न होता तो श्री शर्मा के नामांकन के मौके पर प्रियंका गांधी अवश्य मौजूद रहती। जबकि वह पड़ोस में यानी रायबरेली में अपने भाई राहुल के नामांकन के अवसर पर जोश-ओ-खरोश के साथ उपस्थित थी। यह मान लिया जाये कि भाई के नाते प्रियंका की प्राथमिकता राहुल गांधी थे तो भी प्रियका के रॉबर्ट वाड्रा तो उपस्थित रह ही सकते थे।

जहां तक इंडिया गठबंधन के प्रमुख दल सपा व अन्य के कांग्रेस प्रत्याशी को समर्थन मिलने का सवाल है, हालात बता रहे हैं कि सपा समर्थक खासकर यादव समाज के लोगों का रूझान कांग्रेस प्रत्याशी की तुलना में भाजपा प्रत्याशी की ओर कहीं ज्यादा है।

जिस तरह मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, स्मृति ईरानी के जुलूस से लेकर नामांकन पत्र दाखिल करने के मौके पर उपस्थित रहे और उन्होने पड़ोस के सुल्तानपुर में अपनी सुसराल बताकर अपने को यहां का दामाद बताकर अपना हक जताया। उससे भी यादव विरादरी का अधिकाधिक वोट श्रीमती ईरानी को मिलना ही मिलना है।

यहां यह भी कम गौरतलब नहीं है कि अमेठी के जिन दो सीटों पर सपा विधायकों का कब्जा है उनमें से एक गौरीगंज के सपा विधायक सपा से लगभग प्रत्यक्ष भी न भी सही अप्रत्यक्ष रूप से नाता तोड़ चुके हैं। उनका पूरा परिवार हाल ही में भाजपा में शामिल हो चुका है।

ज्ञात रहे सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह गौरीगंज सीट से लगातार तीन बार चुनाव जीतकर एक रिकार्ड बना चुके हैं। उनका इस सीट के मतदाताओं पर काफी अच्छा प्रभाव माना जाता है। ऐसे में उनके समर्थकों का अधिकाधिक वोट कांग्रेस के श्री शर्मा की बजाय भाजपा की श्रीमती ईरानी को मिलना तय माना जा रहा है। सपा की दूसरी विधान सभा सीट अमेठी पर भी ऐसा ही नजारा दिखने को मिल रहा है। यहां से सपा विधायिका महाराजी देवी का बेटा और बेटी सहित पूरा कुनबा ही श्रीमती ईरानी के पक्ष में चुनाव प्रचार करने में जुटा हुआ है। ज्ञातव्य है महाराजी देवी के पति गायत्री प्रजापति भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते एक अर्से से जेल में बंद है और उन्हे लगता है कि भाजपा की शरण में जाने से उनके पति व परिवार को राहत मिल सकती है। महाराजी देवी प्रजापति ओबीसी से आती हैं और उनकी बिरादरी कुम्हारों के अलावा उनके खास समर्थक मानी जाने वाली जातियों मौर्य, नाई आदि का भी भरपूर समर्थन भाजपा प्रत्याशियों को मिलना तय माना जा रहा है। जानकार सूत्रों का कहना है कि यहां पर यह भी कम काबिलेगौर नहीं है कि जब 2019 में कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी को सपा-बसपा गठबंधन का पूरा समर्थन प्राप्त था तब भी भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी को ओबीसी के 70 फीसदी मतदाताओं का समर्थन हासिल हुआ था और कुर्मी तथा कौरी जाति का तो 80 फ ीसदी से अधिक समर्थन मिला था।

भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में एक और महत्वपूर्ण बात यह बतायी जा रही है और वो है बसपा का सपा से अलग होकर स्वतंत्र चुनाव लड़ना। समझा जा रहा है कि ओबीसी जाति के रवि प्रकाश मौर्य भाजपा व कांग्रेस दोनों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। हालांकि यह तथ्य भी सामने आ रहा है कि बसपा के चलते मुस्लिम व दलित वोटों में बंटवारा तय है। जिसका खामियाजा कांग्रेस को ही भुगतना पड़ेगा।

राम मंदिर बनने के बाद से दलित परिवारों का ज्यादा से ज्यादा समर्थन भाजपा को मिलना सुनिश्चित है। जहां तक मुस्लिम मतों का सवाल है कुछ हद तक मुस्लिम महिलाओं का वोट भी भाजपा प्रत्याशी के खाते में जा सकता है।ुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्मृति ईरानी के समर्थन में अब तक दो-दो बार रैलिया करने से उदासीन मतदाताओं में जोश देखने को मिल रहा है।

उपरोक्त तमाम तथ्यों, हालातों के अलावा स्मृति ईरानी का अमेठी के लोगों के बीच रहकर उनके सुख दुख में शामिल होना और क्षेत्र के उतरोत्तर विकास के लिये हर संभव प्रयास करना उनकी जीत को और पुख्ता बनाता है।अब तो यहां तक दावे किये जाने लगे हैं कि इस बार भाजपा प्रत्याशी स्मृति कम से कम दो लाख वोटों से कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा को पराजित करने में सफल होगी।

रहस्यमयी कमरुनाग झील

भारत का पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश अपने पौराणिक महत्व के साथ-साथ रहस्यों का गढ़ भी माना जाता है। बर्फ की चादर ओढ़े यहां कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनका प्राचीन इतिहास अपने अंदर कई गहरे राज्य समेटे हुए है। यही नहीं यहां के कुछ स्थलों की पहचान तो महाभारत काल से की गई है, वहीं कुछ स्थल अब भी रहस्यमयी बने हुए हैं। इन रहस्यों में छिपे अरबों-खरबों के खजाने के राज। हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है। कमरुनाग झील हिमाचल की प्रमुख झीलों में से एक है। यह मंडी घाटी की तीसरी प्रमुख झील है। इस झील का नाम घाटी के देवता कमरुनाग के नाम पर पड़ा है। जहां जून माह में विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। यूं तो दुनियाभर से लोग हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों को देखने के लिए आते हैं। यहां ऐसे कई खूबसूरत नजारें मौजूद है, जिन्हें देखने के बाद विदेशी क्या देसी लोग भी दीवाने हो जाते हैं। मण्डी से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर रोहांडा के घने जंगलों में स्थित कमरुनाग झील में अरबों का खजाना छुपा है। हालांकि झील के गर्भ से अब तक किसी ने इस खजाने को निकालने की हिम्मत नहीं की। इसका कारण बेहद ही चौंकाने वाला है। दरअसल, यहां एक बहुत ही मशहूर मंदिर है और इसी मंदिर के पास कमरुनाग झील है।

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है।

जून माह में विशेष महत्व

इस स्थल का जून माह में विशेष महत्व है। दरअसल जून के महीने में यहां एक विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। इस खास मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं।

मनोकामना के लिए चढ़ाए जाते हैं हीरे-जवाहरात

कहा जाता है कि जो भी भक्त मंदिर में दर्शन करने आते हैं, वो इस झील में सोने-चांदी के गहने और रुपये-पैसे डालते हैं। दूर-दूर से आए लोग मनोकामना पूरी होने पर झील में करंसी, नोट, हीरे-जवाहरात चढ़ाते हैं। महिलाएं सोने चांदी के जेवर इस झील को अर्पित कर देती हैं। यह झील आभूषणों से भरी है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसी परंपरा के आधार पर यह माना जाता है कि इस झील में अरबों का खजाना है।

भेंट चढ़ाने का भी निश्चित समय

झील में अपने आराध्य के नाम से भेंट चढ़ाने का भी एक शुभ समय है। जब देवता को कलेबा लगेगा अर्थात भोग लगेगा, तब ही झील में भेंट डाली जाती है।

अरबों का खजाना, फिर भी नहीं सुरक्षा का प्रबंध

झील में अरबों की दौलत होने के बावजूद सुरक्षा का कोई प्रबंध नहीं है। लोगों की आस्था है कि कमरुनाग इस खजाने की रक्षा करते हैं। देव कमरुनाग मंडी जिला के सबसे बड़े देव हैं।

फूलों की अनूठी परेड

नीदरलैंड का छोटा-सा कम आबादी वाला शहर है जनडर्ट। यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। ट्यूलिप का मौसम आते ही नीदरलैंड में मानों फूल ही फूल नजर आने लगते हैं। देश का प्रसिद्ध बल्ब फ्लावर सेलिब्रेशन होता है जिसमें हर साल फूलों की परेड निकाली जाती है और यह सिर्फ परेड नहीं होती बल्कि सबसे बेहतर मॉडल तैयार करने का कॉम्पीटिशन भी होता है। यह कॉम्पीटिशन 1936 से ही इसी तरह हर साल आयोजित होती रही है। वैसे तो यह कार्यक्रम सितंबर महीने के फर्स्ट वीक में होता है, लेकिन इसकी तैयारियां मई और जून से ही शुरू हो जाती है। पूरे नीदरलैंड से लोग इसमें हिस्सा लेने तो पहुंचते ही हैं लेकिन जनडर्ट शहर के लोगों के लिए यह किसी फेस्टिवल से कम नहीं होता। इसमें हर एज ग्रुप के लोग चाहे बच्चे हों या बूढ़े, बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

नीदरलैंड का छोटा-सा शहर है जनडर्ट, भले ही यह शहर आकार और आबादी में छोटा हो, लेकिन यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें पूरे देश के आर्टिस्ट अपने मॉडल के साथ परेड करते हैं और जिनका मॉडल सबसे बेहतर होता है उन्हें प्राइज दिया जाता है।

कैसे होती है तैयारियां

- मॉडल्स वायर, कार्डबोर्ड और हजारों डहेलिया फूलों से तैयार किए जाते हैं, जो खासतौर से परेड के लिए उगाए जाते हैं।
- फूलों से जो मॉडल तैयार किए जाते हैं उसकी पहली शर्त होती है कि वो कलरफुल और ब्राइट होने चाहिए। साथ ही जो फूल मॉडल के ऊपर लगाए जाते हैं वो तीन दिन पहले लगाए जाने चाहिए उससे पहले नहीं।
- मॉडल के ऊपर डहेलिया लगाने के काम में हजारों वॉलेंटियर दिन-रात काम करते हैं।
- सबसे बेहतरीन मॉडल चुनने के लिए ज्यूरी होती है जो विनर का नाम सिलेक्ट करती है।

फूल उगाना बुजुर्गों का काम

मॉडल को तैयार करने के लिए अलग-अलग रंगों के सिर्फ डहेलिया फूलों को ही यूज करते हैं। फूलों को उगाने का काम जहां बुजुर्ग करते हैं वहीं यंगस्टर्स मॉडल की डिजाइनिंग और उसके कंसेप्ट पर काम करते हैं। यानी हर उम्र के लोग इस फेस्टिवल का हिस्सा बनते हैं।

एक तरह का छलावा है थ्री डी आर्ट

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे।

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे। जैसे जादू आंखों का धोखा है ठीक वैसे ही थ्री डी आर्ट भी एक तरह का छलावा है। यानी यहां जो जैसा दिखता है वो जरूरी नहीं कि वैसा ही हो। दुनियाभर में आज इस आर्ट को लेकर कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। पेंटिंग, स्कल्पचर, पेपर और अन्य माध्यमों में थ्री डी आर्ट को प्रस्तुत किया जा रहा है। चलो इस दुनिया की सैर करते हैं।

जादू भरी करामात

थ्री डी आर्ट के मामले में असल चीज आर्टिस्ट की कल्पना ही है। इसी पर सारा जादू डिपेंड करता है। असली रंग, पेपर और मूर्तिकला के सामान के साथ ये आर्टिस्ट अनोखा संसार रच डालते हैं। जैसे किसी सड़क के बीच में बहती असली सी नदी या पेपर के एक टुकड़े पर रेंग रहा सांप। इसमें चीजों का एंगल जादू क्रिएट करने का काम करता है। यानी सामान्य पेंटिंग्स को भी कलाकार ऐसे एंगल के साथ प्रस्तुत करते हैं कि वो लाइव और एक्शन में दिखाई देता है। प्रस्तुत हैं ऐसे कुछ आर्टिस्ट-

चॉक से खड़ी तस्वीरें

लियोन कीर एक ऐसे थ्री डी आर्ट के महारथी हैं जो अपनी कला के जरिए लोगों तक पर्यावरण के संरक्षण से लेकर आम जीवन में भी इमोशंस को बनाए रखने का सन्देश पहुंचाते रहते हैं। नीदरलैंड के रहने वाले लिओन देश-विदेश में कई जगह टू डी और थ्री डी स्ट्रीट आर्ट को प्रेजेंट कर चुके हैं। सैनिकों के वेश में बच्चों के खिलौने लेगो सिटी के जैसी भी आकृतियां उन्होंने बनाई जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। चॉक से बनाई गई यह लेगो टेराकोटा आर्मी एक इंटरनेशनल चॉक फेस्टिवल का हिस्सा रही है।

इनकी क्रिएटिविटी ने रचा इतिहास

जोए हिल और मैक्स लॉरी, थ्री डी आर्ट की फील्ड में एक ऐसा नाम बन गए हैं जिनकी पेंटिंग गिनीज बुक में भी शामिल की जा चुकी है। इतिहास रचने वाली ये पेंटिंग सबसे लम्बी और सबसे बड़ी पेंटिंग के तौर पर गिनीज बुक में शामिल हुई। ये दोनों ब्रिटिश आर्टिस्ट पिछले लगभग 10 सालों से इस फील्ड से जुड़े हैं। परियों की कहानियों से लेकर प्रिंस विलियम की शादी, निंजा टर्टल जैसे सुपर कैरेक्टर्स और असली दिखने वाले वॉटरफॉल जैसी कई आकृतियां ये दोनों दुनियाभर में घूम कर रचते रहे हैं। इसके अलावा वो कई सारे एड और मूवी प्रोजेक्ट्स के साथ भी जुड़े हुए हैं।

राजा की परेशानी

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

एक छोटा सा राज्य था। कुल दस-पांच हजार की आबादी रही होगी। जब राज्य था, आबादी थी, तो एक राजा भी था। भले ही छोटा राजा। वैसे भी जब राज्य था, तो सेना, मंत्री, सभासद भी थे। इस राज्य में पहले अदालतें भी थीं। लेकिन वहां का राजा और प्रजा सभी शांतिप्रिय थे। कभी किसी से किसी का लड़ाई-झगड़ा नहीं होता था। इसलिए फिजूलखर्ची समझ अदालतें बंद कर दी गईं। अपने पड़ोसी राज्यों से राजा के बड़े मित्रतापूर्ण संबंध थे। इसलिए सेना के नाम पर केवल सौ-सवा सौ सैनिक थे। किसी के भी पास तलवार-बंदूकें नहीं थीं। सबके हाथ में बस एक बेंत रहती थी। शांति बनाए रखने के लिए इतना काफी था।

एक बार राजा एक विचित्र परेशानी में फंस गया। राज्य में पहली बार एक व्यक्ति किसी के घर में चोरी के लिए घुसा। संयोग से वहां मारपीट हो गई। चोर के हाथों एक व्यक्ति मारा गया। सैनिक चोर को पकड़कर राजा के पास ले गए।

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

अचानक एक मंत्री बोला, महाराज, पड़ोस के राज्य में अदालतें हैं। जरूर वहां इस तरह के मामले आते होंगे। क्यों न इस चोर को दंड के निर्णय के लिए वहीं भेज दिया जाए।

राजा को यह सुझाव जंच गया। चोर को वहां भेजकर पड़ोसी राजा से एक फैसला लेने की प्रार्थना की गई। राजा की परेशानी टल गई। लेकिन दो दिन बाद ही चोर के साथ राजा की परेशानी फिर लौट आई। पहले से बड़ी होकर। वहां की अदालत ने फैसला दिया, 'चूंकि इस चोर ने हत्या की है। इसलिए इसका सिर कलम कर दिया जाए।' अब राजा के यहां कोई जल्लाद नहीं था। सैनिकों से कहा गया, तो उन्होंने साफ जवाब दे दिया, हमने किसी की इस तरह हत्या करना नहीं सीखा है। फिर हम इसके लिए रखे भी नहीं गए हैं। हमारे पास एक तलवार क्या, चाकू तक नहीं है।

राजा ने परेशान होकर फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। कई दिनों तक विचार मंथन हुआ। अंत में सब लोग इस नतीजे पर पहुंचे कि क्यों न इस चोर की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया जाए। राजा की परेशानी फिर टल गई।

मगर राज्य में कोई जेल नहीं थी, जहां सजा पाए अपराधी को रखा जाए। इसलिए एक कोठरी बनवाई गई। चोर को उसमें रखा गया। एक पहरेदार नियुक्त किया गया। वह चोर की निगरानी करता था। राजमहल से उसके लिए भोजन भी ले आता था।

राज्य की आमदनी बहुत मामूली थी। राजा के लिए इस पहरेदार का खर्च उठाना भारी पड़ गया। अब इस परेशानी से कैसे मुक्ति मिले? राजा ने फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। तय हुआ कि पहरेदार को हटा लिया जाए। चोर जहां जाना चाहे जाए। इस मुसीबत से छुटकारा पाने का यही एक उपाय था। अगले दिन चोर की नींद खुली, तो उसने देखा कि वहां पहरेदार नहीं था। दरवाजे भी खुले हुए थे। जब कोई और उसका भोजन लेकर नहीं आया, तो वह स्वयं थाली लेकर राजमहल पहुंच गया। फिर तो उस का रोज का यही काम हो गया। राजभवन से भोजन ले आता। फिर खा-पीकर चैन की नींद सो जाता। इस खर्च से राजा की परेशानी फिर बढ़ गई। उसने चोर को कहलवाया, अब तुम आजाद हो। जहां चाहो, भाग जाओ। कोई कुछ नहीं बोलेगा।

मगर चोर ने जवाब दिया, मैं भागकर अब कहां जाऊं? लोग मुझे देखते ही गालियां देंगे। मुझे मारने दौड़ेंगे। मुझे मौत की सजा क्यों नहीं दी गई?

राजा की परेशानी बढ़ी, तो उसने फिर मंत्रियों से सलाह ली। मंत्रियों ने सोच-विचारकर कहा, महाराज, इस का भोजन-पानी बंद कर दीजिए। भोजन नहीं मिलेगा, तो स्वयं कहीं निकल जाएगा। लेकिन चोर भी जाने को तैयार नहीं हुआ। वह भूखा-प्यासा ही रहने लगा। चोर ने लोगों से गुहार लगाई। वहां के लोगों को लगा कि उस व्यक्ति को इस तरह भूखा रखना तो सचमुच राजा का अन्याय है। उन्होंने राजा से इस बारे में पूछा। राजा ने स्वयं की परेशानी बताई।

बहुत सोच-विचार के बाद लोगों ने राजा से कहा, राजन, एक उपाय है। इस चोर को भोजन देने में आपको कोई आपत्ति नहीं होगी। इसने गैर इरादतन जो हत्या की है, उसका प्रायश्चित भी हो जाएगा। लोग इसका सम्मान भी करेंगे।

वह क्या? राजा ने प्रसन्नता से पूछा।

राजन, पिछले दो साल हमारे यहां अच्छी वर्षा नहीं हुई। इससे मार्गों के किनारे लगे अधिकांश वृक्ष सूख गए। जनता को यात्रा में बड़ा कष्ट होता है। आप इससे मार्गों के किनारे छायादार और फलों वाले वृक्ष लगवाएं। उसके बदले इसे रोजी-रोटी मिलेगी और पूरे राज्य का भला होगा। प्रजा भी इसको यह नेक काम करते देख, गालियां नहीं देगी। इसका आदर करेगी। इसके मन में भी फिर कभी अपराध न करने की भावना पैदा होगी।

राजा और उसका मंत्रिमंडल इस सुझाव से पूरी तरह संतुष्ट हुए। चोर को भी अच्छा लगा। काम मिला, रोटी मिली, लोगों का प्यार मिला। राजा को भी एक बड़ी परेशानी से मुक्ति मिल गई।

नींद और थकावट आने पर ध्यान दें

- गर्मी के दिनों में थोड़ा सा ठंडा पानी पीने से आप जागृत महसूस करेंगे और थकावट दूर हो जाएगी
- जब आपको नींद आए तो अपनी खुराक पर ध्यान जरूर दें

पर्याप्त नींद लेना सेहत के लिए जरूरी है। पर्याप्त न सो पाने या रात भर पार्टी में व्यस्त रहने पर शायद आपको थकावट और नींद आने पर कुछ उपायों की आवश्यकता पड़े। जब आपके शरीर को आराम करने की सख्त जरूरत हो तो अपने आप को जगाए रखना गलत बात है। लेकिन कई बार हमें बहुत आवश्यक कार्य करने होते हैं तो हमें जागना ही पड़ता है चाहे जो भी हो। नींद आने और थकावट महसूस करने पर जागते रहने के लिए सुझाए गए इन उपाय करने पर नींद से उभरा जा सकता है।

पानी ज्यादा पीएं : अगर आपके शरीर में पानी की कमी होगी तो आप ज्यादा थकान महसूस करेंगे। वैसे भी हर दिन पर्याप्त पानी पीना चाहिए लेकिन नींद आने और थकान लगने पर जागते रहने के लिए थोड़ा ज्यादा पानी पीना चाहिए। गर्मी के दिनों में थोड़ा सा ठंडा पानी पीने से आप जागृत महसूस करेंगें और थकावट में ज्यादा चौकन्ने रहेंगे।

सूर्य का प्रकाश : सूर्य का प्रकाश तुरंत और प्रभावशाली रूप से मूड को ठीक करता है। यह विटामिन-डी के उत्पादन को प्रेरित करता है और मौसम के कारण होने वाले मूड में बदलाव से बचाता है। जब आपको नींद आ रही हो तो सूर्यप्रकाश जागते रहने में सहायक है। अपने पदरे को खोलें और सूर्य के प्रकाश को अंदर आने दें।

गहरी-गहरी सांसें लें : सांस लेने की यह विधा जागते रहने में सहायक है। अपनी नाक से सांसों को अंदर-बाहर छोड़ें तथा अपने पेट को डायफ्राम की तरफ खींचें। बेहतर परिणाम के लिए इसे शीघ्रता से करने का प्रयास करें। इसे आप भोजनावकाश में भी कर सकते हैं।

हर 30 मिनट में क्रियाशील हो जाएं : पूरा दिन कंप्यूटर या टीवी के सामने रहने से आप और भी थकान और नींद महसूस करेंगे। जागते रहने के लिए आपके शरीर को क्रियाशील रहने की आवश्यकता होती है। दिन भर कहीं ज्यादा तरोताजा रहने के लिए हर तीस मिनट पर उठकर अपने पैरों को खींचें।

थोड़ी झपकी ले लें : नींद आने और थकावट महसूस करने पर जागते रहने के लिए झपकी लेना सबके लिए नहीं है, लेकिन यह कारगर है। चाहे यह केवल 10 से 15 मिनट की ही हो लेकिन यह चमत्कारी होता है। हलांकि कुछ लोगों को झपकी के बाद और नींद आती है। झपकी के बाद नींद का अहसास दूर होने में 35 मिनट तक का समय लग सकता है।

ताजी हवा : जब आपको नींद आ रही हो तो जागते रहने के लिए ताजी हवा की गहरी सांस की शायद कहीं ज्यादा फायदेमंद होगी। अगर आप काम पर हैं तो खिड़कियों को खोलें या फिर ब्रेक में या भोजनावकाश में बाहर निकलें। अगर आप कार में हैं तो खिड़कियों को खोल कर अंदर की हवा को तरोताजा करें।

थोड़ा टहलें : बैठे रहने से नींद नहीं जाती है। जब आपको नींद आए तो आपके चाहे कितने ही काम पड़े हों थोड़ा टहल कर आएं। यह नींद आने और थकावट महसूस करने पर जागते रहने में बहुत कारगर है। अगर आप काम पर हैं और बहुत दूर जाना मुमकिन न हो तो कुछ पेय बनाएं या फिर अपने सहकर्मी के पास तक जाएं।

सही भोजन चुनें : जब आपको नींद आए तो अपनी खुराक पर ध्यान देना जरूरी हो जाता है। नाश्ते को न छोड़े और दोपहर के भोजन में वसा युक्त भोजन न लें। दिन भर प्रोटीन से भरपूर कुछ हल्का-फुल्का अवश्य लेते रहें और कॉफी तथा अन्य पेय पदार्थों से परहेज करें।

दिल को बल देता है पीपल

पीपल में काफी तकत होती है। ये ऑक्सीजन के साथ-साथ किडनी व दिल के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। पीपल के 15 पत्ते लें जो कोमल गुलाबी कोंपलें न हों, बल्कि पत्ते हरे, कोमल व भली प्रकार विकसित हों। प्रत्येक का ऊपर व नीचे का कुछ भाग कैंची से काटकर अलग कर दें। पत्ते का बीच का भाग पानी से साफ कर लें। इन्हें एक गिलास पानी में धीमी आंच पर पकने दें। जब पानी उबलकर एक तिहाई रह जाए तब ठंडा होने पर साफ कपड़े से छान लें और उसे ठंडे स्थान पर रख दें, दवा तैयार। इस काढ़े की तीन खुराकें बनाकर प्रत्येक तीन घंटे बाद प्रातः लें। हार्ट अटैक के बाद कुछ समय हो जाने के पश्चात लगातार पंद्रह दिन तक इसे लेने से हृदय पुनः स्वस्थ हो जाता है और फिर दिल का दौरा पड़ने की संभावना नहीं रहती। दिल के रोगी इस नुस्खे का एक बार प्रयोग अवश्य करें।

> प्रयोगकाल में तली चीजें, चावल आदि न लें
>
> मांस, मछली, अंडे, शराब, धूम्रपान का प्रयोग बंद कर दें
>
> नमक, चिकनाई का प्रयोग बंद कर दें

1. दिल को ताकत देते हैं ये पत्ते : पीपल के पत्ते में दिल को बल और शांति देने की अद्भुत क्षमता है।

2. किसी समय लेना चाहिए : इस पीपल के काढ़े की तीन खुराकें सवेरे आठ बजे, ग्यारह बजे व दो बजे ली जा सकती हैं।

3. नाश्ता करने के बाद लें खुराक : पीपल खुराक लेने से पहले पेट एक दम खाली नहीं होना चाहिए, बल्कि सुपाच्य व हल्का नाश्ता करने के बाद ही लें।

4. ये चीजें न लें : प्रयोगकाल में तली चीजें, चावल आदि न लें। मांस, मछली, अंडे, शराब, धूम्रपान का प्रयोग बंद कर दें। नमक, चिकनाई का प्रयोग बंद कर दें।

5. कौन सी चीजें लें : अनार, पपीता, आंवला, बथुआ, लहसुन, मैथी दाना, सेब का मुरब्बा, मौसंबी, रात में भिगोए काले चने, किशमिश, गुग्गुल, दही, छाछ आदि लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

हंसी के फूव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा-'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला-'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए!'

▯ ▯ ▯

एक सेठ बीमार पड़ गया.

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा-'मुंशी जी! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार!'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार!'

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

▯ ▯ ▯

रमेश ने महेश से पूछा-'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

महेश-'पागल था वह ?'

रमेश-'वह कैसे ?'

महेश-'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

▯ ▯ ▯

काकुरो पहेली - 4060

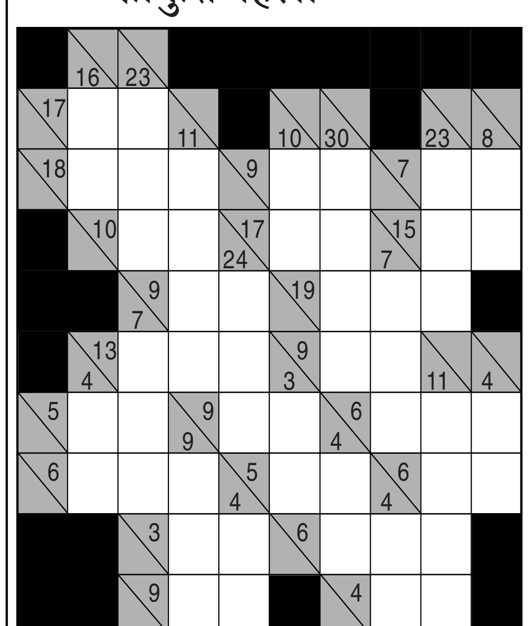

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

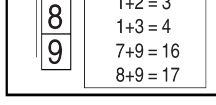

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4060 का हल

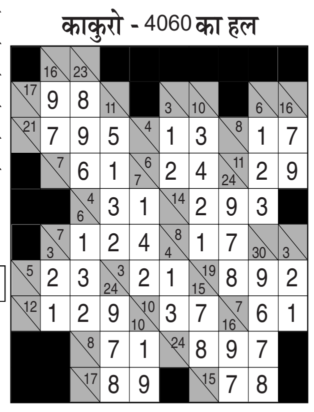

फिल्म वर्ग पहेली- 4060

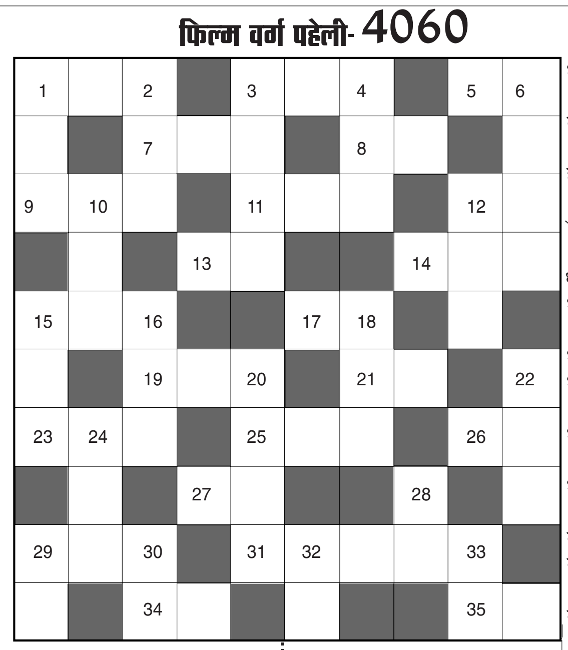

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी ?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५.अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७.गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी ?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९.चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक ?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमुताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१.चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक ?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक ?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका ?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4060

ब्लै	क	मे	ल	■	सौ	दा	ग	र	■
■	र्ज	■	की	म	त	■	द	■	माँ
आं	■	सू	र	■	न	फ	र	त	■
दो	ग	हा	■	खे	■	की	■	नु	■
ल	■	ग	ज	ल	■	ग	जा	जा	नी
न	■	■	मी	■	सं	■	ल	■	य
■	गॅ	वा	र	■	जो	र	■	अं	त
को	■	रि	■	आ	ग	■	जो	श	■
ह	व	स	■	द	■	खु	शी	■	लै
ग	■	■	ज	मी	न	■	ला	ड	ला

सूडोकु -4060

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -696 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	4058		4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली -4060

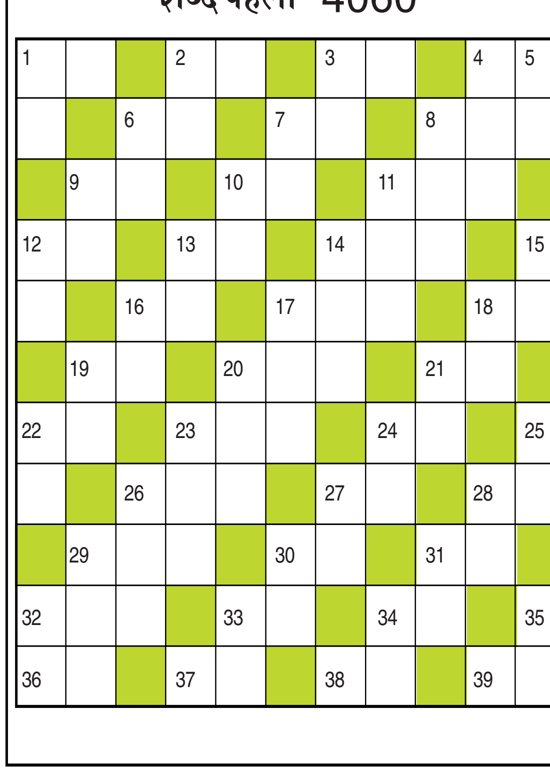

बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली -4060 का हल

ल	ब	■	ब	स	■	धा	गा	■	ह	रा
व	ह	म	■	ब	म	■	ना	ला	■	ह
■	न	म	न	■	जा	न	■	र	मा	■
ना	■	ता	क	त	■	शा	न	■	ता	त
क	मी	■	ल	ल	ना	■	म	न	■	न
■	न	ख	■	वा	च	क	■	ल	क्ष	■
स	■	र	वा	■	ना	म	क	■	मा	दा
खा	द	■	त	र	■	र	ह	न	■	म
■	म	स्त	■	मा	न	■	वा	ह	क	■
दा	■	र	स	■	या	र	■	र	च	ना
स	दा	■	च	क्षु	■	न	भ	■	रा	ल

ममता बनर्जी को कार्तिक महाराज ने भेजा लीगल नोटिस, माफी नहीं मांगने पर होगी कानूनी कार्रवाई

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भारत सेवा आश्रम के संन्यासी कार्तिक महाराज ने उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कानूनी नोटिस भेजा है। अपने अधिवक्ता के जरिए भेजे गए नोटिस में कार्तिक महाराज ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जवाब देने के लिए चार दिनों का समय दिया है और 48 घंटे के भीतर माफी मांगने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर उनके खिलाफ मानहानि का मामला करने की चेतावनी दी है। मुख्यमंत्री को भेजे लीगल नोटिस में कार्तिक महाराज ने कहा है कि उन्होंने जानबूझकर उनके खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और उनकी मानहानि की कोशिश की। वे अगर माफी नहीं मांगती हैं तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। दरअसल मुख्यमंत्री ने कार्तिक महाराज का नाम लेकर कहा था कि वह भाजपा के लिए काम कर रहे हैं और तृणमूल के एजेंट को धमकी दे रहे हैं।

डॉ. जयशंकर ने ईरान के राष्ट्रपति और विदेशमंत्री के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली। विदेशमंत्री डॉ. जयशंकर ने ईरान के राष्ट्रपति और विदेश मंत्री के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने एक्स हैंडल पर जारी शोक संदेश में कहा है कि इस त्रासदी के समय हम ईरान के लोगों के साथ हैं। जयशंकर ने लिखा है, 'हेलिकॉप्टर दुर्घटना में ईरान के राष्ट्रपति डॉ. इब्राहिम राइसी और विदेशमंत्री एच. अमीर-अब्दुल्लाहियन के निधन की खबर सुनकर गहरा सदमा लगा। उनके साथ मेरी कई यादें हैं। दोनों के परिवारों के प्रति हमारी संवेदनाएं। इस त्रासदी के समय हम ईरान के लोगों के साथ खड़े हैं।'

एटीएस ने अहमदाबाद हवाईअड्डे से 4 आतंकी पकड़े

अहमदाबाद। गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने अहमदाबाद हवाईअड्डे से इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सिरिया (आईएसआईएस) के 4 आतंकियों को पकड़ा है। पकड़े गए आतंकी श्रीलंका के निवासी बताए गए हैं। गुजरात या अन्य किसी राज्य में इनके किसी स्लीपर सेल हैं या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। वहीं, सोमवार को आईपीएल की 3 टीमें अहमदाबाद पहुंचेंगी, जिसे लेकर अहमदाबाद हवाईअड्डा को हाई अलर्ट कर दिया गया है। सेंट्रल एजेंसी को श्रीलंका मूल के संदिग्ध लोगों के अहमदाबाद हवाईअड्डा पर पहुंचने का इनपुट मिला था। इसके आधार पर गुजरात एटीएस पहले से सतर्क थी। संदिग्धों के हवाईअड्डा पर उतरने के साथ पकड़ लिया गया। अहमदाबाद एटीएस इन संदिग्धों के आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े होने की बात कह रही है।

अहमदाबाद इंटरनेशनल हवाईअड्डा पिछले लंबे समय से गोल्ड एवं अन्य वस्तुओं की स्मगलिंग की वजह से सेंट्रल एजेंसियों की निगरानी में था। इसी बीच सेंट्रल एजेंसी को आतंकियों के संबंध में जानकारी मिली। यह जानकारी गुजरात एटीएस से साझा करने के बाद गुजरात एटीएस ने हवाईअड्डे पर निगरानी बढ़ा दी थी। वॉच के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति एटीएस की पकड़ में आया। इसकी गिरफ्तार के बाद पूछताछ में अन्य तीन लोगों की जानकारी, उन्हें भी पकड़ लिया गया। एटीएस सूत्रों के अनुसार जिन 4 आरोपितों को पकड़ा गया है, वे सभी आतंकी संगठन आईएसआईएस के आतंकी हैं, जो लंबे समय से सक्रिय थे। सभी मूल रूप से श्रीलंका के निवासी हैं। एटीएस यह पता करने में जुटी है कि इनके अहमदाबाद आने की मूल वजह क्या है, यहां से वे कहां जाने वाले थे। आतंकियों का कुछ मूवमेंट था या अन्य कोई कारण से वे यहां आए थे आदि बातों की जानकारी जुटाई जा रही है।

काशी से कामाख्या तक की तिब्बत मुक्ति यात्रा गुवाहाटी पहुंची

एजेंसी

गुवाहाटी। काशी से कामाख्या तक की तिब्बत मुक्ति यात्रा सोमवार को गुवाहाटी पहुंच गई।भारत-तिब्बत सहयोग संघ के प्रांत सचिव डॉ. अंजनी कुमार मिश्र के नेतृत्व में 15 मई को काशी से प्रारंभ हुई थी।

भारत-तिब्बत सहयोग संघ की ओर से संचालित यह यात्रा आरा, मुजफ्फरपुर, सिलीगुड़ी होते हुए कामाख्या में संपन्न हुई। समापन के अवसर पर डॉ. मिश्र ने कहा कि भारत की सुरक्षा के लिए तिब्बत की आज़ादी जरूरी है। भारत और चीन के बीच तिब्बत एक बफर स्टेट के रूप में काम करता था, जिसके परिणाम स्वरूप भारत को अपनी सीमा सुरक्षा के लिए एक पैसा भी खर्च नहीं करना पड़ता था। दूसरी ओर भारत से चीन की सीमा मिल जाने के बाद भारत को काफी पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं।

यात्रा में राजस्थान से आये विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी रामानंद पाठक ने कहा कि तिब्बत पर चीन का कब्जा हो जाने के बाद से भारतवासियों को अपने ही आराध्य का दर्शन करने के लिए कैलाश मानसरोवर की यात्रा करने के लिए बीजा और पासपोर्ट की आवश्यकता पड़ रही है। अतः किसी भी कीमत पर तिब्बत की मुक्ति जरूरी है, ताकि हम बिना किसी अवरोध के कैलाश मानसरोवर की यात्रा कर सके।

यात्रा में काशी से आये प्रतिनिधि मंडल के सदस्य डॉ. प्रतिमा मिश्रा, सूरुचि प्रिया एवं कृष्ण प्रिया ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस पांच दिवसीय यात्रा के दौरान यात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

'औरंगजेब की आत्मा को जीवित नहीं होने देगी बीजेपी'

सीएम योगी बोले- जब भी दो लड़कों की जोड़ी मिलती है तो कोई न कोई...

एजेंसी

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि इंडिया गठबंधन एक चेतावनी संकेत है और पुष्टि करता है कि सत्तारूढ़ दल मुगल सम्राट औरंगजेब की आत्मा को जीवित नहीं होने देगा। जौनपुर लोकसभा क्षेत्र से मैदान में उतरे भाजपा उम्मीदवार कृपाशंकर सिंह के समर्थन में जौनपुर के शाहगंज के पट्टी नरेंद्रपुर में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा, रामलला ने तीसरी बार अपने भक्त (पीएम मोदी) को सत्ता सौंपने का फैसला किया है।÷ आदित्यनाथ ने कहा कि इस चुनाव में दो धाराएं स्पष्ट हो चुकी हैं, एक रामभक्तों, राष्ट्र भक्तों, विकास की है तो दूसरी राम द्रोहियों, भारत विरोधियों, गरीब कल्याण विरोधियों की है जो आतंकवाद को पनपने देते हैं और देश के साथ गद्दारी करते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा, ''जब भी कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) का गठबंधन होता है, जब भी दो लड़कों की जोड़ी मिलती है तो कोई न कोई अनर्थ करने के लिए मिलती है।'' नेशनल इंटरमीडिएट कॉलेज पट्टी नरेंद्रपुर में योगी आदित्यनाथ ने कहा

कि भाजपा विधायक और सांसद जिले में जरूरी विकास लाएंगे और दुनिया जौनपुर आएगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनकी सरकार राज्य से माफिया का खात्मा करके रहेगी। यूपी के सीएम ने पिछड़ों, अनुसूचित जातियों और जनजातियों के आरक्षण अधिकारों की रक्षा करने की कसम खाई। साथ ही उन्होंने चल रहे विकासात्मक पहलों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने वाराणसी में अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल के उद्घाटन सहित यूपी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जौनपुर में मेडिकल कॉलेज और शाहगंज में एथेनॉल संयंत्र की स्थापना पर ध्यान केंद्रित किया।

योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की पूर्ववर्ती सपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ''इस पूरे प्रयागराज क्षेत्र में जिन लोगों ने वसूली के केंद्र खोले थे, गरीबों की जमीनों पर कब्जा कर रहे थे, बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए जो खतरा बने हुए थे, वे अब मिट्टी में मिल गए हैं।'' उन्होंने कहा, ''इससे प्रदेश ही नहीं पूरा देश खुश है लेकिन सपा के यहां मातम है। उनको न आपकी और न प्रदेश की चिंता नहीं थी। उनको अपनी राजनीति की चिंता थी। सपा और कांग्रेस के लोग देश की कीमत पर राजनीति करना चाहते हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''पहले गरीबों की कल्याणकारी योजनाएं ये माफिया डकार जाते थे और गरीब को राशन नहीं मिलता था। गरीब का मकान सपा के गुंडे हड़प लेते थे।''

पंचकेदारों में प्रतिष्ठित द्वितीय केदार भगवान मद्महेश्वर के कपाट विधि-विधान से खुले

एजेंसी

उखीमठ (रुद्रप्रयाग)। पंचकेदारों में प्रतिष्ठित द्वितीय केदार भगवान मद्महेश्वर के कपाट आज सोमवार पूर्वाह्न 11.15 बजे विधि-विधान से खुल गये हैं। इस अवसर पर साढ़े तीन सौ से अधिक श्रद्धालु मौजूद रहे।

कपाट खुलने की प्रक्रिया श्री मद्महेश्वर की देवडोली के पहुंचने के बाद आज प्रातः दस बजे पूर्वाह्न शुरू हुई। ठीक पूर्वाह्न सवा ग्यारह बजे पुजारी टी गंगाधर लिंग ने पूजा-अर्चना पश्चात बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति अधिकारियों, हक-हकूक धारियों की उपस्थिति में विधि-विधान से मद्महेश्वर मंदिर के कपाट खोल दिये। इसके पश्चात भगवान मद्महेश्वर के स्वयंभू शिवलिंग को समाधि रूप अलग कर निर्वाण रूप और उसके पश्चात श्रृंगार रूप दिया गया तत्पश्चात श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। कपाट खुलने के लिए पुष्प सेवा समिति ऋषिकेश की ओर से मंदिर को भव्य रूप से फूलों से

सजाया गया था। इस अवसर पर आचार्य वदपाठीं मंदिर समिति अधिकारीं- कर्मचारी एवं हकहकूकधारी मौजूद रहे।

कपाट खुलने पर बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति अध्यक्ष (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने अपने संदेश में शुभकामनाएं में कहा कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान श्री मदमहेश्वर के दर्शन के लिए पहुंचेंगे। बीकेटीसी उपाध्यक्ष किशोर पंवार और मुख्य कार्याधिकारी योगेंद्र सिंह ने मद्महेश्वर यात्रा शुरू होने पर प्रसन्नता जताई है। उन्होंने बताया कि पर्याप्त यात्रा तैयारियां की गयी है।

आज प्रातः ही श्री मद्महेश्वर की उत्सव डोली गौंडार गांव से मदहेश्वर पहुंची थी। जबकि बीते कल 19 मई को द्वितीय केदार मदमहेश्वर की देवडोली अन्य देव निशानों के साथ राकेश्वरी मंदिर रांसी से गौंडार गांव रात्रि विश्राम को प्रस्थान हुई थी। कपाट खुलने के अवसर पर पुजारी टी गंगाधर लिंग,देवरा प्रभारी यदुवीर पुष्पवान, ग्राम प्रधान वीर सिंह पंवार, देवानंद गैरोला, डोली प्रभारी मनीष तिवारी, अवर सहायक दीपक पंवार सहित वन विभाग के कर्मचारी सहित रांसी पंच गौंडार के हकहकूकधारी मौजूद रहे।

बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि मंदिर समिति के सेवादार व हक-हकूकधारी देवडोली के साथ चल रहे हैं और पैदल चलकर देवडोली आज प्रातः सोमवार सुबह को मदमहेश्वर धाम पहुंची। आज 20 मई पूर्वाह्न 11.15 बजे(सवा ग्यारह बजे) श्री मद्महेश्वर के कपाट शीत काल के दर्शनार्थ खुल गये।

जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय महासचिवों के साथ की बैठक, वोटिंग और बचे हुए दो चरणों की सीटों पर चुनावी रणनीति को लेकर की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। पांचवें चरण के मतदान के बीच भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को पार्टी के राष्ट्रीय महासचिवों संग बैठक कर मतदान के प्रतिशत और पैटर्न के अनुमान के साथ ही बचे हुए दो चरणों की लोकसभा सीटों पर चुनावी रणनीति, एजेंडे, मुद्दे और तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की।बताया जा रहा है कि बैठक में आगामी दो चरणों के चुनाव वाली सीटों पर होने वाले दिग्गज नेताओं के चुनावी कार्यक्रम और दौरे को लेकर चर्चा की गई। बैठक में मीडिया और सोशल मीडिया के हिसाब से चुनावी रणनीति को लेकर भी चर्चा हुई। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय में हुई बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष, राष्ट्रीय संयुक्त संगठन महासचिव शिव प्रकाश, राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल, तरुण चुग, अरुण सिंह, दुष्यंत गौतम, राधामोहन दास अग्रवाल और बी. संजय कुमार के अलावा केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी और आईटी सेल के राष्ट्रीय हेड अमित मालवीय भी मौजूद रहे। बता दें कि लोकसभा चुनाव के पहले चरण के तहत 19 अप्रैल को 102 सीट, दूसरे चरण के तहत 26 अप्रैल को 88 सीट, तीसरे चरण के तहत 7 मई को 93 सीट और चौथे चरण के तहत 13 मई को 96 सीटों पर यानी कुल मिलाकर 379 सीटों पर चुनाव हो चुके हैं।

खटारा इंजन कहने वाले अखिलेश यादव को जनता देगी करारा जवाब : साध्वी निरंजन ज्योति

एजेंसी

हमीरपुर। केन्द्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने सोमवार को यहां हमीरपुर शहर आई और पांचवें चरण के मतदान में वोट देकर आम लोगों से मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने अखिलेश यादव पर तीखा हमला कर कहा कि वह सरकार को खटारा इंजन कहकर बदलने की बात कही है, आज जनता उन्हें वोट की ताकत से करारा जवाब देगी।

केन्द्रीय राज्यमंत्री साध्वीं निरंजन ज्योति फतेहपुर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में है। वह हमीरपुर जिले के पत्योरा गांव की रहने वाली है। आज साध्वीं हमीरपुर आकर मतदान में हिस्सा लिया। विद्यामंदिर इंटरकालेज में वोट देने के बाद उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव और राहुल गांधी के गठबंधन का हाल पिछले चुनाव की तरह ही होगा। कहा कि अखिलेश ने उन्हें खटारा इंजन कहकर बड़ी टिप्पणी की, जिसका जवाब आज जनता देगी। कहा कि देश में फिर से भाजपा की सरकार बनेगी।राज्यसभा सांसद बाबूराम

निषाद ने भी राजकीय इंटरकालेज में मतदान करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते कहा कि एकतरफा चुनाव है। जनता ही चुनाव लड़ रही है। इसीलिए इस बार भी भाजपा की केन्द्र में तीसरी बार सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। जनता विपक्ष को पिछले चुनाव में नकार चुकी है। संसदीय क्षेत्र में अब तापमान बढ़ने के कारण पोलिंग बूथों पर अब मतदाता कम संख्या में पहुंच रहे हैं, जबकि सड़कों पर सन्नाटा भी पसरने लगा है। अभी तक संसदीय क्षेत्र में 28.24 फीसदी मतदान हो चुका है।

इनमें हमीरपुर सदर विधानसभा क्षेत्र में 28.45, राठ विधानसभा क्षेत्र में 28.88, महोबा विधानसभा क्षेत्र में 28.7, चरखारी विधानसभा क्षेत्र में 27.35 व तिंदवारी विधानसभा क्षेत्र में 27.69 फीसदी मतदान हो गया है।

दिग्विजय सिंह का दावा- 'भारतीय गुट मजबूती से खड़ा है'

एजेंसी

पटना। कांग्रेस नेता, दिग्विजय सिंह ने दावा किया कि भारत ब्लॉक मजबूती से खड़ा है और युवा, दलित और किसान बड़ी संख्या में भाजपा के खिलाफ खड़े होने और विरोध करने के लिए सामने आए हैं। सिंह ने सोमवार को पटना में एएनआई को बताया, 'मैंने उत्तर प्रदेश में देखा है। भारतीय ब्लॉक मजबूती से खड़ा है। और युवा, दलित, गरीब और किसान बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं और भाजपा का विरोध कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी मिलकर चुनाव लड़ रही हैं. समझौते के अनुसार, कांग्रेस 17 सीटों पर जबकि सपा 63 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

गृह मंत्री अमित शाह द्वारा चार चरणों के मतदान में अब तक 270 सीटें हासिल करने और बाद के चरणों में 400 से अधिक सीटें पार करने का दावा करने पर, कांग्रेस के दिग्गज नेता ने कहा, अमित शाह जी....मुझे नहीं पता कि यह जुमला है या सच्चाई लेकिन उन्होंने बार-बार जुमला शब्द का इस्तेमाल किया है। तुष्टीकरण की राजनीति के आरोपों पर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, वे (भाजपा) झूठ बोल रहे हैं। आपने (मीडिया) ने (कांग्रेस) चुनाव घोषणापत्र पढ़ा होगा। आप काफी पढ़े-लिखे हैं। 1980 और 90 के दशक की शुरुआत में संसद में राजगढ़ का प्रतिनिधित्व करने वाले दिग्विजय सिंह 2024 के लोकसभा चुनावों में तीन दशकों के बाद अपने गृह क्षेत्र में लौट रहे हैं, जिसे वे अपना अंतिम चुनाव कहते हैं। 2024 के आम चुनाव में उनका मुकाबला बीजेपी के रोडमल नागर से है. मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव चार चरणों में कराए गए। पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को हुआ था, दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल को हुआ था, तीसरे चरण का मतदान 7 मई को हुआ था और चौथे चरण का मतदान 13 मई को संपन्न हुआ था। 29 लोकसभा क्षेत्रों के साथ, मध्य प्रदेश सभी राज्यों में छठे स्थान पर है। निचले सदन में इसके प्रतिनिधित्व के संदर्भ में। इनमें से 10 सीटें एससी और एसटी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं, जबकि शेष 19 अनारक्षित हैं।

चल रहे लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण के लिए छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) में फैले 49 संसदीय क्षेत्रों में मतदान जारी है। सुरक्षा एवं व्यवस्था. लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में हो रहे हैं। मतगणना 4 जून को होनी है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है, जबकि विपक्षी भारत गुट सत्ता हासिल करने का लक्ष्य बना रहा है।

'राहुल गांधी वापस जाओ', कांग्रेस नेता के विरोध में लगे नारे

एजेंसी

रायबरेली। सोमवार सुबह रायबरेली पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'राहुल गांधी वापस जाओ, राहुल गांधी मुर्दाबाद और जय श्री राम के नारे' लगाए। दरअसल, राहुल गांधी चुरुआ मंदिर के पास बूथ निरीक्षण करने रायबरेली पहुंचे थे। इस दौरान उन्हें भाजपा कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। इससे पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को रायबरेली के हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। उसके बाद उन्होंने कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।रायबरेली सीट पर भाजपा ने राहुल गांधी के खिलाफ दिनेश प्रताप सिंह को उम्मीदवार बनाया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की स्मृति ईरानी से मिली हार के बाद कांग्रेस ने राहुल गांधी को अमेठी के बजाए रायबरेली से चुनावी मैदान में उतारा है, जबकि अमेठी से गांधी परिवार के विश्वासपात्र किशोरी लाल शर्मा पर दांव लगाया गया है। राहुल गांधी को

अमेठी के बजाए रायबरेली से चुनावी मैदान में उतारे जाने को लेकर बीजेपी ने तंज कसा था। बीजेपी ने कांग्रेस के इस कदम को राहुल द्वारा स्मृति ईरानी के डर जाने के रूप में रेखांकित किया। सियासी विश्लेषक राहुल गांधी द्वारा अमेठी के बजाए रायबरेली से चुनाव लड़ने के कदम को राजनीतिक दृष्टि से उनके लिए अहितकर बता रहे हैं। रायबरेली राहुल की मां सोनिया गांधी का गढ़ रहा है, लेकिन अब वो राज्यसभा सांसद बन चुकी हैं। ऐसे में इस सीट से राहुल को चुनावी मैदान में उतारा गया है। राहुल रायबरेली के साथ-साथ वायनाड से भी चुनाव लड़ रहे हैं। उनके इस कदम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते दिनों तंज भी कसा था। उन्होंने कहा था कि वायनाड की जनता अब राहुल के दोहरे चरित्र से वाकिफ हो चुकी है।

पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ राज्यों के लिए गंभीर लू का रेड अलर्टः आईएमडी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पंजाब और हरियाणा राज्यों और राजधानी चंडीगढ़ के लिए गंभीर हीटवेव रेड अलर्ट की चेतावनी जारी की है । यह चेतावनी पूरे उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान बढ़ने के बीच आई है , आईएमडी ने अगले पांच दिनों में लू से गंभीर लू की स्थिति जारी रहने की भविष्यवाणी की है । इस बीच, आईएमडी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अगले 5 दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में हीटवेव और उत्तरी मध्य प्रदेश और गुजरात राज्य में हीटवेव की स्थिति जारी रहने की संभावना है । आईएमडी के अनुसार , रविवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात और उत्तरी मध्य प्रदेश में छिटपुट घटनाओं के साथ, हरियाणा - चंडीगढ़ - दिल्ली के कई हिस्सों में गंभीर गर्मी की स्थिति देखी गई है। एजेंसी ने पंजाब , हरियाणा - चंडीगढ़ -दिल्ली और राजस्थान के कई हिस्सों में आसन्न लू से लेकर

गंभीर लू चलने की भी चेतावनी दी है। 23 मई, 2024 को उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ के कुछ स्थानों पर हीटवेव की स्थिति होने की भी संभावना है। इससे पहले, आईएमडी ने रविवार को भीषण गर्मी से तत्काल राहत की कोई संभावना नहीं जताई थी। दिल्ली में रेड अलर्ट जारी कर जानकारी दी है कि तापमान 28 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है.

आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक नरेश कुमार ने कहा कि मौजूदा स्थिति अगले सप्ताह तक बनी रहेगी. आम तौर पर, मई को सबसे गर्म महीना माना जाता है। यदि उत्तर भारत में वर्षा की कोई गतिविधि नहीं होती है, तो तापमान सामान्य रूप से 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है। अनुमान है कि यह स्थिति अगले सप्ताह तक बनी रहेगी। यह स्थिति अगले 5 दिनों तक जारी रहेगी। राजस्थान, पंजाब और हरियाणा में हमने रेड अलर्ट जारी किया है। अगले 3-4 दिनों तक यूपी में हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी। हमने क्षेत्र के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले 4-5 दिनों के लिए हिमाचल प्रदेश के कई जिलों के लिए लू की चेतावनी भी जारी की है। शिमला में मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले 4 से 5 दिनों तक हिमाचल प्रदेश के ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, सोलन, सिरमौर, कांगड़ा और शिमला जिलों में अलग-अलग इलाकों में गर्मी की लहर जारी रहने की संभावना है। ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, सोलन (नालागढ़, बद्दी, परवाणू), सिरमौर (धौलाकुआं, पांवटा साहिब) और कांगड़ा (गग्गल, नूपुर, इंदौरा, फतेहपुर, देहरा) जिलों में भी भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है। जसवान) और आसपास के क्षेत्र, आईएमडी ने कहा। आईएमडी ने आगे कहा कि इस अवधि के दौरान राज्य में औसत अधिकतम तापमान 2 से 3 डिग्री तक बढ़ने और सामान्य से काफी ऊपर रहने की संभावना है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भाजपा पर कसा तंज

ऊना। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी सतपाल रायजादा के पक्ष में शनिवार को जहां प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने जिला बिलासपुर के जगतखाना में वोट मांगे। वहीं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने जिला ऊना के हरोली विधानसभा क्षेत्र में युवा आक्रोश रैली निकालकर अपना एक-एक वोट उपमुख्यमंत्री के नाम पर देने की बात कही। दोनों की कार्यक्रम में काफी काफी जनसैलाब उमड़ा। कांग्रेस प्रत्याशी सतपाल रायजादा जहां सुबह जिला बिलासपुर के जगतखाना में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के साथ रहे। वहीं इसके बाद जिला कांगड़ा के देहरां विधानसभा क्षेत्र के जलरियां, सकरी व लाहपुर में बैठकें की। जगतखाना में आयोजित जनसभा के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि जनता ने चार बार अनुराग ठाकुर को हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद बनाकर भेजा। लेकिन अनुराग ठाकुर ने अपने संसदीय क्षेत्र की जनता का ध्यान रखने की बजाय कॉर्पोरेट जगत से हाथ मिलाने में ही व्यस्त रहे। सुक्खू ने कहा कि सतपाल रायजादा सच्चा कांग्रेस और जमीन से जुड़े हुए नेता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि अगर जनता रायजादा को अपना वोट देकर संसद भेजती है, तो सतपाल रायजादा स्थानीय जनता की आशाओं पर खरा उतरेंगे। सतपाल रायजादा ने कहा कि हिंदूस्तान को आजाद करवाने के लिए कांग्रेस ने अपनी अहम भूमिका अदा की थी। अब देश में भाजपा ने भी कुछ ऐसा ही माहौल बना दिया है, जिससे जनता को निजात दिलवाने के लिए कांग्रेस पार्टी जनबल से धनबल के साथ मुकाबला कर रही है।

आम आदमी पार्टी अहंकारी और केजरीवाल बन गए हैं नौटंकीवाल: शिवराज

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उत्तर-पूर्व दिल्ली लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी मनोज तिवारी, उत्तर-पश्चिम दिल्ली से उम्मीदवार योगेन्द्र चंदोलिया और पश्चिमी दिल्ली लोकसभा से प्रत्याशी कमलजीत शेरावत के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी केवल मां-बहन-बेटियों को अपमानित करने का काम करती है। केजरीवाल ने दिल्ली वालों को अच्छी सड़कें नहीं दी, पीने का पानी नहीं दिया, यमुना जी का शुद्धिकरण नहीं किया, केवल शराब की नदियां बहाई, शराब घोटाला किया, एक पर एक बोतल फ्री दी, दिल्ली को डुबाने का महापाप अरविंद केजरीवाल ने किया है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आम आदमी पार्टी अहंकारी पार्टी बन गई है। केजरीवाल अहंकार से भरे व्यक्ति हैं। उनको ये जवाब तो देना चाहिए कि अगर कोई, महिला जो उन्हीं की पार्टी की राज्यसभा सदस्य हैं, आपसे कुछ पूछती है। आप अहंकार में उनसे ही बात करने से इनकार कर देते हैं। आपके लोग एक बेटी, एक बहन के साथ दुर्व्यवहार करते हैं ये आश्चर्यचकित कर देने वाली घटना है। दुर्व्यवहार भी केवल शब्दों में नहीं बल्कि पिटाई जैसी चीजें भी होती है। महिला का अपमान भारतीय संस्कृति और संस्कारों में नहीं है। यह वो भारत है, जहां एक द्रौपदी का अपमान हुआ था तो महाभारत हो गई थी और दुर्व्यवहार करने वालों का वंश सहित विनाश हो गया था। न आप बचेंगे और न ही आपकी पार्टी बचेगी। केजरीवाल ईमानदारी का चोला पहन के राजनीति में आए और सबसे बड़े बेईमान हो गए। आप में धूर्तता की पराकाष्ठा है। इसलिए आपका भला नहीं होने वाला, यह अहंकार और बेईमानी आपको ले डूबेगी। पूर्व मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि केजरीवाल अब नौटंकीवाल बन गए हैं। आम आदमी पार्टी की नौटंकी देखिए कि झगड़ा उनके घर, परिवार का और प्रदर्शन करने हमारे यहां आ रहे हैं। हमने दुर्गा सप्तशती में पढ़ा है कि, रक्त बीज था, युद्ध में जहां-जहां उसका खून गिरता था उस खून की एक बूंद से और एक रक्त बीज राक्षस पैदा हो जाया करता था। वह रक्त बीज थे, लेकिन अरविंद केजरीवाल तो भ्रष्ट बीज हैं, जहां-जहां उनकी पार्टी जीतती है वहां-वहां भ्रष्टाचार का तंत्र ही खड़ा हो जाता है। इन्होंने भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। ईमानदारी की सौगंध खाने वाला सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी निकला। शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि सोनिया गांधी अधेड़ उम्र के राहुल गांधी को रायबरेली की जनता को सौंप रही हैं। कांग्रेस आज वोट देने के लायक नहीं बची है, लेकिन मैडम सोनिया गांधी रायबरेली की जनता से कहती है कि मैं अपना बेटा सौंप रही हूं। राहुल गांधी की उम्र 54 साल हैं लेकिन मैडम सोनिया ऐसे कह रही हैं जैसे 3-4 साल का दूधमुंहा बच्चा हो। इसका मतलब है कि सोनिया को ही राहुल पर भरोसा नहीं है कि वो रायबरेली सीट से जीत हासिल करेंगे।

हिरण्यकशिपु का शासन इतना कठोर था कि देव-दानव सभी उसके भय से उसके चरणों की वंदना करते रहते थे। भगवान की पूजा करने वालों को हिरण्यकशिपु कठोर दंड देता था। उसके शासन से सब लोक और लोकपाल घबरा गए। जब उन्हें और कोई सहारा न मिला तब वे भगवान की प्रार्थना करने लगे। देवताओं की स्तुति से प्रसन्न होकर नारायण ने हिरण्यकशिपु के वध का आश्वासन दिया।

शक्ति और पराक्रम के देव नृसिंह

नृसिंहावतार

नृसिंह अवतार भगवान विष्णु के प्रमुख अवतारों में से एक है। नृसिंह अवतार में भगवान विष्णु ने आधा मनुष्य व आधा शेर का शरीर धारण करके दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध किया था।

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को नृसिंह जयंती के रूप में मनाया जाता है। भगवान श्री नृसिंह शक्ति तथा पराक्रम के प्रमुख देवता हैं, पौराणिक मान्यता एवं धार्मिक ग्रंथों के अनुसार इसी तिथि को भगवान विष्णु ने नृसिंह अवतार लेकर दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध किया था। नृसिंह जयंती का व्रत वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को किया जाता है। इसी पावन दिवस पर भक्त प्रहलाद की रक्षा करने के लिए भगवान विष्णु ने नृसिंह रूप में अवतार लिया तथा दैत्यों का अंत कर धर्म की रक्षा की। अतः इस कारणवश यह दिन भगवान नृसिंह की जयंती रूप में बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ संपूर्ण भारत वर्ष में मनाया जाता है।

कथा

नृसिंह अवतार भगवान विष्णु के प्रमुख अवतारों में से एक है। नृसिंह अवतार में भगवान विष्णु ने आधा मनुष्य व आधा शेर का शरीर धारण करके दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध किया था। प्राचीन काल में कश्यप नामक ऋषि हुए, उनकी पत्नी का नाम दिति था। उनके दो पुत्र हुए, जिनमें से एक का नाम हिरण्याक्ष तथा दूसरे का हिरण्यकशिपु था। हिरण्याक्ष को भगवान श्री विष्णु ने पृथ्वी की रक्षा हेतु वाराह रूप में मार दिया था। अपने भाई की मृत्यु का प्रतिशोध लेने के लिए हिरण्यकशिपु ने सहस्त्रों वर्षों तक कठोर तप किया, ब्रह्माजी ने उसे अजेय होने का वरदान दिया। वरदान प्राप्त करके उसने स्वर्ग पर अधिकार कर लिया और स्वतः संपूर्ण लोकों का अधिपति हो गया। अहंकार से युक्त वह प्रजा पर अत्याचार करने लगा। इसी दौरान हिरण्यकशिपु की पत्नी कयाधु ने एक पुत्र को जन्म दिया, जिसका नाम प्रह्लाद रखा गया। प्रह्लाद भगवान नारायण का भक्त था। भगवान भक्ति से प्रह्लाद का मन हटाने के लिए हिरण्यकशिपु ने बहुत प्रयास किए, किंतु प्रह्लाद अपने मार्ग से विचलित न हुआ। इन बातों से क्षुब्ध हिरण्यकशिपु ने उसे अपनी बहन होलिका की गोद में बैठाकर जिंदा ही जलाने का प्रयास किया। होलिका को वरदान था कि अग्नि उसे नहीं जला सकती, परंतु जब प्रह्लाद को होलिका की गोद में बिठा कर अग्नि में डाला गया, तो उसमें होलिका तो जलकर राख हो गई, किंतु प्रह्लाद का बाल भी बांका नहीं हुआ। इस घटना को देखकर हिरण्यकशिपु क्रोध से भर गया, तब एक दिन हिरण्यकशिपु ने प्रह्लाद से पूछा- बता, तेरा भगवान कहां है? इस पर प्रह्लाद ने विनम्र भाव से कहा कि प्रभु तो सर्वत्र हैं, हर जगह व्याप्त हैं। क्रोधित हिरण्यकशिपु ने कहा कि क्या तेरा भगवान इस स्तंभ (खंभे) में भी है? प्रह्लाद ने हां में उत्तर दिया। यह सुनकर क्रोधांध हिरण्यकशिपु ने खंभे पर प्रहार कर दिया, तभी खंभे को चीरकर श्री नृसिंह भगवान प्रकट हो गए और हिरण्यकशिपु को पकड़कर अपनी जांघों पर रखकर उसकी छाती को नखों से फाड़ डाला और उसका वध कर दिया। श्री नृसिंह ने प्रह्लाद की भक्ति से प्रसन्न होकर उसे वरदान दिया कि आज के दिन जो भी मेरा व्रत करेगा, वह समस्त सुखों का भागी होगा एवं पापों से मुक्त होकर परमधाम को प्राप्त होगा। अतः इस कारण से इस दिन को नृसिंह जयंती उत्सव के रूप में मनाई जाती है।

भगवान नृसिंह जयंती पूजा

नृसिंह जयंती के दिन व्रत-उपवास एवं पूजा-अर्चना की जाती है। इस दिन प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत्त होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करने चाहिए तथा भगवान नृसिंह की विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना करें। भगवान नृसिंह तथा लक्ष्मीजी की मूर्ति स्थापित करनी चाहिए। तत्पश्चात वेदमंत्रों से इनकी प्राण-प्रतिष्ठा कर षोड्शोपचार से पूजन करना चाहिए। भगवान नृसिंह जी की पूजा के लिए फल, पुष्प, पंचमेवा, कुमकुम केसर, नारियल, अक्षत व पीतांबर रखें। गंगाजल, काले तिल, पञ्चगव्य व हवन सामग्री का पूजन में उपयोग करें। पूजा पश्चात एकांत में कुश के आसन पर बैठकर रुद्राक्ष की माला से इस नृसिंह भगवान जी के मंत्र का जप करना चाहिए। इस दिन व्रती को सामर्थ्य अनुसार तिल, स्वर्ण तथा वस्त्रादि का दान देना चाहिए। इस व्रत को करने वाला व्यक्ति लौकिक दुःखों से मुक्त हो जाता है। भगवान नृसिंह अपने भक्त की रक्षा करते हैं व उसकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

नृसिंह मंत्र : ॐ उग्रं वीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम् ।
नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्यु मृत्युं नमाम्यहम् ।।
ॐ नृम नृम नृम नर सिंहाय नमः ।

इन मंत्रों का जाप करने से समस्त दुखों का निवारण होता है तथा भगवान नृसिंह की कृपा प्राप्त होती है।

भगवान श्री राम चंद्र जी का कार्य पूरा करने के लिए हुआ था

हनुमान जी का जन्म

राक्षसों के राजा रावण की राजधानी लंका चारों ओर समुद्र से घिरी हुई थी। वहां का दुर्ग (किला) भी बहुत विशाल और सुदृढ़ था। उसके चारों ओर हर समय बलवान राक्षसों का पहरा लगा रहता था। इस किले के चारों ओर बनाई हुई अत्यंत गहरी खाई अभेद्य कवच की तरह इसकी सुरक्षा करती थी, जिसे पार करना अत्यंत दुष्कर था। इसी किले के भीतर एक वाटिका थी, जिसे 'अशोकवाटिका' कहते थे। रावण ने माता सीता जी का हरण करके उन्हें इसी वाटिका में बन्दिनी बना रखा था तथा उनके आसपास चारों ओर भयानक राक्षसियों को पहरे पर बिठा रखा था। ऐसी स्थिति में किसी का भी सीता जी के पास पहुंच सकना एकदम असंभव-जैसा था। सबसे बड़ी समस्या समुद्र को पार करने की थी। इसकी चौड़ाई सौ योजन (800 मील) थी। बिना इसको पार किए किसी के लिए भी लंका पहुंचना असंभव था। सब लोग इस समस्या को लेकर बहुत ही चिंतित थे। अंगद ने सभी मुख्य-मुख्य सेनापतियों से समुद्र पार करने के विषय में अपनी-अपनी शक्ति तथा बल का परिचय देने को कहा। अंगद की बातें सुनकर वानरवीर गज ने कहा, ''मैं दस योजना की छलांग लगा सकता हूं।''

गवाक्ष ने बीस योजन तक जाने की बात कही। शरभ ने अपनी क्षमता तीस योजन तक बताई। वानर श्रेष्ठ ऋषभ ने कहा, ''मैं चालीस योजन की छलांग लगा सकता हूं।''

गन्धमादन नामक परम तेजस्वी वानर ने एक छलांग में पचास योजन तक चले जाने की बात बताई। मैन्द ने बताया कि वह एक छलांग में साठ योजन तक जा सकते हैं। परम बलशाली वानर राज द्विविद ने कहा, ''मैं एक छलांग में सत्तर योजन तक की दूरी पार कर सकता हूं।'' वानर श्रेष्ठ सुषेण ने एक छलांग में अस्सी योजन लांघ जाने की बात कही।

सब की बातें सुनकर भालुओं के सेनापति जाम्बवान् ने कहा, ''अब मैं बहुत बूढ़ा हो चला हूं। मुझमें पहले-जैसा बल नहीं रह गया है लेकिन मैं एक छलांग में नब्बे योजन तक चला जाऊंगा। इसमें संदेह नहीं है।''

अंगद ने कहा, ''मैं एक छलांग में इस सौ योजन चौड़े समुद्र को पार कर जाऊंगा। लेकिन लौटते समय भी मुझमें इतनी ही शक्ति रह पाएगी। इस बात को लेकर मेरे मन में संदेह है।'' अंगद की बातें सुनकर जाम्बवान् ने कहा, ''बालिपुत्र अंगद! तुम युवराज और सबके स्वामी हो। तुम्हें किसी प्रकार भी कहीं भेजा नहीं जा सकता।''

अंत में वृद्ध जाम्बवान् ने हनुमान जी को देखा। वह उस समय चुपचाप एक किनारे शान्त बैठे हुए थे। जाम्बवान् ने कहा, ''वीरवर हनुमान! तुम इस तरह चुप्पी साधकर क्यों बैठे हो? तुम पवन देवता के पुत्र हो। उन्हीं के समान बलवान हो। तुम बल, बुद्धि, विवेकशील में सर्वश्रेष्ठ हो। तुम्हारी समता करने वाला तीनों लोकों में कोई दूसरा नहीं है। बालपन में ही तुमने ऐसे-ऐसे अद्भुत कार्य किए हैं, जो दूसरों के लिए असंभव हैं। लंका जाकर भगवान श्री राम चंद्र जी का संदेश माता सीता जी तक पहुंचाने के लिए मैं तुमसे अधिक योग्य किसी को नहीं समझता हूं। इस सौ योजन चौड़े समुद्र को लांघ जाना तुम्हारे लिए कौन-सी बड़ी बात है? तुम्हारा तो जन्म ही भगवान श्री राम चंद्र जी का कार्य पूरा करने के लिए हुआ है?''

वास्तु

रसोई में रखें वास्तु का ध्यान परिवार पर पड़ेगा सकारात्मक प्रभाव

अगर रसोईघर अनुकूल दिशा में न हो या उसके अंदर कोई वास्तुदोष लग गया हो तो निम्न सुझावों के द्वारा वास्तु दोषों को दूर किया जा सकता है-

- अगर घर की रसोई सही दिशा में न हो तो गैस-चूल्हा अग्नि दिशा में स्थापित करें।
- खाना पकाते समय गृहिणी अपना मुंह पूर्व दिशा में रखे तथा रसोई के अंदर तुलसी का पौधा स्थापित करें। वाश बेसिन चूल्हे के पास न बनाएं।
- अगर वाश बेसिन चूल्हे के पास है तो रसोई के बर्तन रसोई की अग्नि ठंडी होने के बाद साफ करें।
- गैस सिलैंडर हमेशा दक्षिण दिशा में स्थापित करें। अगर दक्षिण में स्थान नहीं तो उसे पश्चिम दिशा में स्थापित किया जा सकता है।
- अगर रसोई दक्षिण दिशा में है तो गृहिणी जहां खड़े होकर खाना तैयार करती है उसके ऊपर पिरामिड लगाना उत्तम माना जाता है।
- घर के अंदर तैयार खाने व पकवान को उत्तर या पूर्व दिशा में रखें।
- रसोईघर के अंदर भूल कर भी पूजा का स्थल या देव स्थान या पितृ स्थान आदि न बनाएं। ऐसा करने से घर के प्रत्येक कार्य में बाधा आती है तथा सफलता कम मिलती है।
- खाना तैयार होने के बाद या खाना पकाने के समय घर के भोजन पाने वाले लोगों को रसोईघर के अंदर बैठ कर भोजन नहीं करना चाहिए।
- घर की रसोई अनुकूल न होने पर उसके अंदर दक्षिण दिशा की ओर एक बल्ब स्थापित करें तथा उसको निरंतर रात्रि तथा भोजन तैयार करने के बाद जलने दें। लगाया गया बल्ब 50 वाट से अधिक बड़ा नहीं होना चाहिए।
- खाना तैयार करते समय गृहिणी को काले या लाल रंग के चप्पल, जूते आदि का प्रयोग नहीं करना चाहिए क्योंकि काले रंग को अग्नि का कुचालक माना जाता है तथा लाल रंग को अग्नि का स्रोत माना जाता है जिससे स्वास्थ्य खराब होने की पूर्ण संभावनाएं बढ़ जाती हैं।
- रसोई के अंदर पूर्व में स्थापित खिड़की व रोशनदान आदि को खाना तैयार करते समय खोल कर रखना चाहिए।
- गृहिणी को रसोई तैयार करते समय प्रसन्न रहना अति आवश्यक है। तनाव या मानसिक दुविधा की स्थिति में खाना तैयार करने से परिवार के लोगों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा तथा सभी चिंतित रहेंगे।

भीतर के अंधेरे से कैसे लड़ें?

ध्यान की कुदाली से अज्ञान की पर्त को काटें। सत्य समझ में आने लगेगा।

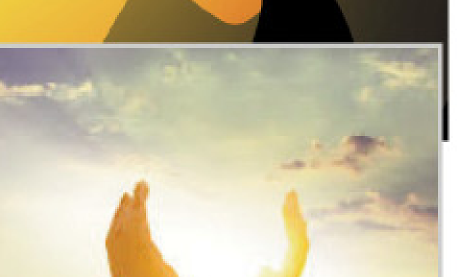

भारतीय धर्म-दर्शन कहता है कि अगर आप सत्य का दीदार करना चाहते हैं, तो अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ें। भीतर के 'ज्ञानदीप' को जलाकर मीरा ने सत्य का दीदार किया था। यह विलक्षण दीप है, जिसमें कभी न घटने वाला प्रेम का तेल है और कभी न बुझने वाली दिव्य मन की बाती।

भीतर वासना की काली बदली छाई हुई है। ज्ञान की ज्योति उसके नीचे सिमटकर रह गई है। थोड़ा ध्यान जगे-प्रेम जगे तो यह बदली छंटने लगेगी, ज्ञान की रश्मियां अन्तर्मन को प्रकाशित कर देंगी और सत्य जगमगाने लगेगा। भीतर-बाहर शुद्धि के लिए गोस्वामी तुलसीदास ने 'ज्ञानदीप' की महिमा का बखान किया है। आचार्य शंकर कहते हैं कि देह के भीतर तीन तस्कर- काम, क्रोध और लोभ- ज्ञानरूपी मणि का अपहरण करने के लिए घात लगाए बैठे हैं। ज्ञान का दीप बुझते ही वे सद्गुणों का अपहरण कर लेते हैं और मनुष्य पतन के गर्त में गिर जाता है।

भगवान बुद्ध की देशना है- 'अप्प दीपो भव'। यानी अपना दीया स्वयं बनो और भव-बंधन से मुक्त हो जाओ। जैसे सूर्यास्त कभी नहीं होता वैसे ज्ञानदीप कभी नहीं बुझता। अज्ञान का पर्दा उठाएं, ज्ञान का सूर्य चमकने लगेगा। प्रकृति ने जुगनू के पंखों में रोशनी का उपहार दिया है। फिर भी वह अमावस के अंधेरे में अपनी मंजिल को लेकर चिंतित है। उसे बोध नहीं है कि यदि वह पंख खोलेगा, तो उसकी रोशनी तिमिर को चीरकर रख देगी। साहस के साथ उड़ान भरें और तम से लड़ने का संकल्प लें। मनुष्य को 'विस्मृति-रोग' हो गया है। वह जानता ही नहीं कि वह साक्षात 'ज्ञानदीप' है।

ध्यान की कुदाली से अज्ञान की पर्त को काटें। सत्य समझ में आने लगेगा। आज हमारा मानसिक संघर्ष बाहरी अंधेरे से जूझने का नहीं है। उससे तो सूर्य और दीपक सभी लड़ रहे हैं। भीतर के अंधेरे से कैसे लड़ें? एक नन्हा दीपक अपने निर्माता इंसान को आश्वस्त करता है कि यदि आप अंधेरे से लड़ना चाहते हैं तो अंधेरे से यारी निभाना छोड़ दें। सभ्यता की दुनिया की चकाचौंध में अंधेरा हमारा साथ छोड़ता ही नहीं। रोशनी बाहर से लानी पड़ती है, अंधेरा भीतर बना रहता है। कोई धर्म या अध्यात्म के नाम पर तो कोई राजनीति या समाजसेवा के नाम पर पसरे अंधकार को रोशनी बता रहा है। ये छली लोग हैं, जो रोशनी के नाम पर अंधकार का खेल खेल रहे हैं। यदि हम ऐसे खेल में शिरकत नहीं करते तो अंधेरा कम जरूर होगा।

एडमंड लालरिंदिका : पापपूर्ण शिष्टता के साथ राष्ट्रीय शिविर में नया ग्रीनहॉर्न

एजेंसी

भुवनेश्वर। एडमंड लालरिंदिका बाईं ओर से आगे बढ़े, अनिरुद्ध थापा की कड़ी चुनौती को झटक दिया और गुरप्रीत सिंह संधू की पोस्ट के पास बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाया जैसे कि यह नहीं है बड़ी बात है और वह हर शाम ऐसा करता है। यह उनका पहला वरिष्ठ राष्ट्रीय टीम शिविर है लेकिन ऐसा लगता है कि वह वर्षों से टीम का हिस्सा रहे हैं। ऐसा अक्सर नहीं देखा जाता कि पहली बार खेलने वाले खिलाड़ी में घबराहट, पूरा ध्यान और ऐसा आत्मविश्वास झलकता हो। 'यह वास्तव में बहुत अच्छा रहा है। मुझे देश के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण लेने में बहुत मजा आता है,' 25 वर्षीय खिलाड़ी ने एक सप्ताह तक भुवनेश्वर में भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करने के बाद कहा।

यह सीनियर टीम के साथ लालरिंदिका की पहली यात्रा हो सकती है, लेकिन वह भारत की जर्सी के लिए कोई अजनबी नहीं हैं। उन्होंने इसे पहली बार 2013 ਙ੍ਙ 16 चैंपियनशिप में पहना था और नेपाल में खिताब जीता था। फॉरवर्ड बाद में 2014 एएफसी यू16 चैंपियनशिप क्वालीफायर, 2017 सैफ यू18 चैंपियनशिप और 2018 सैफ यू19 चैंपियनशिप क्वालीफायर का हिस्सा था। जैसे, ऐसे कुछ खिलाड़ी हैं जिनके साथ उन्होंने एक दशक से अधिक समय तक खेला है, जिससे उन्हें शिविर में घर जैसा महसूस हुआ। लेकिन वह युवा स्तर और वरिष्ठ स्तर पर अपने देश के लिए खेलने के बीच के भारी अंतर को समझते हैं।

'भारत को मौसम की स्थिति का आदी होना चाहिए...' वेस्टइंडीज, अमेरिका में टी20 विश्व कप पर सुरेश रैना

रायपुर। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने रविवार को विश्वास जताया कि 'मेन इन ब्ल' 1 जून से वेस्टइंडीज और यूएसए में आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप के दौरान अच्छा प्रदर्शन करेगा। हालाँकि, उन्होंने आगाह किया कि उन्हें जितनी जल्दी हो सके 'ड्रॉप-इन पिचों' और वहां की मौसम की स्थिति से अभ्यस्त हो जाना चाहिए। टी20 विश्व कप 1 जून से शुरू होगा और 29 जून तक संयुक्त राज्य अमेरिका और कैरेबियाई स्थानों में खेला जाएगा।

छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के छत्तीसगढ़ प्रीमियर लीग (सीपीएल) के एक कार्यक्रम में मीडिया से बात करते हुए, जो जून में होगा। रैना ने कहा, 'टीम संतुलित है. रोहित शर्मा कप्तान हैं. विराट कोहली अच्छी फॉर्म में हैं और सूर्यकुमार यादव अच्छे टच में हैं. दो बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जा रहे हैं, जो पावरप्ले में गेंदबाजी कर सकते हैं. अक्षर पटेल और रवींद्र जाडेजा जा रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'हालांकि, वहां मैच सुबह 10:00 बजे होते हैं। विकेट भी गिरे हुए होते हैं। टीम को जल्द से जल्द इन विकेटों और परिस्थितियों से अभ्यस्त हो जाना चाहिए।' उप-कप्तान हार्दिक पंड्या के आईपीएल में खराब फॉर्म पर रैना ने कहा, 'उन्होंने (भारत के लिए) वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। अस्थायी खराब फॉर्म किसी को बुरा नहीं बनाता है। जब वह विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो सभी को इसकी जानकारी होगी। उसकी प्रशंसा करेंगे।'

एम्मा रादुकानु फ्रेंच ओपन क्वालीफाइंग से बाहर हो गईं

नई दिल्ली। एम्मा रादुकानु फ्रेंच ओपन क्वालीफाइंग से बाहर हो गईं पूर्व ब्रिटिश नंबर 1 एम्मा रादुकानु ने प्रतियोगिता की शुरुआत की पूर्व संध्या पर फ्रेंच ओपन के क्वालीफाइंग इवेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। पूर्व ब्रिटिश नंबर 1 एम्मा रादुकानु ने प्रतियोगिता की शुरुआत की पूर्व संध्या पर फ्रेंच ओपन के क्वालीफाइंग इवेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। 21 वर्षीया ने अपने फैसले के पीछे कोई कारण नहीं बताया है। 2021 यूएस ओपन चैंपियन राडुकानु को क्ले-कोर्ट ग्रैंड स्लैम के लिए वाइल्ड कार्ड एंट्री नहीं दी गई थी। पिछले महीने मैड्रिड ओपन में अर्जेंटीना की क्वालीफायर मारिया लूर्डेस कार्ले के खिलाफ पहले दौर का मैच हारने के बाद से राडुकानु ने किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया है। हालांकि, मैच के बाद राडुकानु ने कहा था कि वह मानसिक और भावनात्मक रूप से थक गई हैं। बीबीसी ने राडुकानु के हवाले से कहा, 'मैं कहूंगा कि पिछले कुछ सप्ताह बहुत अच्छे रहे हैं। मुझे लगता है कि आज के प्रदर्शन से यह स्पष्ट था कि मानसिक और भावनात्मक रूप से मैं थक गया था। उन्होंने आगे कहा, मैं आगे बढ़ने की कोशिश कर रही थी, और मैं आज आगे बढ़ने में असमर्थ थी। मुझे लगता है कि खेल बहुत क्रूर है। पिछले साल कलाई और टखने के ऑपरेशन के बाद वापसी करने के बाद वर्तमान में वह डब्ल्यूटीए एकल रैंकिंग में 212वें स्थान पर हैं।

टी20 वर्ल्ड कपः द्रविड़-रोहित कॉम्बो के आखिरी सफर में उतर सकती है टीम इंडिया!

मुंबई। भारत के कोच-कप्तान राहुल द्रविड़ और रोहित शर्मा का संयोजन पिछले दो वर्षों में अपनी तीसरी आईसीसी विश्व कप प्रतियोगिता के लिए पूरी तरह तैयार है, जो निश्चित रूप से उनका अंतिम प्रमुख कार्यक्रम होगा जब मेन-इन-ब्लू संयुक्त राज्य अमेरिका और कैरेबियन में उतरेंगे। 1 जून से शुरू होने वाले ICC पुरुष T20 विश्व कप 2024 के लिए।द्रविड़ द्वारा पद पर बने रहने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाने के कारण, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पुरुष टीम के लिए एक नए मुख्य कोच की तलाश कर रहा है और इस प्रकार आगामी टी20 विश्व कप 2024 कोच और कप्तान के रूप में उनका आखिरी आयोजन होगा।भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के मन में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या द्रविड़ और रोहित टी20 विश्व कप 2024 में भारत को खिताब दिला पाएंगे।

एथलेटिक्स जेरूसलम ग्रैंड स्लैम में रोमानिया ने जीते 3 स्वर्ण पदक

एजेंसी

जेरूसलम। रोमानिया ने रविवार को गिवत राम स्टेडियम में आयोजित एथलेटिक्स जेरूसलम ग्रैंड स्लैम में तीन स्वर्ण पदक जीते। इस प्रतियोगिता में 24 टीमों ने भाग लिया। महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में रोमानिया की मारिया मिहालचे 11.64 सेकंड के समय के साथ पहले स्थान पर रहीं, वह दूसरे स्थान पर रहीं इज़राइल की अलीना ड्रुटमैन से केवल दो-सौवें सेकंड से आगे रहीं। रोमानिया ने महिलाओं की ट्रिपल जंप में भी स्वर्ण पदक हासिल किया, डायना आयन ने 14.07 मीटर की छलांग लगाकर लिथुआनिया की डोविल किल्टी से सिर्फ एक सेंटीमीटर आगे रहकर स्वर्ण पदक जीता।

रोमानिया का तीसरा स्वर्ण महिलाओं की 2,000 मीटर स्टीपलचेज़ में आया, जिसमें स्टेला रुट्टो 6ः14.76 मिनट के साथ पहले स्थान पर रहीं। यूरोपीय अंडर-23 चैंपियन, इज़राइल के ब्लेसिंग अफ़रीफ़ा ने पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में 20.47 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके हमवतन योनाथन कपिटोलनिक ने 2.15 मीटर की दूरी तय करके ऊंची कूद प्रतियोगिता जीती।

पुर्तगाल के कार्लोस नैसिमेंटो ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ 10.30 सेकंड में जीती, वे डच धावक तैमिर बर्नेट से आगे रहे, जिन्होंने 10.41 सेकंड में दौड़ पूरी की। तीसरे स्थान पर रहे लातविया के रॉबर्ट्स जेनिस ज़ालिटिस ने 10.48 सेकंड में दौड़ पूरी की।

पुरुषों की स्पर्धाओं में अन्य स्वर्ण पदक विजेताओं में, स्पेन के डैनियल सिस्नेरोस (110 मीटर बाधा दौड़ में 13.63 सेकंड के समय के साथ), हंगरी के बालाज़्स विन्डिक्स (800 मीटर दौड़ में 1:48.75 मिनट के साथ), साइप्रस के अपोस्टोलोस पारेलिस (डिस्कस थ्रो में 62.11 मीटर) और लंबी कूद में सर्बिया की स्ट्राहिंजा जोवांसेविक (7.87 मीटर की छलांग के साथ) रहे। महिलाओं में, पॉलीन लेट ने 100 मीटर बाधा दौड़ में 13.07 सेकंड के समय के साथ फ्रांस के लिए स्वर्ण पदक जीता, ग्रीस की ग्नफाकी दिमित्रा ने 400 मीटर बाधा दौड़ में 57.91 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, चेक एथलीट निकोल ताबाकोवा ने भाला फेंक स्पर्धा में 58.15 मीटर की दूरी के साथ, और इटली की स्टेफ़ानिया स्ट्रुमिलो ने डिस्कस थ्रो में 56.52 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता।

आईपीएल 2024: क्वालीफायर 1 में हैदराबाद का सामना केकेआर से

एजेंसी

नई दिल्ली। गुवाहाटी में खेला जाने वाला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 का आखिरी लीग मैच रविवार रात बारिश की भेंट चढ़ गया और मेजबान राजस्थान रॉयल्स और लीग टॉपर्स केकेआर ने एक-एक अंक बांट लिया। बारिश निर्धारित टॉस के समय से ठीक पहले हुई और लगभग तीन घंटे बाद रुकी।

सात ओवरों के मुकाबले में केकेआर ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया, लेकिन बारिश फिर आ गई, जिसके कारण मैच रद्द करना पड़ा। जिसके परिणामस्वरूप, सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने 17 अंकों और राजस्थान रॉयल्स से बेहतर नेटरन रेट के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। अब वे 21 मई को अहमदाबाद में क्वालीफायर 1 में लीग लीडर केकेआर से भिड़ेंगे। तीसरे स्थान पर रहने वाली राजस्थान की टीम 22 मई को अहमदाबाद में एलिमिनेटर में आत्मविश्वास से भरपूर आरसीबी के खिलाफ उतरेगी।

टी-20 सीरीज में सर्वाधिक छक्के लगाने वाली टीम बनी हैदराबाद, आरसीबी को छोड़ा पीछे

एजेंसी

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को पीछे छोड़ते हुए एक ही टी20 सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली टीम बन गई। हैदराबाद ने रविवार शाम पंजाब किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के 69वें मैच में यह उपलब्धि हासिल की। अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन की जोरदार पारियों के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने रविवार को यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ पांच गेंद शेष रहते 215 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

हैदराबाद ने मैच में कुल 14 छक्के लगाए, जिससे मौजूदा संस्करण में उनके छक्कों की संख्या 160 हो गई, जबकि दूसरी ओर, फाफ डु प्लेसिस की अगुवाई वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम के नाम कुल 157 छक्के हैं। टी20 सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के

लगाने वाली सूची में अन्य टीमें चेन्नई सुपर किंग्स (आईपीएल 2018 में 145), सरे (टी20 ब्लास्ट 2023 में 144) और कोलकाता नाइट राइडर्स (आईपीएल 2019 में 143) हैं। इस मैच में, एसआरएच ने मौजूदा आईपीएल 2024 में अपने नाम एक और रिकॉर्ड दर्ज किया। हैदराबाद स्थित फ्रेंचाइजी ने एकल आईपीएल संस्करण में सबसे अधिक छह बार 200 से अधिक का स्कोर बनाने के रिकॉर्ड की बराबरी की। इसके पहले कोलकाता नाइट राइडर्स, मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने भी 6-6 बार 200 के स्कोर को छुआ है।

मैच की बात करें तो पीबीकेएस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। प्रभसिमरन सिंह (45 गेंदों में सात चौकों और चार छक्कों की मदद से 71 रन) का जोरदार अर्धशतक और रिले रोसौव (24 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 49 रन) और अथर्व ताइदे (27 गेंदों में 46 रन, पांच चौके और दो छक्के) की आतिशी पारियों की बदौलत पंजाब ने अपने 20 ओवरों में 5 विकेट पर 214 रन का स्कोर खड़ा किया।

बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की शुरुआत खराब रही और ट्रैविस हेड बिना किसी स्कोर के चलते बने, लेकिन इसके बाद अभिषेक शर्मा (28 गेंदों में 66 रन, पांच चौकों और छह छक्के), नीतीश कुमार रेड्डी (25 गेंदों में 37 रन, एक चौका और तीन छक्का), और हेनरिक क्लासेन (26 गेंदों में 42 रन, तीन चौके और दो छक्के) ने आतिशी पारी खेलकर 19.1 ओवर में 6 विकेट पर 215 रन बनाकर जीत हासिल कर ली।

अभिषेक शर्मा अपने तेज अर्धशतक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच रहे। आठ जीत, पांच हार और एक मैच में बिना किसी नतीजे के 17 अंकों के साथ हैदराबाद अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है। पीबीकेएस पांच जीत, नौ हार और 10 अंकों के साथ नौवें स्थान पर है।

नाटकीय स्टंपिंग में कमिंस की भूमिका का हुआ खुलासा

नई दिल्ली। टेस्ट के सीज़न तीन में कैरी द्वारा बेयरस्टो की नाटकीय स्टंपिंग में कमिंस की भूमिका का खुलासा हुआ पिछले साल लॉर्ड्स में दूसरे एशेज टेस्ट में विकेटकीपर एलेक्स कैरी द्वारा इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो की नाटकीय स्टंपिंग में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस की भूमिका का खुलासा द टेस्ट डॉक्यूमेंट्री के तीसरे सीज़न में किया गया है। पिछले साल लॉर्ड्स में दूसरे एशेज टेस्ट में विकेटकीपर एलेक्स कैरी द्वारा इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो की नाटकीय स्टंपिंग में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस की भूमिका का खुलासा द टेस्ट डॉक्यूमेंट्री के तीसरे सीज़न में किया गया है। लॉर्ड्स टेस्ट के पांचवें दिन, बेयरस्टो 10 रन पर थे और 52वें ओवर में इंग्लैंड का स्कोर 193/5 था, जब उन्होंने कैमरून ग्रीन के बाउंसर को चकमा दिया और अनजाने में अपनी क्रीज से बाहर चले गए। यह देखकर, कैरी ने डिलीवरी को पकड़ने के बाद तुरंत अंडरआर्म थ्रो का निर्देशन किया और स्टंप की ओर सटीक थ्रो करने के बाद खुशी से उछल पड़े।

ट्राई सीरीज में एक रन से जीता आयरलैंड

एजेंसी

नई दिल्ली। नीदरलैंड में आयोजित टी20आई ट्राई सीरीज के दूसरे मैच में आयरलैंड ने आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत दर्ज की। मेजबान नीदरलैंड को आखिरी गेंद पर जीत के लिए तीन रन बनाने थे, लेकिन आडयर ने मात्र एक रन देकर आयरलैंड की जीत सुनिश्चित कर दी।

टॉस जीतकर नीदरलैंड ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। आयरलैंड की तरफ से बालबर्नी और कप्तान स्टार्लिंग ने पहले विकेट लिए 19 रन जोड़े। दोनों सलामी बल्लेबाज 11-11 रन बनाकर आउट हुए। टकर ने 40 की पारी खेली। हैरी टेक्टर अपना खाता तक नहीं खोल पाए। मार्क अडायर ने खेली 49 रन की पारी

डेलानी ने 19 रन का योगदान दिया। अंत में 24 गेंद पर मार्क अडायर ने 49 रन की पारी खेल टीम का स्कोर 150 तक पहुंच दिया। टिम प्रिंगल

ने तीन विकेट चटकाए। दोराम और वैन मीकेरेन को 2-2 विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड के सलामी बल्लेबाज माइकल लेविट और मैक्स 'ओ' डाड ने पहले विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी की। टिम प्रिंगल की पारी न आई काम

लेविट 19 रन बनाकर आउट हुए तो मैक्स ने 33 रन की पारी खेली। विक्रमजीत सिंह ने 1 रन का योगदान दिया। बास डी लीडे ने 32 रन की बनाए। कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने 12 रन का योगदान दिया।

अंत में गेंदबाज टिम प्रिंगल ने 13 गेंद पर नाबाद 35 रन की पारी खेली। हालांकि, वह टीम को जीत नहीं दिला सके और नीदरलैंड ने 1 रन से मैच गंवा दिया। फिओन को तीन और कैम्फर और मार्क अडायर को 2-2 विकेट मिले।

लेडीज यूरोपियन जर्मन मास्टर्स में बढ़त है बनी हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। तवेसा के शानदार 67 रन से लेडीज यूरोपियन टूर पर जर्मन मास्टर्स में उनकी बढ़त बनी हुई है तवेसा मलिक ने अमुंडी जर्मन मास्टर्स के तीसरे दौर में 5-अंडर 67 के शानदार दौर में प्रवेश किया, जो एलईटी पर लगभग चार वर्षों में उनका सर्वश्रेष्ठ दौर था, हालांकि फरवरी में दक्षिण अफ्रीका में उनका स्कोर 65 था। इस राउंड के साथ, वह एक राउंड बाकी रहते हुए टी-55 से टी-21 पर पहुंच गई। तवेसा मलिक ने अमुंडी जर्मन मास्टर्स के तीसरे दौर में 5-अंडर 67 के शानदार दौर में प्रवेश किया, जो एलईटी पर लगभग चार वर्षों में उनका सर्वश्रेष्ठ दौर था, हालांकि फरवरी में दक्षिण अफ्रीका में उनका स्कोर 65 था। इस राउंड के साथ, वह एक राउंड बाकी रहते हुए टी-55 से टी-21 पर पहुंच गई। भारत की महिला प्रो टूर पर कई बार की विजेता त्वेसा ने इस साल फरवरी में सुपरस्पोर्ट लेडीज़ चैलेंज में दक्षिण अफ्रीका में सनशाइन लेडीज़ टूर पर अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय जीत दर्ज की। कट हासिल करने वाली अन्य दो भारतीय प्रणवी उर्स (71) और दीक्षा डागर (73) टी-31 और टी-43 थीं।

मैनचेस्टर सिटी ने रचा इतिहास, लगातार चौथा प्रीमियर लीग खिताब जीता

एजेंसी

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी ने रविवार को वेस्ट हैम यूनाइटेड को 3-1 से हराकर लगातार चौथा प्रीमियर लीग खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। मैनचेस्टर सिटी ने मैच में आक्रामक शुरुआत की और केवल 79वें सेंकेड में ही फिल फोडेन ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद 18वें मिनट में फोडेन ने जेरेमी डोकू के क्रॉस को गोल पोस्ट में डालकर बढ़त को दोगुना कर दिया।

हालाँकि, मोहम्मद कुदुस ने हाफटाइम से ठीक पहले (42वें मिनट) में गोल कर वेस्ट हैम का खाता खोल दिया। हाफ टाइम तक मैनचेस्टर सिटी 2-1 से आगे थी। मैच के 59वें मिनट में रोड्री ने गोल कर मैनचेस्टर सिटी को 3-1 से आगे कर दिया और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। इसके साथ ही मैनचेस्टर सिटी ने लगातार चौथी बार प्रीमियर लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। फोडेन को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया, जिसमें उन्होंने अपनी टीम के लिए दो गोल किए। मैच के बाद स्काई स्पोर्ट्स के हवाले से फोडेन ने कहा, सिर्फ मैं ही नहीं, सभी लड़कों ने महत्वपूर्ण प्रदर्शन किया है। हमने इस परिदृश्य को खेला है। हम आश्वस्त थे। ये एहसास कभी पुराना नहीं होगा। मैं हमेशा यह जीत का एहसास चाहता हूँ। बता दें कि कोच पेप गार्डियोला के कमान संभालने के बाद से मैनचेस्टर सिटी ने अपनी 17वीं ट्रॉफी और यूईएफए यूरोपीय सुपर कप और फीफा क्लब विश्व कप जीतने के बाद इस सीज़न की तीसरी ट्रॉफी जीती।

प्रीति, निशाद कुमार, दीप्ति और रवि रोंगाली ने पेरिस पैरालिंपिक 2024 कोटा हासिल किया

एजेंसी

कोबे। भारतीय पैरा-एथलीट प्रीति पाल, निशाद कुमार, दीप्ति जीवनजी और रवि रोंगाली ने कोबे पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2024 के तीसरे दिन रविवार को पेरिस पैरालिंपिक 2024 कोटा हासिल किया। . भारत की प्रीति पाल ने महिलाओं की 200 मीटर टी35 श्रेणी में कांस्य पदक जीता, जिससे तीसरे दिन के बाद भारत के पदकों की संख्या 2 हो गई।

इससे पहले, टोक्यो 2020 पैरालिंपिक रजत पदक विजेता, निशाद कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी47 फाइनल में 1.99 मीटर के अविश्वसनीय सीज़न-सर्वश्रेष्ठ निशान के साथ रजत पदक जीता। इसके अतिरिक्त, 1.90 मीटर के अपने सीज़न के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ राम पाल छठे स्थान पर रहे। दीप्ति जीवनजी ने 56.18 सेकंड के समय के साथ एक नया एशियाई रिकॉर्ड स्थापित करते हुए महिलाओं की 400 मीटर टी20 हीट के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।खेलो इंडिया के पैरा एथलीट रवि रोंगाली ने पुरुषों के शॉटपुट ਙ40 में 9.75 मीटर के थ्रो के साथ भारत के लिए पेरिस पैरालिंपिक 2024 कोटा हासिल किया, और इस इवेंट में छठे स्थान पर रहे।

39वीं ऑल असम ताइक्वांडो चैंपियनशिप शुरू, राज्य की 39 टीमें ले रही हैं हिस्सा

एजेंसी

गुवाहाटी। 39वीं अंतर-जिला ताइक्वांडो चैंपियनशिप आरजी बरुवा स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट के देशभक्त तरुण राम फुकन इंडोर स्टेडियम में शुरू हुई। इस टूर्नामेंट का उद्घाटन असम विधानसभा के वरिष्ठ विधायकों में से एक व असम ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष बोलिन चेतिया ने किया। इसमें राज्य की 39 टीमों के लगभग 1200 एथलीटों ने भाग लिया।

टूर्नामेंट के उद्घाटन मौके पर विधायक चेतिया ने कहा कि ताइक्वांडो असम के सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक है। उन्होंने कहा कि डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व वाली असम सरकार की खेल नीति के तहत गोवा राष्ट्रीय खेलों में पदक विजेताओं को रोजगार देने से असम के एथलीटों को ताइक्वांडो पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

यह प्रतियोगिता पुरुष एवं महिला कैडेट, जूनियर एवं सीनियर वर्ग में आयोजित की जा रही है। किरोगी और पुमसे दोनों श्रेणियों में भाग लेने वाली टीमों में असम पुलिस स्पॉट कंट्रोल बोर्ड, बजाली, बाक्सा, बरपेटा, बिश्वनाथ, बोकाखात, बंगाईगांव, कछार, चाराईदेव, चिरांग, दरंग, धनश्री, धेमाजी, धुबड़ी, डिब्रूगढ़, डिमा-हसाओ, ग्वालपाड़ा, गोलाघाट, हैलाकांदी, होजाई, जोरहाट, कामरूप, कामरूप (मेट्रो), करीमगंज, लखीमपुर, माजुली, मोरान, मोरीगांव, नगांव, नाहरकटिया, नलबाड़ी, रंगिया, शिवसागर, शोणितपुर, दक्षिण सालमारा, मानकाचर, तामुलपुर, तिनसुकिया, तिताबर और उदालगड़ी शामिल है। उद्घाटन समारोह में ऑल असम ताइक्वांडो एसोसिएशन के महासचिव हिरण्य सैकिया, कार्यकारी अध्यक्ष दिगंता बोरा, उपाध्यक्ष ध्रुवज्योति बरगोहाई, कोषाध्यक्ष प्रांजल बुढ़ागोहाई और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शारजाह में अरविंद चिथमबरम ने सलेम को हराकर एकमात्र बढ़त हासिल की

शारजाह। भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चितांबरम यहां शारजाह मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर की समाप्ति के बाद स्थानीय स्टार एआर सालेह सलेम को हराकर 4.5 अंकों के साथ एकमात्र नेता के रूप में उभरे।चित्रंबरम के बाद अब चार खिलाड़ी हैं, अमीन तबाताबेई और बर्दिया दानेश्वर की ईरानी जोड़ी और अमेरिकी हंस मोके नीमन और सैम शैंकलैंड, जिनके सभी चार अंक हैं।शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जुन एरिगैसी आठ खिलाड़ियों के अगले समूह में हैं, जिनके प्रत्येक के 3.5 अंक हैं और संकल्प गुप्ता के रूप में एक और भारतीय उनका साथ दे रहे हैं।52000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में अभी भी चार राउंड खेले जाने बाकी हैं, 16 खिलाड़ियों में से प्रत्येक के समान तीन अंक हैं। इस सूची में भारतीय अभिमन्यु पुराणिक, लियोन ल्यूक मेंडोंका, पी इनियान और वी प्रणव शामिल हैं।

यह कई लोगों के लिए कार्यालय में एक कठिन दिन साबित हुआ लेकिन चित्रंबरम अपने तत्व में थे क्योंकि उन्होंने खेल के सभी विभागों में सलेम को आसानी से हरा दिया।यह सलेम द्वारा किंग्स इंडियन डिफेंस था जिसने काले रंग का खेल खेला और मध्य गेम में चित्रंबरम ने रानी पक्ष पर दबाव डाला। यह 17वीं चाल पर था कि चेन्नई स्थित जीएम ने एक शानदार सामरिक अनुक्रम जारी किया, जिसमें एक किश्ती के लिए दो छोटे टुकड़े छोड़ दिए गए।जैसे-जैसे चीजें सामने आईं, बाकी गेम में व्हाइट की स्थिति बेहतर बनी रही और अंततः गेम के अंत में सलेम को मात मिली जिसमें व्हाइट का किश्ती बेहतर साबित हुआ। यह गेम 48 चालों तक चला। रूस की उभरती प्रतिभा, जिसे यहां FIDE ध्वज के तहत खेलना है, वोलोदर मुर्ज़िन के खिलाफ एरीगैसी किसी समय परेशानी की स्थिति में थी। क्वीन पॉन गेम के मध्य गेम में वैकल्पिक रूप से बेहतर स्थिति प्राप्त करने के बाद, एरीगैसी रक्षात्मक थी क्योंकि मुर्ज़िन ने कुछ स्थिर सुधार किया था। उसे किश्ती और प्यादों के अंतिम खेल में समाप्त करना था जहां ड्रा एक उचित परिणाम था।संकल्प ने अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए अजरबैजान के बेहद सम्मानित खिलाड़ी तीमोर रादजाबोव को बराबरी पर रोका, जबकि अभिमन्यु पुराणिक अपनी फॉर्म बरकरार नहीं रख सके और ईरान के अमीन तबाताबई से हार गए।

महत्वपूर्ण और भारतीय परिणाम राउंड 5 (जब तक निर्दिष्ट न हो भारतीय): अरविंद चित्रंबरम (4.5) ने ए.आर. को हराया। सालेह सलेम (यूएई, 3.5); हंस मोके नीमन (यूएसए, 4) ने एलेक्सी सराना (एसआरबी, 3.5) के साथ ड्रा खेला; एरीगैसी अर्जुन (3.5) ने वोलोदर मुर्ज़िन (फ़िड, 3.5) के साथ ड्रा खेला; अभिमन्यु पुराणिक (3) अमीन तबताबाई (इरी, 4) से हार गए; संकल्प गुप्ता (3.5) ने सैमुअल सेवियन (यूएसए, 3) के साथ ड्रा खेला; श्रेयस रॉयल (इंग्लैंड, 3) ने निहाल सरीन (3) के साथ ड्रा खेला; लियोन ल्यूक मेंडोंका (3) ने निकोलस थियोडोरो (ग्रे, 3) के साथ ड्रा खेला; पी इनियान (3) ने टेइमोर राद्जाबोव (एज़े, 3) के साथ ड्रा खेला; वी प्रणव (3) ने नोदिरबेक याकुबोएव (उज़्बेक, 2) को हराया; अभिमन्यु मिश्रा (2.5) ने भरत सुब्रमण्यम (2.5) के साथ ड्रा खेला; बेंजामिन ग्लेडुरा (हुन, 2.5) ने प्रणव आनंद (2.5) के साथ ड्रा खेला; आदित्य मित्तल (2.5) ने सिद्धार्थ जगदीश (एसजीपी, 2.5) के साथ ड्रा खेला; बी अधिबान (3) ने पौया इदानी (इरी, 2) को हराया; अभिजीत गुप्ता (2.5) ने महदी घोलामी ओरिमी (इरी, 2.5) से ड्रा खेला; डी हरिका (1.5) एम्रे कैन (तूर, 2.5) से हार गईं; यिलमाज़ मुस्तफा (तूर, 1.5) ने राजा ऋत्विक (1.5) के साथ ड्रा खेला; एस पी सेथुरमन (1) यागिज़ कान एर्दोगमस (तूर, 2) से हार गए।

किआरा आडवाणी

ने कान्स में बोली ऐसी अंग्रेजी, वीडियो देख भड़के यूजर्स बोले- ये खुद को किम कार्दशियन समझ रही है...

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 को शुरू हुए पूरे 6 दिन हो चुके हैं। इन 6 दिनों में कई सेलेब्स ने रेड कारपेट पर अपना जलवा बिखेरा। इन्हीं में से एक थी बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आवाणी । अभिनेत्री ने वुमेन इन सिनेमा गाला डिनर में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया।सोशल मीडिया पर उनका लुक काफी वायरल हो रहा है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत नजर आईं। एक तरफ जहां फैंस सोशल मीडिया पर उनके लुक की तारीफ कर रहे हैं तो वहीं, दूसरी तरफ अभिनेत्री को ट्रोल भी किया जा रहा है, जिसका कारण है उनके बात करने का तरीका।

कियारा आडवाणी का कान्स वीडियो

कियारा आडवाणी का कान्स फिल्म फेस्टिवल से एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह मीडिया से बातचीत करती नजर आ रही हैं। इस दौरान अभिनेत्री का बोलने का तरीका पूरी तरह से बनावटी नजर आ रहा है। बस फिर क्या लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया।वीडियो में कियारा बोलती हैं, यह बहुत अच्छा है। अब मेरे करियर को एक दशक होने जा रहा है, इसलिए यह एक बहुत ही खास पल है। मैं पहली बार यहां कान्स में आकर और सिनेमा में महिलाओं के लिए रेड सी फाउंडेशन से सम्मानित किए जाने पर बहुत आभारी हूं।ङ

हालांकि, कियारा आडवाणी का अंग्रेजी बोलने का तरीका लोगों को पसंद नहीं आ रहा है। कई यूजर्स का कहना है कि अभिनेत्री बनावटी अंग्रेजी बोल रही हैं। एक यूजर ने लिखा, क्या कियारा खुद को किम कार्दशियन समझ रही है? एक अन्य यूजर ने लिखा, कान्स जाकर इसे क्या हो गया है। ये तो ऐसी नहीं थी।

एक्ट्रेस की आने वाली फिल्में

कियारा आडवाणी आखिरी बार कार्तिक आर्यन संग फिल्म सत्यप्रेम की कथा में नजर आईं थीं। अब वह जल्द राम चरण के साथ गेम चेंजर में नजर आएंगी। इसके अलावा रणवीर सिंह के साथ डॉन 3 में भी नजर आएंगी।

अब उनके दिमाग में क्या है... तारक मेहता के सोढ़ी की घर वापसी पर आया शो के प्रोड्यूसर असित मोदी का रिएक्शन

पॉपुलर टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा में रोशन सिंह सोढ़ी का रोल प्ले करने वाले एक्टर गुरुचरण सिंह की 25 दिन बाद घर वापसी हो गई है. उनके घर वापिस आने से उनके घरवाले और रिश्तेदार बहुत खुश हैं. इसके अलावा उनके शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा की कास्ट ने भी सोढ़ी के सही-सलामत घर वापस आ जाने के बाद राहत की सांस ली है. भले ही सोढ़ी पिछले कुछ सालों से इस शो का हिस्सा नहीं हैं लेकिन इसके बाद भी एक्टर के टर्म्स कास्ट और क्रू के साथ अच्छे हैं. अब सोढ़ी के वापिस आने की खुशी शो के प्रोड्यूसर असित मोदी ने भी जताई है.

असित मोदी ने क्या कहा ?

असित मोदी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि- मैं बहुत खुश हूं कि उनकी वापसी हो गई है. मैं उन्हें आगे के लिए शुभकामनाएं देता हूं. मैं उनके परिवार के साथ भी जुड़ा हुआ हूं. हम सभी इस बात से काफी परेशान थे कि वे कहां चले गए हैं, लेकिन अब जब वे आ गए हैं तो हम सभी ने भी राहत की सांस ली. मुझे ज्यादा डिटेल्स नहीं पता थी लेकिन हम उनके परिवार के लिए खुश हैं कि उनका बेटा वापिस आ गया है. अब उनके मन में क्या है ये तो मैं नहीं जानता. उनकी फीलिंग्स हम नहीं बता सकते.

16 साल शो से जुड़े रहे

तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो की बात करें तो इस शो में करीब 16 साल काम करने के बाद रोशन सिंह सोढ़ी ने शो छोड़ दिया था. लेकिन वे शो की कास्ट के साथ जुड़े हुए थे और कॉन्टैक्ट में रहते थे. रिपोर्ट्स की मानें तो घर छोड़ने के पहले उनकी माली हालत ठीक नहीं थी और वे डिप्रेशन में भी थे. उन्हें ढूंढने में दिल्ली पुलिस लगी थी लेकिन पुलिस उन्हें ढूंढने में नाकाम रही. वे खुद 25 दिन बाद वापिस अपने घर लौट आए.

कपिल शर्मा के नए शो में क्यों नहीं दिखीं उनकी ऑन स्क्रीन पत्नी? अब दिया जवाब

पॉपुलर कॉमेडियन कपिल शर्मा के नए शो को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. ये शो ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आता है और अब इसके पहले सीजन की शूटिंग खत्म हो गई है. इस सीजन के कुछ एपिसोड्स ही आने रह गए हैं. शो में इस बार सुनील ग्रोवर की भी एंट्री हो गई. कपिल और सुनील के बीच विवाद के बाद दोनों के बीच बात बिगड़ गई थी. लेकिन कपिल के नए शो में दोनों का रीयूनियन देखने को मिला. मगर एक शख्स इस सीजन में देखने को नहीं मिली. वो थीं एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती. वे इस सीजन शो में नहीं जुड़ीं. अब एक्ट्रेस ने बताया है कि द कपिल शर्मा शो में कपिल की वाइफ का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस नए सीजन में दिखाई नहीं दीं.एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती की बात करें तो उन्होंने इस बारे में बात करते हुए कहा- 'मेरे पास इसका जवाब नहीं है. मैं

जिस शो का हिस्सा थी वो किसी दूसरे चैनल पर आता था और वो शो जुलाई में बंद हो गया था. उसके बाद से मेरी खुद की जर्नी चल रही है. मैं खुद की चीजें करने लग गई थी, नेटवर्क बनाने लग गई थी. लोगों से मिलने लग गई थी.'

फैन्स को कही ये बात

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि- जब मैं कपिल शर्मा के नए शो में नहीं दिखी तो कई सारे लोग मेरे पास आए और उन्होंने मुझसे कहा कि वे मुझे मिस करते हैं. मुझे पता है कि फैन्स मुझे बहुत मिस कर रहे हैं. मैंने उनके मैसेज भी पढ़े हैं. वो क्षण जब मैं घर के बाहर कदम रखती हूं तो मुझे ऐसी बातें कहने वाले कई सारे लोग मिल जाते हैं. यही मेरे लिए सबसे बड़ी मोटिवेशन है कि मैं कुछ अलग और बेहतर करती रहूं. जब मैं पिछले साल लंदन में थी, तो कई सारे इंडियन्स मेरे पास आए और कहा कि बड़े अच्छे लगते हैं में उन्होंने अच्छा काम किया था. चाहें जो भी शो हो, जब जनता का इतना प्यार मिलता है तो बहुत अच्छा लगता है. आपको ऐसा लगता है कि आप कुछ अच्छा कर रहे हैं. किसी को ऐसा नहीं लगता था कि मैं अच्छी कॉमेडी कर सकती हूं.

प्रीति जिंटा

के एक्स से शादी करने वालीं Suchitra Pillai ने बताया- आखिर क्यों लगा ब्वॉयफ्रेंड स्नैचर का ठप्पा

इंटरनेट मीडिया के इस दौर में कई बार कलाकारों के जीवन से जुड़े पुराने किस्से भी नए अंदाज में चर्चा में छा जाते हैं। ऐसा ही हाल ही में अभिनेत्री सुचित्रा पिल्लई के साथ हुआ।दरअसल, साल 1997 में एक मैगजीन ने कवर पर सुचित्रा की तस्वीर लगाकर उन्हें बायफ्रेंड स्नैचर (छीनने वाली) का तमगा दे दिया था। सुचित्रा को यह तमगा तब मिला, जब वह लंदन से आने के बाद एंड्रयू कॉइन को डेट करने लगी थीं। जबकि उनसे पहले एंड्रयू मॉडल अचला सचदेव के साथ रिलेशनशिप में रहे थे।

हाल ही में, एक साक्षात्कार के दौरान इस मामले पर बात करने के बाद सुचित्रा के ब्वॉयफ्रेंड स्नैचर वाला मामला अभिनेत्री प्रीति जिंटा से जोड़कर देखा जाने लगा। गौरतलब है कि सुचित्रा ने साल 2005 में लार्स केल्डसन से शादी की थी। सुचित्रा से पहले लार्स, प्रीति को डेट कर चुके थे।

प्रीति से मामला जुड़ने पर बोलीं सुचित्रा पिल्लई

सुचित्रा कहती हैं, यह बहुत पुरानी कहानी है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान मैंने इसका जिक्र किया तो यह फिर चर्चा में आ गई। मुझे नहीं पता कि लोग अभी क्यों बात का इतना बतंगड़ बना रहे हैं। यह साल 1997-98 की बात है। मैं यह क्लियर कर दूं कि इसका प्रीति जिंटा या मेरे पति से लेना-देना नहीं है। यह खबर एक पत्रिका के कवर पेज पर छपी थी। जिन्होंने (अचला सचदेव) मुझे यह बात बोली थी, उन्हें भी पता था कि यह झूठ है। बाद में उन्होंने ऐसा बोलने के लिए माफी मांगी थी। आज हम दोस्त भी हैं।

ब्वॉयफ्रेंड स्नैचर कहने पर बिगड़ा करियर ?

उस समय सुचित्रा करियर के शुरुआती पड़ाव पर थीं, फिर ऐसे नाम उछाले जाने के बाद खुद को कैसे संभाला? वह कहती हैं, ऐसा नहीं है कि मैं उस खबर से प्रभावित नहीं हुई थी। यह स्वाभाविक सी बात है कि लोग उस बारे में बातें करते हैं। बाद में उसी पत्रिका से मुझे फोन आया। उन्होंने पूछा कि क्या आप कवर पेज पर छपना और पूर्व में प्रकाशित खबर का खंडन करना चाहेंगी? तो मैंने कहा कि मैं ऐसा नहीं करूंगी। मैं खुद को आईने में देख सकती हूं। यह खबर बनाने वाली इंसान किसी और समस्या में फंस गई, तो सच्चाई खुद बाहर आ गई।ङ